रिकस्ट्री सं• डी (डी) ... 73



PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]

मई दिल्ली, शनिवार, जून 16, 1979 (ज्येष्ठ 26, 1901)

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 16, 1979 (JYAISTHA 26, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था थी जाती है जिससे कि यह अक्षण संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग III—**वर्ष** 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संच लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011 , दिनांक 21 मई 1979

सं० ए० 32013/1/79-प्रशा. ा - राष्ट्रपति द्वारा निम्न-. लिखित प्रधिकारियों को उनमें सेप्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई प्रवधि के लिए या प्रागामी ग्रादेशों तक, इनमें जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में केद्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में तदर्थ ग्राधार पर श्रवर सचिव के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

ऋस सं० नाम श्रवधि

- श्री बी० बी० मेहरा (के० स० 20-4-79 से 19-7-79 स्टे० से० के ग्रेड क के स्थायी तक।
 श्रधिकारी)।
- 2. श्री बी० एस० कपूर (के० स० 11-4-79 से 10-7-79 से० के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड तक के स्थायी अधिकारी)।

एस० बालचन्द्रन भ्रवर सचिव ग्रह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन श्रकादमी,

मसूरी, दिनांक 25 मई 1979

सं० 2/46/75-स्थापना—इस कार्यालय की भ्रष्टिसूचना सं० 2/46/75-स्थापना दिनांक सितम्बर 30, 1978 को जारी रखते हुए, निदेशक महोदय श्री कैलाणचन्द्र सक्सेना की नियुक्ति पुस्तकालयाध्यक के पद पर दिनांक 15-4-1979 से भ्रागामी छ: मास के लिए या किसी नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पूर्व हो, तदर्थ रूप में सहुष बढ़ाते हैं।

> के० एस० भट्ट उप निदेशक

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-19, दिनांक 24 मई 1979

सं० ई०-16014/(1)/26/73-कामिक--राजस्थान राज्य पुलिस को प्रत्यावर्तित होने पर श्री डी० वी० बहल ने 30

1-106GI/79

श्रप्रैल, 1979 के अपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के कमांडेंट पद का कार्यभाग श्रोड़ दिया।

दिनांक 28 मई, 1979

सं० ई०-16013(1)/78-कार्मिक — प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतिरत होने पर श्री जे० पी० वर्मा, भा० पु० से० (उड़ीसा 66) ने 10 मई, 1979 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ख० यूनिट, बी० एस० एल० बोकारो, के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

(ह०) अपठनीय महानिरीक्षक

भारत के महापँजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 मई 1979

सं० 11/28/78-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापेंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक और इस समय उसी कार्यालय में अन्वेषक और इस समय उसी कार्यालय में तदर्थ प्राधार पर अनुसंधान प्रधिकारी के पद पर कार्यरत श्री श्रार० सी० कथूरिया को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 5 मई, 1979 के पूर्वाह, से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थाई क्षमता में, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहवं नियुक्त करते हैं।

श्री कथ्रिया का मुख्यालय भोपाल में होगा।

सं० 11/28/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति पश्चिम बँगाल, कलकत्ता में, जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री एन० पी० सरकार को जनगणना कार्य निदेशालय नागालैण्ड, कोहिमा में सारीख 28 श्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्र में अगले आदेशों तक, नियमित श्राधार पर, श्रस्थाई क्षमता में महायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर महर्ष नियुक्त करते ह।

श्री सरकार का मुख्यालय कोहिमा में होगा।

दिनांक 25 मर्ड 1979

सं० 11/28/78-प्रणा० 1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री एन० एम० अल्वी को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदे-शालय में तारीख 14 मई, 1979 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर, अस्थायी क्षमता में, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री अल्बी का मख्यालय पटना में होगा।

दिनांक 26 मई 1979

सं० 11/76/79-प्रणा० 1--राष्ट्रपति, भारतीय प्रणासनिक सेवा के बिहार सँवर्ग के ग्रधिकारी, श्री बी० बी० लाल को तारीख 14 मई, 1979 के श्रपराह्म से ग्रगले श्रादेशों तक बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्प नियुक्त करते हैं।

2. श्री लाल का मुख्यालय पटना में होगा।

विजय पाल पाण्डे भारत के उप महापेंजीकार

. वित्त मंत्रालय ग्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय दिनांक 24 मई 1979

सं० थी एन पी सी 578 नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/ 5/78—श्री वी० पी० भल्ला, स्थायी नियन्त्रण निरीक्षक को दिनांक 8-5-79 (पूर्वाह्न) से दिनांक 17-6-79 (मध्याह्न) सक ग्रह्मावधि ग्रवकाश रिक्ति में तदर्थ ग्राधार पर उप-नियन्त्रण भ्रधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के नेतनमान में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

पी० एस० शिवराम महा प्रबन्धक

सेक्यूरिटी कागज मिल होशंगाबाद दिनांक 24 अप्रैल 1979

बूंकि श्री एस० एस० एस० गुंगोला, भंडार ग्रिधिकारी दिनांक 1/5/79 से 31/5/79 तक 31 दिन के श्रीजित श्रवकाण पर जा रहे हैं, श्री के० एन० डोमले भंडार पाल को रु० 840-40-1000-ई०बी०-40-1200 के वेतनमान में भंडार श्रिधिकारी के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्रो० प्र० शर्मा मुख्य इंजीनियर

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम

ग्वालियर, दिनांक 18 मई 1979

सं० स्थापना-1/57—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्न लिखित स्थायी अनुभाग श्रिधकारियों को, स्थानापन्न क्षमता में लेखा श्रिधकारी के पद पर वेतनमान रुपये 840-40-1000-द० श्रा०-40-1200 में उनके नाम के श्रागे दणिये गये दिनांक में पदोन्नत किया है:—

मर्वश्री

- एस० म्रार० पन्डया (02/0248) 5-5-79 पूर्वाह्न
 के०पी० नायक (02/0249) 5-5-79 पूर्वाह्न
- 3. एम॰ भ्रार॰ उपासनी (02/0250) 9-5-79 पूर्वाह्म

कृष्ण गोपाल

वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रणासन

रक्षा मंत्रालय भारतीय भार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स बोर्ड दिनांक 16 मई 1979

सं० 28/79/जी—-राष्ट्रपति, श्री सी० एम० माधुर स्थानापन्न ए० डी० जी० ग्रेड-I। मौलिक एवं स्थागी को स्थानापन्न डी० डी० जी० लेवल के II पद पर दिनांक 25-4-79 से मागामी मादेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 मई 1979

सं० 23/79/जी०—-राष्ट्रपति, श्री खन्द्रकान्त बाई पाटिल, को सहायक प्रबन्धक (परखाधीन) के पद पर दिनांक 26 मार्च, 1979 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

> वी० के० मेहता महायक महानिदेशक, प्रार्डनेस फैक्टरिया

वाणिज्य , नागरिक भ्रापूति एवं सहकारिता मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात का कार्यालय नई दिस्ली, दिनांक 2 श्रप्रैल 1979 भ्रायात-निर्यात ज्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/890/70-प्रणा० (राजपितत) — राष्ट्रपित, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के धनुभाग प्रधिकारी वर्ग के स्थाई प्रधिकारी श्री एल० प्रसाद को 18 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्र से उक्त सेवा के वर्ग 1 में धगला श्रादेण होने तक, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री एल० प्रसाद को इस कार्यालय में उसी दिन से उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 अप्रैल 1979
संख्या-6 / 1298 / 79-प्रशासन (राज०)—
राष्ट्रपति सांख्यिकी एवं केन्द्रीय आसूचना तथा सीमा-शुल्क
के आंकड़ा मूल्यांकन निदेशालय के केन्द्रीय मुद्रा-विनिमय, नई
दिल्ली के वरिष्ठ विश्लेषक, श्री कुन्हीम्नुष्णन को इस कार्यालय में
31 मार्च, 1979 (पूर्वाहुन) से 6 महीने के लिए प्रतिनियुक्ति
के आधार पर उप-निदेशक (शुल्क वापसी) के रूप में नियुक्त
करते हैं।

राजिन्दर सिंह उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्याक्ष कृते मुख्य नियनंण ग्रायात निर्मात

उद्योग मंत्रालय ग्रौद्योगिक विकास विभाग वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, धिनांक 23 मई 1979

सं० सी० ई० म्रार०/6ए०/79--सूती वस्त्र (नियंद्यण) म्रादेश, 1948के खंड 34 में प्रदक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार को पूर्व स्वीकृति से मैं एतव्द्वारा वस्त्र भागुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58 दिनांक 7 मार्च 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संगोधन करता हूं, अर्थात्:—

उपरोक्त श्रिधसूचना से संलग्न सारिणी की क्रम संख्या 2 के स्तंभ 2 में दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे:—

- (1) निदेशक (हाथ करघा भौर रेशम उत्पादन)
- (2) संयुक्त उद्योग निदेशक (वस्र) उप-निदेशक, उद्योग (वस्र)
- (3) सभी प्रादेशिक श्रपर/संयुक्त निदेशकगण/उप-निदेशक उद्योग
- (4) सभी प्रधान प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र।

सं० सी० ई० म्रार०/6 बी०/79—सूती वस्त्र (नियंद्मण) म्रादेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रीर केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से में एतद्द्रारा वस्त्र आयुक्त की भिधसूचना सं० टी० सी० (12)/58, दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित श्रतिरिक्त संशोधन करता हुं, मर्थात्:—

उपरोक्त ग्रिधिसूचना से संलग्न सारिणी की क्रम संख्या 2 के स्तम्भ 2 में दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे:—

- (1) वस्त्र नियंत्रक, बिहार
- (2) उद्योग निदेशक, पटना
- (3) निदेशक (हाथ करमा भ्रौर रेशम उत्पादन) बिहार, पटना

गोरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 25 मई, 1979

सं० ६० एस० टी०-1-2(559)/1830—वस्न भ्रायुक्त भपने बम्बई स्थित मुख्यालय के श्री क्ष० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (म्राधिक) को दिनांक 3-3-1979 के पूर्वास्त्र से मन्य मादेश होने तक, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, प्रथम भेणी (नान टेकनिकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> जो०चं० होसदाक उप-निदेशक (प्रशासन)

आकाशवाणी महानिदेशासय नई दिल्ली, दिनांक मई 1979

सं० 28/1/79-एस-II — महानिदेशक, आकाशवाणी श्री भन्नाहम जोसफ, फार्म रेडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी कालीकट पर फार्म रेडियो श्रधिकारी के पद पर ग्रस्थाई ग्राधार पर 30 मप्रैल, 1979 से नियुक्त करते हैं।

> एस० बी० सेषाद्री उप निदेशक प्रशासन क्रते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 17 मई 1979

सं० 17/23/49-सिबन्दी-I--श्री डी० एन० चावला, स्थायी णाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग बम्बई, वार्धक्य वय प्राप्त होने के वजह, दिनांक 30-4-79 के दुपराह्न से सेवा

> नरेन्द्र नाथ शर्मा महायक प्रशासकीय अधिकारी क्रुते मुख्य निर्माता

विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 29 मई, 1979

ए०-12026/5/79-स्था०--इस निदेशालय के स्थानापन्न सहायक वितरण अधिकारी,श्री डी० एल० घोषाल, 10 मई, 1979 (भ्रपराह्म) से वितरण सहायक के पद पर प्रतिवर्तित हुए।

> श्रार० नारायण उप निदेशक (विज्ञापन) कृते विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1979

सं० ए० 39012/1/77-भण्डार-1---राष्ट्रपति ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्रास के डा० एस० जयासुन्दर, सहायक निदेशक (फॉर्माकालोजी) (ग्रुप ए० राजपन्नित) का इस्तीफा तत्काल से मंजूर कर लिया है।

> सुन्दर कुमार कथकि उप निदेशक प्रशासन (भण्डार)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 17 मई 1979

ए०-19012/46/79-इस्टे०--श्री राजेन्द्र शुक्ला, स्थानापन्न वरिष्ठ श्रनुसंधान सहायक को राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक 9-5-79के पूर्वाह्न से आगामी ग्रादेशों के हीने तक कनिष्ठ वैज्ञानिक प्रधिकारी (जैव) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

> न० ग्र० रामैथ्या निदेशक

केन्द्रीक मत्स्य शिक्षण संस्थान (म्राई० सी०ए० म्रार०) बम्बई-400058, दिनांक 23 मई 1979

सं० 2/12/77 स्था विभागीय पदोन्तति के सिफारिश (वर्ग-ब) से निम्न सही करने वाले महरबान, निषे दिसे हुए प्रधिकारियों की कायम स्वरूप में, ग्रवर श्रेणी शिक्षक के पद पर स्थायी नियुक्ति, क्षेत्रीय शिक्षा केन्द्र के श्रांतर स्थलीय मत्स्य प्रवर्तीक, श्राग्रा ग्रौर केन्द्रीय मत्स्य विस्तारीत शिक्षण केन्द्र, हैंदराबाद में करते हैं। जो की इस संस्थान के घटक मालक हैं भ्रौर जैसे की हर एक के सामने दिखाये गये

क्रमांक स्थायी करने नाम घटक माम्नक की तारीख

सर्व श्री

- 1. एच० जी० हिंगोराणी **)क्षेत्रीय शिक्षण केन्द्र**
- 2. के० सी० मल्होना के भ्रांतर स्थलीय श्रार०के०गुलाटी
- 4. एम० एल० रस्तोगी
- केन्द्रीय मस्स्य विस्ता-रीत शिक्षण केन्द्र, हैंबराबाद। 5. ए० घोष 6. के०एम० राव
- 7. बी० के० शर्मा

ह० अपठनीय निवेशक

कृषि भौर सिचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय प्रधान कार्यालय फरीवाबाद, विनांक 29 मई, 1979

सं० ए० 19023/20/78-प्र oIII--इस निदेशालय के विषणन प्रधिकारी, श्री नत्था राम, जो कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर थे, का सरकारी सेवा से त्याग-पत्न, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा दिनांक 31-5-78 (भ्रपराह्म) से स्वीकृत कियागया है।

सं० ए० 19023/3/79-प्र० ---विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तृतियों के अनुसार, निम्न अधिकारियों को, जो कि तदर्थ ग्राधार पर विपणन ग्रधिकारी (वर्ग I) के पद पर कार्य कर रहे हैं, को दिनांक 24-4-79 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न विपणन मधिकारी (वर्ग 1) पदोश्नत किया जाता है:---

- 1. श्री बी० बी० सरकार
- 2. श्री एम० रडैया

सं० ए० 19025/10/79-प्र० III — दिल्ली कृषि विपणन बोर्ड, दिल्ली के प्रधीन विदेश सेवा से परावर्तन के उपरान्त, श्री धार० पी० सम्रदेशा ने इस निदेशालय में फरीदाबाद में दिनांक 18-5-79 (ग्रपराह्म) से सहायक विपणन ग्रधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> बी० एल० मनिहार प्रशासन निदेशक क्रुते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना बुलंदशहर, दिनांक 22 मई 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशासन/1(120) /79-एस/ 6000---नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना स्रभियंता, विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग खण्ड के स्थायी फोरमैन श्री एस० एल० ठक्कर, जो इस ममय नरौरा परिमाणु विद्युत परियोजना में कार्यरत है, को 1 फरवरी 1979 के पूर्वाह्म से भगले भादेण तक के लिए इस परियोजना में ही वैज्ञानिक भिक्षकारी /इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी

क्य भौर भंडार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 22 मई 1979

सं० ऋ० भ० नि०/ग्र/32011/3/76/संस्थापन/23510— इस निदेशालय की समसंख्यक ग्रधिसूचना, विनांक 12 नवस्बर 1976 के सन्दर्भ में, श्री दत्तालेय यशवन्त णितूत की, महायक ऋग मधिकारी पद पर तद्दर्थ नियुक्ति की, 6 जनवरी 1979 अपराह्म तक रोका जाता है।

> के०पी० जोसफ प्रणासन श्रधिकारी

रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र कलपाक्कम, दिनांक 19 मई, 1979

सं० 32023/1/77/धार०-7938—रिएक्टर धनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक भाभा परमाणु धनुसंधान केन्द्र के स्थानीपक्ष प्रवरण कोटि प्राणुलिपिक और इस केन्द्र के स्थानीपक्ष प्रवरण कोटि प्राणुलिपिक श्री मुधैया कृष्णमूर्ति को 23-4-79 से 26-5-79 तक की ग्रवधि के लिए एतद्द्रारा तदर्थ ध्राधार पर सहायक प्रणासनिक ग्रधिकारी के पद पर स्थानीपन्न रूप से निमुक्त करते हैं।

पी० बी० सोमनाथन मुख्य प्रशासनिक प्रधिकारी पर्यटन श्रौर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 23 मई, 1979

सं० ६०(1)03347—मौसम विज्ञान के महानिदेशक के कार्यालय, मुख्यालय भारत मौसम विज्ञान विभाग में निर्देशक श्री श्रार० के० एस० सक्सेना निवर्तन की श्रायु पर पहुंचने पर 30 श्रप्रैंल, 1979 के श्रपराह्म में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुमुख राम गुप्ता मौसम विकानी भुतेमौसम विकान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 23 मई 1979

सं० ए० 32013/8/77-ई०-1—इस विभाग की दिनांक 29-3-79 की श्रिधसूचना संख्या ए० 32013/8/77-ई०-1, के कम में महानिवेशक नागर विभानन ने इस विभाग के स्थायी लेखापाल श्री एस० श्रार० भाटिया को श्रीर श्राग तीन माह के लिए विनांक 31-8-1979 तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले पड़े, नागर विमानन विभाग में तदर्ध श्राधार पर लेखा श्रिधकारी के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए० 35018/4/79-ई०-1—महानिदेशक नागर विमानन ने महालेखापाल राजस्थान की नफरी में शामिल श्री प्रेमराज लरोइया, श्रनुभाग अधिकारी को दिनांक 9-5-1979 (ग्रपराह्म) से एक वर्ष की श्रवधि के लिए नागर विमानन विभाग में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

वी० वी० जौहरी सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1979

सं० ए० 44012/1/78-ई० एस० - श्री जं० एस० बिस्ट, रेडियो अधिकारी, क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, दिल्ली, की महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के भाधार पर तीन वर्ष की भवधि के लिमें रेडियो अधिकारी के रूप में नियुक्ति हो जान पर उन्होंने किनांक 18 अप्रैल, 1979 से भ्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया था। उनकी नियुक्ति समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के दिनांक 4-5-1961 के कार्यालय जापन में विहित शतौं के भ्रधीन की गई है।

सुरजीत लाल **खण्ड**पुर सहायक निदेशक प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 26 मई, 1979

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर, सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री ए० एन० नाम, नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास, ने दिनांक 31-4-79 (श्रपराह्म) को श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> सत्य देव शर्मा उपनिदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 26 मई, 1979

सं० 16/83/78-स्थापना-1—-प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री वाई० ग्रार० सेठी, ग्रनुसंधान ग्रिधकारी, वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को दिनांक 31-3-79 के ग्रपराह्न से सेवा निवृतन की ग्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष ग्रनुमित देते हैं।

दिनांक 28 मई, 1979

सं० 13/3/70-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री वाई० आर० सेठी को दिनांक 22-10-64 से अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थाई हैसियत से नियुक्त करते हैं।

> गुरदयाल मोहन कुल सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1979

सं 23/2/77-ई० सी०II— केन्द्रीय लोक निर्माण $\frac{1}{2}$ विभाग के निम्नलिखित श्रिधकारी वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30 अप्रैल, 1979 (श्रपराह्म) की सेवा निवृत्त हो गर्य।

नाम	वर्तमान पदनाम
1	2
सर्वश्री	
1. बी० बी० लाल	कार्यापालक इंजीनियर (सिविल) मुख्य इंजीनियर (सतर्कता) कार्यालय केन्द्रीय कार्यालय, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली।
2. थी० पी० कटरमल	कार्यापालक इंजीनियर, फरीवाबाद उप-मण्डल, कं० लो० नि० विभाग, फरीदागाद।
3. ए० शिवास्वामी	कार्यापालक इंजीनियर (मूल्यन) यूनिट-प्र1, श्रायकर विभाग, बंगलौर।

1	2	
4. पी० सी० घोष	कार्यापालक इंजीनियर (विद्युत्), विद्युत मण्डल-III, कॅं०लो०	
	नि॰ विभाग, कलकत्ता।	

वी० श्रार० रत्तु प्रशासन उपनिदेशक **इ**ते निर्माण महानिदेशक

मध्य रैल

महाप्रबन्धक कार्यालय

बम्बई, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1079

सं० एव० पी० वी०, 220, जी०, 11, टी० सी०— निम्नलिखित श्रधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तारीख से द्वितीय श्रेणी में सहायक परिचालन श्रधीक्षक, सहायक वाणिज्य श्रदीक्षक के रूप में स्थायी कर दियं गये हैं:—

(1) श्री जं सी व में ने जंस 27-10-73 से 13-6-77 तक (क्यों कि श्री में ने जेस दिनां क 14-6-77 से किनष्ठ बेतनमान में स्थायी रूप से पदोन्नत है)।

(2) श्रीपी० राजैया .	27-1 0-7 3
(3) श्रीवी० ग्रार० पुरोहित	1-7-75
(4) श्रीग्रार०एम०	
भटनागर . ,	1-7 - 75
(5) श्रीके० के० मंहता	29-1-76
(6) श्री एस० नागस्वामी	29-1-76
(7) श्रीग्रार०सी० तिवारी	29-1-76
(8) श्रीवी० जी० सिरिसकर	1-3-7 6
(9) श्री एस० एम० विपाठी	2-5-76
(10) श्रीटी०एन०रैना	1-7-76

कृष्ण चन्द्र महाप्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्यं मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्राप का कार्यालय

भम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर एल० सी० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 26 मई 1979

सं० 470/3133--- प्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर डिवाइन चिट फण्ड प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विद्यदित कर दी आएगी।

कम्पमी अधिनियम 1956 ग्रौर एच० एच० केमिकल्म प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 26 मई 1979

सं० 471/4472 एल० सी०—श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर एच० एच० केमिकल्स प्राइवैट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

सा० नारायनन रजिस्ट्रार भ्राफ कम्पनीज कानपुर

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 एवं मेसर्स साहने होटल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, विनांक 1 मई 1979

सं० 13520/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स साहने होटल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटिस हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मेसर्स, जी० बेस्टिंग एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 15 मई 1979

सं० 8103/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि मेसर्स जी० बेस्टिंग एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमि-टेड का नाम आज रजिस्टर में काट विधा गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं मेसर्स बी० लख्यम्न प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 15 मई 1979

सं० 17264/560(5)——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेमर्स बी० लष्ठमन प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मेसर्म मुंडरा (एक्सपोर्ट) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 15 मई 1979

मं० 18254/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारी सूचना जी

है कि मेसर्ग मुंडरा (एक्सपोर्ट) प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मेसर्स सिनटेर्ड मेटल प्रोडक्टस लिमिटेड के विषय में ।

वम्बई, विनांक 24 मई 1979

सं० 12093/560(5)—~कम्पनी स्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्म सिनटेर्ड मेटल प्राडेक्टस लिमिटेड का नाम स्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं मेमर्स जनरेल एनामल प्राडक्टस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 24 मई 1979

सं० 13147/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स जनरल एनामल प्राडक्टम प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं मेसर्स सायोनारा गारमेन्टस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 24 मई 1979

सं० 13880/560(3)—— कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वाद्वा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवसान पर मेसर्स सायोनारा गारमेन्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स बागड़ सेवीगन्स एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 24 मई 1979

सं० 1477/560(5)— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा मूचना दी जाती है कि मेसर्स बागड सेवीगन्स एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम् 1956 एवं मेमर्स मु-ज्युम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 24 मई 1979

मं० 15959/560(5)—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण से एतदबारा सूचना दी जाती है कि मेमर्स सुज्युस प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

एल०एम० गुप्ता कम्पनियों का प्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 के मामले में एवं मै० एग प्राडक्टस (इण्डिया) प्राईवेट लिमिटेड, भोपाल के मामले में ।

ग्वालियर, विनांक 17 मई 1979

सं० 1060/रा०/961—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गंत एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर मै० एग प्रोडक्टम (इण्डिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 के मामले में : एवं मै॰ सुप्रीम स्टील कास्टिंग प्राईवेट लिमिटेड के मामले में।

ग्वालियर दिनांक 22 मई 1979

सं० 1029/म्रार०/1023—कम्पनी म्रधिनियम, -1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के म्रन्तगंत एतद्वारा सुचित किया जाता है के मैं० सुप्रीम स्टील कास्टिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इस म्रधिमुचना के प्रकाशन से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 के मामले में एवं मै० रूपा फोम्स मैन्युफेक्चरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के मामले में ।

ग्वालियर, दिनांक 28 मई 1979

सं० 1090/आर/— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रन्तर्गत एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर मै० कृपा फोम्म मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राईवेट लिभिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दशीया गया तो, रिजस्टर से काढ़ दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर कर्नाटक दिनांक 22 1979

सं० 133/560/78—कस्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ममुमरण से एतद्वद्वारा सूचना दी जाती है कि ताराकनंगी श्री वर्तकाणिवृद्धी कस्पनी लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कस्पनी विघटित हो गई है।

सं० 232/560/76—कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण से एतदहारा सूचना दी जाती है कि मार्य वैषय दलाली मंडी लिमिटेड का नाम म्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 557/560/79—कम्पनी भिधिनियम, 1956 की की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतदहारा सूचना वी जाती है कि दीकित्तत टैक्सटैलस मिल्स लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 588/560/79—कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतदक्कारा सूचना दी जाती है कि जनरल केडिट कार्पोरेशन लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उनत कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 764/560/78—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण से एतदहारा सूचना दी जाती है कि श्री गणेश मोटर सर्विस प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 784/560/76—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण से एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि बेकारी डिस्ट्रिक्ट मैन एसोशिएशन लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

सं० 790/560/79—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतदहारा सूचना दी जाती है कि ललित कला फिल्मस प्राईवेट लिमिटेंग्र का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 826/560/76—कस्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतदक्षारा सूचना दी जाती है कि मैसूर केमिकल्स एंड सोप वर्कस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भीए उक्त कष्पनी विचटित हो गई है।

सं० 980/560/79-80—-कम्पनी श्रिधनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतदशारा सूचना दी जाती है कि जगदेव विजनेस कार्पोरेशन प्राईवेट िमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से बाट दिया गया है श्रीर उक्त कष्पनी विघटित हो गई है।

सं० 1311/560/79—कस्पनी श्रिधितियम, 1956 की धारा 510 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि णांतिलाल एण्ड सन्म श्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

सं० 1316/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतवहारा सूचना दी जाती हैं। कि मशीनरी एण्ड फौड़ी बन्से प्रार्टवेट लिनिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

सं० 1362/560/79—कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण से एतदब्रारा सूचना दी जाती हैं कि बैंको पेइंट्स एण्ड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम माज रजिस्टर से काट धिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

मैं० 1388/560/78—कश्यनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतदब्रारा सूचना दी जाती है कि कर्नाटक फौन्ड्री प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मं० 1400/560/77—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि बेंगलूर टूरिस्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम प्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 1427/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धनुसरण से एतदहारा सूचना दी जाती है कि जूयल फिल्मस कार्पोरेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

सं० 1452/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की द्वारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतदब्वारा सूचना दी जाती है कि आरिट्रा टेक्टाटेलस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

मं 1471/560/76—कम्पनी म्रधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण से एतदहारा सूचना दी जाती है कि भ्रशय ज्योति प्रार्डवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दी जाती है कि भारद्वाज पब्लिकेशन लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

स० 1506/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्यद्वारा स्विना दी जाती है कि मीनाक्षी मैसूर मिल लिभिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 1554/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतदहारा सूचना दी जाती है कि मैसूर मेटल्स लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 1697/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ध्रनुसरण से एतदहारा सूचना दी जाती है कि भड़ा ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्ड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम प्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

सं० 1722/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतदहारा सूचना दी जाती है कि भुवनेशरी ट्रेडिंग एण्ड चिट फन्ड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

सं० 1748/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसूर फेन्नी एण्ड डिस्टिलरीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

मं० 1770/560/79—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि श्रहणोदय चिट फण्ड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज से रिजस्टर में काट दिया गया है श्रोर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

सं० 1774/560/79—कस्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुभरण से एतदहारा सूचना दी जाती है कि मेलटास इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

मं० 1813/560/79 -- कम्मनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कर्नाटका स्ट्रक्वरत्म प्राईवेट लिमिटेड का नाम अ/ज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्मनी विघटित हो गई है।

सं ० 1815/560/79--- कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्दारा सूचना

दी जाती है कि ज्यूल चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

सं० 1848/560/79—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वामना ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमि-टेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 1850/560/79—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि लवली चिट फंड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

सं० 1895/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपघारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचन दी जाती है कि कन्नड़ प्रभा प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 1931/560/76—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एस० श्रार० ट्रेडिंग एण्ड चिट केवेन्स प्राईविट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 1970/560/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूत्रना दी जाती है कि बेरिग्स एण्ड कापोनेन्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हा गई है।

सं० 2059/560/79—कम्पनी मिश्चनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि हफका डैरी फर्रामग प्राईवेट लिमिटेड का नाम माज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2086/560/78---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेंसूर पाकेजिंग्स इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2091/स्टेट/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना बी जाती है कि मैसूर सिलकेट्स एण्ड केमिकल्म प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर भे काट दिया गया है और कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2121/560/79--- कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 56 0 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण से एतद्श्वारा सूचना दी जाती है हिस्टीललैंड (इंडिया) पाईवेट लिमिटेड का नाम स्राज रजिस्टर में काट दिया गया है स्रोर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2142/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पश्चना चिट फण्ड एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर मे काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मं० 2165/560/79—कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मकसिंग इलेक्ट्रिकल इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2170/560/79—कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सी० एम० उब्ल्यू० प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

सं० 2188/560/79—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि श्रीबालाजी एग्रीकल्चरल इन्डस्ट्रियल एण्ड हाउसिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

सं० 2226 — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतर्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसूर एक्सट्रूसन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2331/560/78—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि मैंकों मेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज से रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2339/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतवृद्धारा सूचना दी जाती है कि सोनाई आफसेट प्रिटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है:

सं० 2346/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सरसुप्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर भे काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मं० 2350/560/76— कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण संएतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि केमरा फामस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2357/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारासूचना दी जाती है कि जनता जनार्दना सेवा फैनान्स एण्ड सेविंग्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर मे काट दिया गया और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2413/560/78---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्बारा सूचना दी जाती है कि बोक्किसियों एजेंसीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2417/560/77—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्दारा सूचना दी जाती है किटेलेकम्युनिकेशन एण्ड इलक्ट्रानिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विधटिन हो गई है।

मं० 2464/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ड्यूरल एक्सपोर्टम प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हों गई है।

सं० 2563/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्ँद्वारासूचना दी जाती है कि एम० एम० पोम लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2573/560/77—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की बारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि न्यू इंडिया प्रटिंग पब्लिशिंग एण्ड पैकेजिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

मं० 2604/560/76—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारासूचना दी जाती है कि बृन्दावन इन्स्ट्रमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दियागया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

सं० 2639/560/78—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतब्हारा सूचना दो जाती है कि मयूरा केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर में काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

मं० 2766/560/78——कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एसद्वाण सूचना दी जाती है कि एमैंस वैतस प्राईवेट लिसिटेड का न.म ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मं० 2767/560/78—कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि चामुंडेश्वरी आईल एण्ड प्रोटीन एकस्ट्राक्सन लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2939/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इंडस्ट्रियल एक्युपमेंट प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मं० 2947/560/79—कमानी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पान छेम प्राईवेट खिर्भिटेडका नाम आज रिजस्टर मे काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 2969/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्बारा सूचना दी जाती है कि इंजीनियरिंग कास्टिंग्स एण्ड कापोनेंट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई हैं

मं० 3048/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि गायली रोलर फ्लोर मिल्म प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

म० 3072/560/79 - नम्मती ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कामधेनु कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सं० 3164/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अलाय एण्ड स्पेशल स्टील प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटका

कार्यालय आयकर आयुक्त नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1979 आयकर

सं० जुरि-दिल्ली-5/78-79/4160—-श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त श्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई श्रनुसूची के कालम-2 में निर्विष्ट वार्ड/सिक्लों का कालम-3 में निर्विष्ट वार्ड/सिक्लों के साथ विलय हो जाएगा । इसके परिणामस्वरूप विलय हुए वार्ड के मामले वापस उन्हीं वार्डों में चले जाएंगे जिन वार्डों के साथ उनका विलय हुआ है :—

प्रनुसूची

		س است کر بر پرچرچی سیدگیا کا کوم پرسرچی است اور دست سیدی ایج
ऋ० सं०	मिलाए गए वार्ड का नाम	उस वार्ड का नाम जिस वार्ड में मिलाया गया है ।
1	2	3
1.	डिस्ट्रिक्ट 2(11) श्रतिरिक्त नई दिल्ली।	डि० 2 (11) नई दिल्ली ।
	यह भ्रधिसूचना 25-5-79 से ला	• [
		के० ग्रार० राघवन
	ग्रायकर म्रायुक्त,	दिल्ली-5, नई दिल्ली

ब्रायकर विभाग

नीचे उन व्यक्तियों तथा हिन्दू श्रविभक्त परिवारों के नाम की सूची दी गई है, जिनका निर्धारण वित्तीय वर्ष 1977-78 के दौरान 10 लाख रुपए से श्रधिक के धन पर हुआ है, (एक) में (ग्राई) व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच०" हिन्दू श्रविभक्त परिवार का सूचक है तथा (दो) में कर-निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में दिखाया गया धन (चार) में कर-निर्धारल धन (पांच) में निर्धारिती द्वारा देय कर (छ:) में निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है:---

- 22-002-एच० एन० 1885 मेसर्स बाला किणन दास एंड संस, चावड़ी बाजार, विल्ली ।
 - (1) एच
 - (2) 1964-65
 - (3) 11,05,729
 - (4) 11,74,760
 - (5) 4529
 - (6) 4529

के० म्रार० राषका भ्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० मी०/रेंज- $\Pi/$ कल०/1978-79---यतः मुझे एस० सी० यादव,

भायकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिष्ठक है

श्रीर जिसकी मं० 23ए/603/1 है तथा जो डायमन्ड हार्बर रोड, न्यू श्रलीपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, डिस्ट्रीक रिजस्ट्रीर 24-परगना अलीपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख 29-9-1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक इत्य से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरफ के द्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उन्त धिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उन्त धिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- (1) श्री विधिका देव, फ्लेट -3, 131, नेताजी सुभाष चन्द्र बोर रोड, रीजेन्ट पार्क: कलकत्ता। (श्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री 1. ग्रमिताभ मन्ना, 16 जयदेव कुण्डु लेन, हाबड़ा-1, 2. मंजुश्री दास, पी-44, ब्लाक-जी, न्यू ग्रलीपुर, कलकत्ता-53। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की से 45 विन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4-फट्ठा, 2 छटांक, 23 वर्गफीट जमीन जो नं॰ 23-ए/ 603/1 डायमन्ड हार्बर रोड, ब्लाक-म्रो, न्यू म्रलीपुर, कलकत्ता पर स्थित है।

एस० सी० यावय मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 23-3-1979.

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर प्रविनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के अंगेन सूचना

मारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रंज-II/कलक०/19-54—यतः मुझे एस० सी० यादव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मुख्य 25,000/- **६० से प्रधिक** है

भीर जिसकी सं० 171सी है तथा जो भ्रतीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार श्राफ एस्पुरेन्न, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भिष्ठक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐनी किनो माय या किसी घन या मन्य आहित यों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रिचित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

पतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त भिविनियम की धारा 269-थ की उपनाश (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रामती कृष्णा देवी मुरारका, 5-ए, स्रणोका रोड, कलकता-1।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती वाणी लाल श्रौर 2. ए० वी० एम० ग्रजय चन्द्र लाल, 17/1सी, श्रलीपुर रोड, कल-कत्ता।

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्येवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिस की मनिक्ष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिक्ष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस पूबना के राजपण में प्रकाशन की तारोख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यवित द्वारा, श्रशोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पद्धी खरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त प्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1700 वर्गफीट फ्लेट नं० 303, जो नं० 17/1मी, फ्रमीपुर रोड, कलकत्ता पर स्थित है।

डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 26-3-1979.

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकता-16, दिनांक 26 मार्च 1979

निर्देश सं०482/टी थार-458/मी-405/कल०-2/78-79—
यतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा.
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त धिवियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के धिवियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के धिवियम' कहा गया है),
विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- घर्य मे धिक है,
श्रीर जिसकी सं० 3 है नथा जो धोरियन्ट रो, कल०-17 में
स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे
विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन,
तारीख 11-9-1978

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये;

भतः भव, उना प्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, मैं जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- (1) श्रीमती ऊमिला चाकी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मानासी राय चौधरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविध,
 जो भी ध्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रषोहस्ताभरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पर्वो का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 श्रोरियेन्ट रो कल०-17 में श्रव स्थित 3 कट्टा, 2 छटां क जमीन पर तिन तल्ला मकान का 1/5 श्रविभक्त हिस्सा जो 11-9-78 तारीख में सब रिजस्ट्रार सिथालदह के पास रिजस्टर हुश्रा।

श्राई० वी० एम० जुनेज। मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

नारी**ख**: 26-3-1979,

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰~-

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकता-16, दिनांक 26 मार्च 1979

निर्देश एस एल/नं०-483/टी आर-430/सी-382/कल०-1/78-79—अतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पण् में ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 18 हैं तथा जो राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, 5; गर्वन्मेंट प्लेस नार्थ कल में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 14-9-78

1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिकृत के निये धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफन का पनदृह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत धन्तरण लिखित में वास्तिकृत क्या से किया गरा है:---

- (क) प्रत्तरण से हुई किसो प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनो भाष या किसी बन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर भ्रष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्ठिनियम या धनन्कर भ्रष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्र्योजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए या या छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः धव, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में में, उक्त धिधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के भदीन निम्नलिखित न्यक्तियों, प्रथात:--- (1) श्रो अवरजनाम चौपरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रतनी देवी जैन।

(अन्तरिती)

- (3) 1. बाबुलाल अगरवाल 2. ए० रहिम, 3. एन० के० दे, 4. समपूनन मिह, 5. युनाईटेड इंन्ड-स्ट्रियल वेंक, 6.पी० के० मित्र एण्ड कं०, 7. जनरल इंनजीनियरिंगमेन्यूफैक्चरिंड कं०, 8. इलाईट ट्रेडिंग कं०, 9. मोसन पिक्चर डिस्ट्रीब्यूटरस, 10. अलोक ट्रैडिंग कं०, 11. सि० जेंड इंनस्ट्रेंमेंण्ट्स (प्रा०) लि० कं०, 12. इस्टमैन (आई०) लिमिटेड)।
 - (वह व्यक्ति जिस केम्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) प्रेमलता चोपरा, 2. बुज मोहन चोपरा, 95 हाजरा रोड, 3. रामरतन सहगल, 4. श्रविनाश चन्द्र सहगल, 5. एम० मल्होत्ना, 6. विजय लक्ष्मी कपूर, सब 178 ग्राचार्य जगदीम चन्द्र बोम रोड, कला०-13।

(बह् व्यक्ति जिनके बारे में <mark>प्रघो</mark>-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में खे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारान्मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिनियम, के भव्याय 20-क में परिचाणित है, बही अब होगा, जो उस अध्यार में दिया गया है।

अनुसूची

18, राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड कल॰, में भ्रब स्थित चार तल्ला मकान का 1/7 हिस्सा जो 1-4520 डीड नं॰ श्रतुसार 14-9-78 नारीख में रिजिस्ट्रार श्राफ एसूरैंस कल॰ के पास रिजिस्टर हुआ।

म्राई० वी० एम० जुनेजा महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, कलकत्ता-16

नारीख: 26-3-1979.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रष्ठीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 26 मार्च, 1979

निर्देश सं० 484/टी० म्नार०-434/सी-386/78-79--म्रतः मुझे म्राई० वी० एस० जुनेजा
भागकर मिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त मिर्मित्यम' कहा गया है), की धारा 269--ख के भवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-क्पए से भिष्क है

श्रौर जिसकी सं० 18 है तथा जो राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्रेस नार्थ में, रिजस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिवित्यम के श्रभीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्य 'घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घितियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) मिसेस एस० मलहोस्ना

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती रतन देवी जैन

(अन्तरिती)

- (3) 1. बाबूलाल भ्रगरवाल, 2. ए० रहीम, (3) ए० के० दे, 4. एस० जिह, 5. यूनाइटेड इन्ड-स्ट्रियल बैंक, 6. पी० के० मित्र एण्ड को०, 7. जनरल इन्जीनियरिंग मैनुफैक्वरल कम्पनी, 8. इलाईट ट्रेडिं० कं०, 9. मोसन पिक्चर डिस्ट्रीव्यूशन, 10. श्रशोक ट्रेडिंग कम्पनी, 11. सी० जेड० इन्वेस्टम्ट (प्रा०) लि०. 12. ईस्टमैन (श्राई०) लिमिटेड— राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) 1. श्रष्ठराजलाल चोप्रा, 2. प्रेमलता चोप्रा, 3. श्रीजमोहन चोप्रा, 95 हाजरा रोड, 4. राम रतन साइंगल, 5. श्रीभनाश चन्द्र सगल, 6. विजयलक्ष्मी कापूर, 178 श्राचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता-13। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित- बद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्त के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है !

अनुसूची

18 राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता में अवस्थित धार तल्ला मकान का /7 हिस्सा जो 14-9-78 तारीख को ग्राई-4524 डीड, नं० श्रनुसार रिजस्ट्रीर श्राफ एसुरेक्स कलकत्ता का पास 14-9-78 तारीख में रिटर्ट्री हुश्रा।

भ्रई० वी० एम० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन -1, कलकत्ता-16

तारीख: 26-3-1979.

मोहर:

3-106GI/79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायभर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोज, कलकत्ता का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 26 मार्च, 1979

निर्देश सं० एस० एन० नं० 485/435/सी-381/कल०-1/78-79---प्रतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा, भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

शौर जिसकी सं० 18 है तथा जो राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकंत्ता स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवनेमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है शौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी माय या किसी घन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या घन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त के श्रिधिनियमकी धार 269-ज की उपधारा (1) श्रीम निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात्:—

- (1) श्रोमती विजय लक्की कपूर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री स्निलोक चन्द्र सईन (ग्रन्तरिती)
- (3) सर्वश्री 1. बाब्लाल श्रगरवाला, 2. ए० रहीम, 3. एन० कें० दे, 4. एस० सिंह, 5. युनाइटेड इन्डस्ट्रियल बैंक, 6. पी० के० सिंह, 7. जनरल इन्जीनियरिंग मैंनुफैक्वरिंग कं०, 8. यूनाइटेड ट्रेडिंग कं०, 9. मोसन पिकचार डिस्ट्रीव्यूटर्स, 10. अशोक ट्रेनिंग कं०, 11, सी० जेंड० इन्स्ट्र-मेंट्स (प्रा०) लिमिटेड, 12. ईस्टमैन (आई०) लिमिटेड—18, राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता (बहु ट्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) सर्बश्री 1. ग्रच्छेराज लाल चोप्रा, 2. श्रीमती प्रमलता चोता, 3. क्रिजमोहन चोप्रा, 4. एफ 95, हाजरा रोड, 4. राम रतन साईगल, 5. ग्रीभनाण चन्द्र साईगल, 6. एस० मलहोता ग्राफ 178, श्राचार्य जगदीण चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-13। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध म कोई भी भाक्षेर:---

- (क) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18 राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता में श्रवस्थित चार तल्ला मकान का 1/7 हिस्सा जो 14-9-78 तारीख में रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेज के पास रजिस्ट्रीकृत हुआ।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कखानता-16

तारीख: 26-3-1979।

प्रकप धाई । टी । एन । एस --

आयक्तर प्रचितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 प(1) के मधीन सुवता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, कलकसा

कसकता, दिनांक 26 मार्च 1979

पायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की चारा 269-ख के भिवित्य सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 18 है तथा जो राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय 5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-9-78 को पूर्वोस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृश्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिद्धित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गवा है:—-

- (क) धन्तरण से हुई किसी मान की वाबत उनत बाँध-तियम के मधीन कर की के मन्तरक के वार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधां के लिये; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धण्य धास्तियों को. जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिके;

श्रतः ग्रन, उस्त भिधितियम की श्रारा 269-ग के ममुतरण में, में, उस्त भिधितियम, की श्रारा 269-च की उपचारा (1) के श्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्णातः

- (1) श्रीमती प्रेम लता चोप्रा
- (2) श्री ग्रशोक फुमार सईन (ग्रन्तरिती)
- (3) सर्वश्री 1. बाबूलाल धागरबाल, 2. ए० रहीम.
 3. एन० के० डे, 4. एस० सिंह, 5. यूनाइटेड
 इन्डस्ट्रियल बैंक, 6. पी० के० मित्र एन्ड कं०,
 7. जनरल इन्जीनियरिंग मैंन्युफैक्चरिंग कं०, 8.
 एलाइड ट्रेडिंग कं०, 9. मोसन पिक्वर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, 10. ध्रशोक ट्रेडिंग कं०, 11. सी० जेड०
 इन्स्ट्रमेंट (प्रा०) लि०, 12. ईस्टमैन (श्राई०)
 लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पक्ति है)

(4) सर्वश्री 1. ग्रचराज लाल चोप्रा, 2. ब्रिजमोहन चोप्रा --- 95 हाजरा रोड, 3. रामरतन सहेगल, 4. ग्रविनाण चन्द्र सहेगल, 5. एम० मलहोत्रा, 6. विजयलक्ष्मी कपूर मझ 178 ग्रचार्य जगदीण बोस रोड, कलकता-13। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्माक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 4 क दिन की धविधि या तत्मम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्न क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत में बकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में ितबाद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पत्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों को, आयकर श्रिविनियम 1961 (1961 का 43) के श्रह्माय 20-क में परिभाषित है, उड़ी पर्व होगा, जो उस अध्याय में िया गया है।

अनुसूची

18, राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता में अवस्थित चार तल्ला मकान का 1/7 हिस्सा जो ब्राई-4521 डीड नं॰ अनुसार रिजस्ट्रार श्राफ एन्सुरेन्स कलकत्ता के पास 14-9-78 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, इलकता

तारीखाः 26-3-1979

प्ररूप धार्ष थी । एन । एस ---

ग्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के मजीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मार्च 1979

निर्देश सं० 487/टी० श्रार०-432/सी०-384/ कलकत्ता1/78-79—श्रतः मुझे श्राई० वी० एस० जुनेजा
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मुख्य 25:000/- ४० से प्रधिक है
श्रीर जिसकी सं० 18 है तथा जो राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड,
कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय,
5, गवर्नमेन्ट प्रेस, नार्थ, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख
14-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रमतिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक अप संक्रियत नहीं किया यमा है !---

- (क) शम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उनत श्रीक नियम, के श्रीका कर देने के शस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किशी धन या धन्य धास्तिवों को जिन्हें भारतीय धाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिशनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रदः, श्रव उपत श्रविनियम की ब्रापा 269ग के अनुसरण में, मैं, जनत अधिनियम की ब्रापा 269 ज की जपवापा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् !--- (1) श्री राम रतन सईगल

(भ्रन्तरक)

(2) मिस उषा जईन

(भ्रन्तरिती)

- (3) सर्वश्री बाबूलाल श्रगरवाला, 2. ए० रहीम, 3. एन० के० दे, 4. एस० सिंह, 5. यूनाइटेड इन्डस्ट्रियल बैंक, 6. पी० के० मित्र एण्ड कं०, 7. जनरल इन्जीनियरिंग एम०एफ० जी० कं०, 8. एलाइड ट्रेडिंग कं०, (9) मोसन पिक्चर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, 10. श्रशोक ट्रेडिंग कं०, 11. सी० जेड० इन्स्ट्रमेंट्स (प्रा०) लि०, 12. ईस्टमैंन (ग्राई०) लि०—सब, 18 श्रार० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) सर्वेश्री 1. श्रवराजलाल वोपरा, (2) प्रेमलता वोप्रा, (3) श्रिजमोहन वोप्रा, (4) श्रविनाश वन्द्र साईनल, 5. एस० मलहोद्धा, 6. विजय लाल कपूर, 179, श्राचार्य जगदीश वन्द्र बोस, रोड, कलकत्ता-13। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्तबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपस्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, को भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोइस्ताकारी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

श्वलीकरक :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीतियम, के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्दें होगा जी उस शब्याय में दिया गया है।

मनुसूची

18, राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता भ्रवस्थित चार तल्ला मकान का 1/7 हिस्सा जो 14-9-78 तारीख में रिजस्ट्रार भ्राफ एसुरेन्से कलकत्ता के पास रिजस्ट्री हुआ। भाई वी० एस० जुनेजा

> सक्षम प्राधिकारी कर भ्रायक्त (निरीक्षण)

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 26-3-79

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

न्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मार्च, 1979

निर्धेण सं० 488/टी० ग्रार०-433/मी०-385/कलकत्ता-1/ 78-79-—श्रतः मुझे श्राई० वी० एस० जुनेजा म्रायकर म्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसेइ.) -इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका से श्रधिक है मूल्य 25,000/-रुपये ग्रौर जिसकी सं० 18 है तथा जो राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवनेमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ू के ऋघीन नारीख 14-9-78 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दुम्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों), के बीच ऐसे ग्रन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उ≆त ग्रन्तरण लिखित में वास्तत्रिक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रक्षि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भग्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर भिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम, या भन्कर भिविनियम, या भन्कर भिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः घव, उक्त घधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त घिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के घषीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थील:——

- (1) श्री ग्रविनाश चन्द्र साईगल (ग्रन्तरक)
- (2) छन्दन मुल जईन (श्रन्तरिती)

- (3) 1. बाबूलाल अगरवाला, (2) ए० रहीम, (3) एन० के० दे, 4. एस० सिंह, (5) यूनाइटेड इन्डिस्ट्रियल बैंक, 6. पी० के० मित्र एन्ड कं०, 7. जतरल इन्जीनियरिंग मैन्युफैक्चरिंग कं०, 8. डिजाइट ट्रेडिंग कं०, 9. मोशन पिक्वर्स डिस्ट्री-ब्यूटर्स, 15. अगोब ट्रेडिंग कं०, 11. सि० जेड० इन्स्ट्र्मेंट्स (प्रा०) लि०, 12. ईस्टमैन (म्राई०) लि०—18. म्रार० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता (वह ब्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) सर्वश्री (1) ग्रजराजलाल चोपरा, (2) प्रेमलता चोप्रा, (3) क्रिज मोहन चोप्रा, 95, हाजरा रोड, 4. रामरतन माईगल, 5. एम० मलहोला, 6. विजयलक्ष्मी कपूर—178, ग्राचार्य जगदीश बोस रोड (वह बाधित, जिसके बारे में ग्रबोहरूनाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रता के राज्यत में प्रकाशन की नारीब से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रिधि नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रष्ट होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

18, राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता में प्रवस्थित चार तल्ला मकान का 1/7 हिस्सा जो I-4523 डीड, प्रनुसार 14-9-78 तारीख में, रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्सेज के पास रजिस्ट्री हुग्रा।

न्नाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 26-3-1979

मोट्टरः

प्ररूप आई०टी० एन० ःस० -----

प्रायक⁷ प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 च (1) के **मधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 मार्च, 1979

निदश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/19-55----यतः मुझे एस० सी० यादव

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर मम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क॰ से पश्चिक है,

ग्रीर जिसकी सं० 23 ए० है तथा जो डायमन्ड हार्बर रोड, कल कत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रिजिस्ट्रार ग्राफ एग्रयोरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख़ 12-9-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रश्निरत की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण विधित में वास्तिविक अप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अपुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निकासित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्रो राक्षत जहां तोपारी बेगम, पत्नी स्वर्गीय मिरान एफ० रङ्गान, 4-ए, पाम एवेन्यू, कल-कत्ता-17।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्म इंजर (इंडिया) लिमिटेड, 106-सी, चित-रंजन एवेन्यू, कलकत्ता।

(श्रन्तरिती)

को पह मुजना जारो कर रुपूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिमां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबुद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पध्डीकरण: ---इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20न्व में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 76, ब्लाक नं० 'ई', न्यू श्रलीपुर डक्सप्मेंट ' स्कीम नं० XV में स्थित 1 कहा, 2 छटांक जमीन जिसकी संख्या 23-ए डायमन्ड हार्बर रोड हैं ?

एस० मी० यादव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,कलकत्ता-16

तारीख: 29-3-1979.

प्रकृप भाई० टीठ एन० एस०-----

मायकर ऋिषानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोज, क्**ल** हत्ता क**ल**कत्ता, दिनांक 31 मार्च 19.79 ार्देश सं० ए० सी०/रोज-II/कल०/19-56---यत

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/19-56——यतः मुझे एस० सी० यादव

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 23-ए हैं तथा जो डायमन्ड हार्बर रोड स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एणयूरेंस , कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 8-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिणत से मधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कणित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सें हुई किसो आय की बावन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्नरक के बायित्त्र में कमी करने या उससे यचने में सुविक्षा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी घन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत भिधितियम, या धन-कर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अय, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रद्विनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मण समद जब्बार ४-ए० पाम एवेन्यू, कल हत्ता-17।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स इंजर (इंडिया) लिमिटेड, 160-सी०, चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उस्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप: --

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में नमाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा !
- (ख) इस स्वना के राजपन्न में प्रकाशन की नारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब के किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किसे जा मर्लेंगे।

क्ष्यवदीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदी का, जी उक्त श्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उस भक्ष्याय में दिया गसा है।

प्रमुसूची

न्यू अलीपुर डेबलपमेंट स्कीम नं XV की एक कट्ठा, दो छटांक जमीन जो प्लाट नं 76, ब्लाक नं 100 में हैं, तथा जो न 100 छायमन्ड हार्बर रोड पर स्थित है।

एस० सी० या**दव,** सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) · ग्रर्जनरेंज,कलकत्ता-16

तारीख: 31-3-1979.

प्रस्त आई० टी० एत० एस०----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 ग्रप्रैल, 1979

निर्वेश सं० एस० ग्राई०-491/टी० ग्रार०-436/सी०-387/कल०-1/78-79---यतः मुझे ग्राई० वी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनायम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सचाम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिपका उन्दिस बाजार मूल्य 25,000/- ६० में ग्राधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2, 3-ए, 7 है तथा जो लाल बाजार, स्ट्रीट, कल० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 14-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिक न के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिगत से प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्त, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने का उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी बन या ग्रस्य मास्तियों को जिम्हें भारतीय माय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना खाहिए था, कियाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अव, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269व की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) मेसर्सं कोले प्रापर्टीच (प्रा०) लि०।

′ ⁻तुरक)

(2) मेसर्स टोडी टी० को०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए भागेवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रविनियम के घ्रष्टाय 20क में तका परिमा-षित है, वहीं प्रयं होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

मनुबूची

2, 3ए, श्रौर 7 साल बाजार स्ट्रीट कल० में श्रवस्थित, 18 कट्ठा जमीन पर दो तल्ला तीन तल्ला मकान जो I-4526 नं० (1976 साल) श्रनुसार रजिस्ट्रार श्राफ एशयुरेंस कल० में रजिस्ट्ररी हुआ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायकर श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) • श्रर्जन रेंज-र्रे, कलकत्ता-16

तारीख: 16-4-1979.

मोहरः

प्ररूप भाई० टी• एत• एन०----

धार्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के प्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 म्रप्रैल, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-9/रेंज-IV/कल०/1979-80----यतः
मुझे एस० के० दासगुप्ता
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चान् 'उक्त घितियम' कहा गया है), की धारा
269-रके घन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य
25,000/- र० से धिक है

श्रीर जिसकी सं० ख० सं० 448 है तथा जो मौजा देवग्राम, थाना-राजगंज जिला—जलपाईगुड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलपाई गुड़ी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत स्थिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविश्व कर से कथित ही किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त धीपनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्व में कभी करने था उसने वचने में सुविधा के लिए, धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों, की जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः पय, उक्त धिष्ठित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त धिष्ठित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1)के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री योगराज गर्ग।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र साखोटिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में **कोई नी घाओ**प :---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकातन की तारीक से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कास्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास विविध्त में किए जा सकेंगे।

स्पादशिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वोका, जो जनत आधिनियम के प्रक्याय 20-क भें परिवाचित हैं, बही धर्ष होगा जो उस प्रक्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

जिला—जिलाई गुड़ी, थाना-राजगंज, मौजा-देवग्राम, जे० एला० सं०-2, खा० सं० 448, सि० एस० प्लाट सं० 396 के 11 डेसिमल जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978 का दिलल सं० 7779 में श्रौर पूर्ण कुए से विणित है।

एस० के० दास गुप्ता सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रॉज-IV, क**ल**कत्ता

तारीखा: 18-4-1979

मोहरः

4-106GI/79

प्रकप भाई० टी• एन० एस०→

आयकर घिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के धिष्टीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी०-10/रंज-IV/कल०/1979-80-- यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता,

श्रायकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० ख सं० 448 है तथा जो मौजा देवग्राम, थाना-राजगंज, जिला-जल-पाईगुड़ि स्थित (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधि-कारी के कार्यालय, जलपाई गुड़ि में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-9-1978

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए चन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कार ए है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितिगां) के बीच ऐसे घन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उका पन्तरण निवित्त में वास्तिन कर ने कथिन नहां किया गया है:——

- (क) अस्तरम त हुई कितो पाम का बाबत, उका अधि-लियम, के प्रधीन कर देते के अन्तरक के तािरव में कभी करते या उससे यचने में मुविधा के लिए. औरंपा
- (ख) एसी किसी आर या किनी बन रा जन्य फारियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्टिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रश्, उक्त अधिनियन की धारा 269-ग के सनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की संपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिशित व्यक्तियों, सर्वात्:--- (1) श्रोमती सुशीला देवी गर्ग।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र लाखोटिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोगत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपा---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भम्य क्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत ग्रीश्वनियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया

ग्रनुसूची

जिला-जलराईगुड़ि, थाना-राजगंज, मौजा-देबग्राम, जे० एल० सं०-2, ख० सं० 448, सि० एस० प्लाट सं० 396, के 11 डेसिमल जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978 का दलील सं० 7778 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दामगुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 18-4-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज,-IV कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 8 मई 1979

निर्देण सं० ए० सी०-13/रंज-IV/कलकत्ता/1979-80—
यतः मुझे एस० के० दासगुष्ता
ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सभन प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सि० एस० प्लाट सं० 3196 है तथा जो
थाना तथा मौजा सिलिगुड़ि, जिला दार्जिलिंग में स्थित है
(और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सिलिगुड़ि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-9-1978
को पूर्वोक्त समात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण किखा में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधितयम के भ्रश्नीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धरः भन, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रभीश्:--- (1) श्रो देवकरण ग्रागरवाला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महाबीर प्रमाद सरफ

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में 'कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी अप से 45 दिन की अविश्व या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़
 किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकों।

•पण्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

थाना श्रौर मौजा सिलिगुड़ि, खेतियान सं० 1575, सी० एस० प्लाट सं० 3196, होर्लिंडग सं० 101, वार्ड सं० XV, जिला दार्जिलिंग के 0.18 एकड़ जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978 का दलील सं० 4949 में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख: 8-5-1979

प्ररूप भाई० टी०एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के श्रीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, संद्वायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज कलकत्ता का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 8 मई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 14/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80---यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

धामकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-चा के घडीन सक्तम शांधकारी को, यह विश्थास करने का कारन है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-व के से घडिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० प्लाट सं० 3293, 3716 है तथा जो धाना तथा मौजा सिलिगुड़ि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिलिगुड़ि में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-9-1978 को

पूर्वोक्त अन्यति के उचित बाजार महय से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रक्रिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) गोर घन्तरिती (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाक गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित यें बास्तविक रूप से कायत नहीं किया सथा है।——

- (क) बन्दरण से हुई किसी धाम की बाबत एक्ट मधि-निवम, के ध्रधीन कर देने के घन्दरक के दावित्थ में कमी करने या उससे बनने में बुविधा से लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भाय भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः। भव, उन्तं अधिनियम की धारा 26 केग के प्रतृ-सरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 26 केवंबी उपधारा (1) के बधीन निन्नविधित व्यक्तियों, अर्थात्:—- 1. श्री पवन कुमार आगरवाला (सरफ)

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र प्रकाश आगरवाला

(अन्तरिती)

को यर् मूपता त्रारो करके पूर्वीका समाति के कर्तन के लिए कार्यबाहिमां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा, अधोहस्थाकारी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :- इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पत्रों का, जो उत्तत अधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा तथा थाना सिलिगुड़ि, खिलियान सं० 1145/1 सी॰ एस॰ फ्लैंट सं० 3293 तथा 3716, बार्ड सं० XVII, सिलिगुड़ी, म्युनिसिपल के श्रन्तर्गत 200 एकर जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978 का दर्लील सं० 4931 में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 8-5-1979

(अन्तरक)

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक भायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 मई 1979

निर्देश सं० ए० मी० 15/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80---यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० प्लाट सं० 3293, 3716 है तथा जी थाना तथा मीजा मिलिगुड़ि जिला वार्जिलिंग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मिलिगुड़ि में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा, 269 ग के प्रनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपीत्—

- (1) श्रो महाबोर प्रसाद ग्रागरवाला
- (2) श्रामती बीना देवी श्रागरवाला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रक्षोगृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः —इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-के में परिभाषित है, वही भवं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थाना तथा मौजा सिलिगुड़ि, खनियान सं० 1145/1, मी० एस० प्लाट सं० 3293, 3716, वार्ड सं० XVII, मिलिगुड़ि म्युनिसियलिटी के .20 एकड़ जमीन के सब कुछ जैसे कि दलोल मं० 4928 (1978 का) में ग्रोर पूर्ण रूप में वर्णित हैं।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 8-5-1979

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 मई 1979

निर्देश सं० ए० मी०-12/रेंज-VI/कलकत्ता/1979-80---यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिर्मिनयम, कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुल्य 25,000/-रुपये से मधिक है ग्रौर जिसंकी प्लाट सं० 244 है तथा जो ब्लाक-ए, लेक टाउन, जिला 24 परगना में स्थित है (ग्रीर इसंसे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21-9:1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच एसे धन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त, प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों, भारतीय भ्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत:, श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन. निम्नजिखित श्रवितयों, श्रयीत्:-- (1) श्रो श्रोम प्रकाश पोद्दार

(भ्रन्तरक)

(2) श्रांतान कुमार गृह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टी करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो छक्त ध्रधिनिथम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिणाषित हैं वही भ्रम्य होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं० 244, ब्लाक ए, मौजा पानिपृकुर, जिला 24-परगना स्थित 5 कट्ठा 5 छटांक खाली जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978 का दलील सं० 5171 में ग्रौर पूर्ण रूप से वींणत है।

> एस० के० दासगुष्ता सञ्जन प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 2-5-1979

प्रकप पाई • टी • एन • एस •----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269 म (1) के प्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 मई 1979

निर्देण सं० 471/ए० कु० रें०-III/79-80/कलकत्ता---ग्रतः, मुझे, भास्कर सेन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 21 है तथा जो वालीगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रत्या निवित में वास्तविक कर ये किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग को बाबत, उन्न श्रष्टितियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर क्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, हियाने में सबिधा के लिए;

मतः मन, उन्त मधिनियमं की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उन्त पश्चिनियमं की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचौन :---

- (1) श्रीमती मीना चटर्जी, प्लाट सं० 1, 6 बी, मिडलटन स्ट्रीट, कलकत्ता। (ग्रन्तरक)
- (2) कलकत्ता-पंजाब क्लब लिमिटेड, 21, बालीगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजान के संबंध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्थ क्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

करीब 39 कट्ठा 11 छटाक 25 स्के॰ फुट जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्रक्चर्स का ग्रविभक्त र्रे श्रंण जो 21 बालीगंज सर्कुलर रोड पर ग्रवस्थित है।

> भास्कर भेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 11-5-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्वण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्राम, दिनांक 3 मार्च 1979

निर्देण सं० 26/सितम्बर/78—यतः, मुझे, घो० ग्रानन्दराम, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिषान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15 है, जो सेवन्त ईस्ट मेन रोड, गांधी-नगर, वैल्लूर-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्मालय, एस० श्रार० श्रो०, काटपाडी (डाक सं० 2728/ 78) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन त(रीख 13-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर यह कि प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरब के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या अन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत: मब, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयात:—

- (1) श्री एन० पी० नारायनसामी श्रव्यर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बी० बी० मेशाद्री (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना आरी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो जी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए का सकेंगे ।

स्पच्छोकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों भौर पदों का, जो उक्त भिन्नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौरघर, डोर सं० 15, सेवन्त ईस्ट मेन रोड, गांधीनगर, काटपाडी एक्सटेन्शन में।

> ग्रो० ग्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-Í, मद्रास

तारी**ख** : 7-3-1979

मोहर ;

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०---

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भ्रषीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 9 मार्च 1979

निदेण सं० 18/प्रक्तूबर/78----प्रतः मुझे ग्रो० ग्रानन्दाराम आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० 26-सी है, जो वेस्ट टवर स्ट्रीट, मदुर में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-1, मदुरें (डाक सं० 3631/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 18-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्स प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुधिभा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन या श्रन्य श्रास्तिकों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

गतः ग्रब, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं. उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :---5-106G1/79

- (1) श्री एस० सदाकृष्णन ग्रीर ग्रदर्भ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रार० ग्रारूमूग मृदलीयार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्मति के ग्राजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त भिन्नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर घर, डोर सं० 26-सी, वेस्ट टवर स्ट्रीट, महुरै में।

भ्रो० श्रानन्दाराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 9-3-1979

मोहरः

प्रकप आई० टी० एत । एस •-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्राय

मद्रास, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० 10/सितम्बर/78---ग्रतः, मुझे, ग्रो० ग्रानन्दाराम, ग्रिविनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के **प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को**, य**ह** विश्वास करने का कारण है कि **स्थायर सम्पत्ति,** जिसका उचिय बाजार मुस्य 25,000/- रुपये से ग्राधिक है। म्रौर जिसकी सं० (पुराना 8-1-56) नया 13 है, जो सीवकासी गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एम० ग्रार० ग्रो०, सीवकासी (डाक सं० 2630/ 78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के फ्रधोन तारीख 27-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के बुग्यमान प्रतिकल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दुस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्ष से मधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के सिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निखित **ब्रॅ**श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क**वि**त नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनयम, के श्रधीम कर देने के श्रास्तरण के बायिस्य में कसी करने या उसमें बचने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिपाने में शुविधा के लिए;

श्रतः **घवः**, उतः श्रिष्ठानियमः, की धारा १६०-त के बनुपरण में, में, उत्तर श्रिष्ठानियम की धारा 269-घ ज़्प-सारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात्:---

- (1) श्री यरोजीनी रामसामी श्रीर श्रदमं (ग्रन्नरक)
- (2) नेशनल फायर बरनस फैक्टरी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्गेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (त) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिल की शर्वाध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर शूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों भें से हिसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहरता-भरी के पास लिखित में किये जा मर्केंगे।

स्पन्तीकरण :-- इसमें प्रयुक्त गम्धों भीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के भ्रष्टगाथ 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन सहयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर घर, डोर सं० 13, मीवकासी गांव में।

श्रो० श्रानन्दाराम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीख: 15-3-1979

(ग्रन्तरक)

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

मारस सरकार

कार्यालय, सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्ज रेंज-1, मद्राम

भद्रास, दिनांक 31 भार्च 1979

निदेश सं० 42/सितम्बर/78---- श्रतः, मुझे, श्रां० श्रानन्दाराम, धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 42 है, जो पेडारीयार कोवेल स्ट्रोट, मद्रास-। में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड ग्रतुमूची में ग्रीर पूण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्री०, सोकारपेट (डाक सं० 436/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिबिनियम, 1908 (1908 हा 16) के ग्रिधीन तारीख 20-9-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठ है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय को बाबत, उक्त मिष्ठिनयम के मधीन, कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के खिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त घितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त घितियम की धारा 269-ध की उपघारा (1) के बधीन निम्नलिखित स्थक्तियों अर्थात:---

- (1) श्रो के० गोवीन्दसामी स्रौर स्रनदर
- (2) श्रो बी॰ झाजहान (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सादहोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, नया डोर सं॰ 42, पेडिरियार कोवील स्ट्रीट, मद्रास-1 में।

श्रो० भ्रानन्दाराम मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 31-3-1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2० श्रप्रैल, 1979

निदेश सं० 12/सितम्बर/78—यत: मुझे, ग्रो० ग्रानन्दाराम भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भ्रिप्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिप्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से भ्रिष्ठ है

स्रोर जिसकी सं० वार्ड-2 है, जो को-स्रापरेटिव कालोनी दिन्छूकल में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण ख्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार० श्रो०, दिन्छूकल (डाक सं० 493/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख 10-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इन ने कथिन नहीं हिया गया है:--

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त, भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों अर्थात :--

(1) श्रोमती पी० इन्द्रानी श्रम्माल

(भ्रन्तरक)[,]

(2) श्री जी० सूब्बस्या

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्च होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर घर, वार्ड सं० 2, कोआपरेटिय कालोनी, दिन्डुक**स** में।

> ग्रो० ग्रानन्दाराम मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 20-4-1979

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-II, मद्रा'स

मद्रास, दिनांक 7 मई 1979

निदेश मं० 4859—यतः मुझे ग्रो० ग्रानन्दाराम अध्यकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/-६० से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1/14 है, जो श्रानैमलै हिल्स में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रानैमलै (डाकुमेंट्स सं० 873/78) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978 की

को पूर्वीका संपत्ति के उजित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सपित का उजित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं अतिशस से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तलिखित उद्देश्य में उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक इप म कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाजत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचन में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भीषानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

भतः सव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 व के प्रनु-तरक में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 व की उपकारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित्।——

- (1) श्री पी० श्रार० कन्दस्यामी घोनडर, श्रार० के० रामकृष्णन, बी० श्रार० पलानिस्वामी घोनडर, पी० मोहन राज, श्रौर पी० सुन्दर राज। (श्रान्तरक)
- (2) श्रीमती नीलामिबगै

(ग्रन्तरिती)

को यह सूधना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में अकाशत की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचता की तरमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रखाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षे का, जा उक्त ग्रीप्रिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, को उस अक्ष्माय में दिया गया है।

बन्स्यो

200 एकर्स भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 1/14, ब्रानैमलैं हिल्स (डाकुमेंट सं॰ 873/78)।

ग्रो० श्रानन्दाराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीचा: 7-5-1979

प्रश्नप भाई • डी • एन • एस • ---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भन्नीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मई 1979

निदेश सं० 4883—यतः मुझे श्रो० श्रानन्द्राम धायकर धिवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संग्रलि जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-ठ० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 10 है, जो ए० टी० टी० कालोनी, कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बटूर में (डाकुमन्ट सं 0 2986/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रिक्त के लिए धन्तरित की गई है घीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रिक्त सं से प्रतिक्त से प्रतिक्त से प्रतिक्त से स्थान श्रिक है घीर मन्तरित (धनारितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया श्रिकन, निम्नलिखित चहेंश्य से उक्त धन्तरण सिखित में वास्तिन का से कियत नहीं किया गया है: →-

- (का) बन्तरण मे हुई किसा आय को नावत उक्त अधि-नियम के समीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च शन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए या, छिपाने मं सुविधा क लिए।

व्यतः ग्रंथ, उस्त प्रधिनियमं का धारः 269-यं के व्यतु-सरण में मैं, उस्त ग्रंधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के ग्रंबीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रंथीतः— 1. श्रीमती सुणीला रामचन्द्रन

भ्रन्तरक)

 श्री रनघनायकी श्रम्माल सरोजिनी श्रम्माल

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, ध्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किये जा सकेंगे।

रपक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों खोर पदीं का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भ्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 10, ए० टी० टी० कालोनी, कोयम्बटूर (डाकुमेन्ट सं० 2986/78) ।

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: **7-**5-79

प्ररूप धाई० टी॰ एन० एस०---

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के भ्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मई 1979

निदेश सं० 4876—यतः मुझ, स्रो० प्रानंद्राम भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिन्नीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- द० से भिष्ठक है

ग्रीर जिसकी सं० 13/35, है, जो वेस्ट पेरीयस्वामी, रोड. ग्रार० एम० पुरम, कोयम्बट्ट्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्ट्र (डाक्समेंट मं० 2943/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृग्यमान प्रतिफल का पट्यह प्रतिशत में यश्चिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिक्त) भीर अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के श्रीमित कर देने के श्रम्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घ्रय्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त भधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त भधिनियम, की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात :--- सर्व श्री एन० एम०, लकणमनन, एन० एम०, सोमसेकरन, सुशीला सनकरन, सेतू सरीवरन, सतीण, सन्तोष, संजय, पनघीता,

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० राजेन्दरन,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां ग्रुरू करता हूं।

उक्त तंपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरब्हीकरण:--इसम प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क, में परिभावित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

म**न्**सूची

भूमि श्रीर घर 13/35, वेस्ट पेरीयस्वामी, रोड, श्रार० एम० पुरम, कोयम्बट्ट्र, (डाकुममन्ट सं० 2943/78)

ग्रो० स्नानंद्राम, मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त स्रर्जन रेंज-॥, मद्राम

ता**रीख: 7 मई**, 1979

प्राइप माई• टो॰ एन० एस०-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्राम, दिनांक 7 मई 1979

निदेश सं० 4887—यतः मुझे श्रो० श्रानन्द्राम, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 42 ,हैं, तथा जो बेलमान्ट, ऊंटकमंट में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता, श्रिष्ठकारी के कार्यालय ऊंटी (डाकुमेंट सं० 1244/ 78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीत सितस्वर, 1978 को

पूर्वोक्स, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र हु प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (बन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृत से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिन्निन्यम के मधीन कर देने के बन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अलने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः भव, उक्त यविनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:— 1. भान्ती भामन्ता

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती एम० कृष्णनम्माल

(श्रन्तरिती)

को पह मूचन जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की यतिष्ठ, जो भी श्रविश्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, औ अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं असं होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 42, बलमान्ट ऊटकमंट (डाकुमेंट सं० 1244/78)।

> श्रो० श्रानंद्राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख:7 मई, 1978 मोहर: प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

अध्यक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प (1) के ग्रधीन सूचना

. ,

भ।रत सरकार कार्यातव, सहायक आवकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

> श्रर्जन रेंज-∐, मद्राम मद्राम, दिनांक 7 मई 1978

निदेश सं० 8340—यतः मुझे श्रो० श्रानंद्राम, श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी भी, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंत्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2 ए, है, जो नेहरू स्ट्रीट, बेल्लितिरुम्तम, श्रीरन्घम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रीरन्घम (डाक्रुसेंन्ट मं० 2072/78) में भारतीय रिजस्ट्री-करण, ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मितम्बर 1978

को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रकारित की गई है भीर मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंगति का उचित राजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐंगे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिकृत से प्रविक्त है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रकारितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्चित प्रदेशय में अन्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक स्पप से कथि। गहीं किया भया है---

- (ह) धन्तरण से हुई किसी श्राय की वाजन उकत द्राधिनियम, के श्रधीन कर देने के धन्तरक के श्राधिस्य में कभी करने या उससे जचने में श्रुविश्रा के लिए धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय भा किया अन या अन्य आस्त्रयों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या विधा जाना जाहिए था, खिपाने में मुक्खि के लिए;

भन । भव, उन्त मधिनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, यन्त मधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के मधीन; निम्निसिखत व्यक्तियों, प्रशीतः ।——
6—106G1/79

 श्री कुलनदैस्थामी, जान राज, विस्वामम, लूगीममेरी, (अन्तरक)

2. श्री पी० श्रीनिवासन,

(ग्रन्तरिती)

को यह यूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के प्रजैन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारील से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस यहनाय में दिया गया है।

अनुसूषी

भूमि ग्रौर निर्माण 2ए, नेहरू स्ट्रीट, तिष्मुतम, श्रीरन्थम (डाकुमेंन्ट सं० 2072/78)

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

नारीख: 7-5-1978

प्ररूप आई॰ दी॰ एस॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्राय

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1978

निदेश सं० 8354--- यतः मुझे स्रो० ग्रानंद्राम, न्नायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43)(जिले इसर्ले इसके परचात् 'उम्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से मधिक है श्रीर जिसकी सं० राजा स्ट्रीट, है, जो तिरुवेलनदूर में स्थित है श्रीर इससे उपापड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय मायवर्म, (डाकूमेंट सं० 650/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत . से मिशक है मीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रस्तरण लिखित में बास्तजिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाषितियम के भाषीत कर देते के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किया आप या किया अन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यसा था या क्या ज्याना सिहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-म के भनुसरण में, मैं, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :—- 1. श्री विस्वानात मुदलियार ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मेययमें श्राची

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रबंत के संबंध में कोई भी मार्थेंप :--

- (का) इत सूचता के राजाज में प्रकाशत की तारी का से 45 दित की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचता की तापील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के मोतर पूर्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इ.म. मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नो इस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त मिन-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण राजा स्ट्रीट, तिम्बेलनदूर, मायूरम (डाकुमेंट सं० 650/78)।

श्रो० श्रानंद्राम

सक्षम ग्रधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 7 मई, 1978

प्ररूप धाई• टी • एन० एस•----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 6716—यतः मुझे श्रो० श्रानन्दराम आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-

कि से अधिक है और जिसकी सं० 7, बिरी रोड, टी० नगर, है जो मद्रास-7 में स्थित है (और इससे उपापत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट सं० 1062/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मितम्रव, 1978 को पूर्वीक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारल है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पित के प्राप्त के प्रेम प्रसास अर्थित का स्वाप्त अर्थित का प्रतिफल का प्रकार में प्राप्त अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिक (अन्तरिक) कोर अन्तरित (अन्तरिक्त) कि प्रेम अन्तरिक के लिए स्वाप्त प्राप्त का प्रसास करने का प्रसास करने का प्रसास करने का प्रसास करने का प्रतिफल का प्रकार अर्थित का प्रसास करने का प्रसास का प्रसास करने का प्रसास का प्रसास करने का प्रसास का प्रसास का प्रसास करने का प्रसास का प्रस्त का प्रसास का प्रस्त का प्रसास का प

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने कें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनो मात्र या किनो धन या अन्य माहिनयों की, जिन्हें भारतीय शाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था की किया बाना चाहिए या, छिताने में सुविधा है लिए;

भवः भवः, उत्तर प्रधितिवम की घारा 269-न के प्रमुसरण में में, उत्तर प्रधितियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीत नम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात:—— 1. डाक्टर के० बासकरन,

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० एम० घोपालन

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सभ्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरूण !---इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों घीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के घड्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस धड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 7, घिरि रोड, टी॰ नगर, मद्रास-17 (डाकुमेन्ट सं॰ 1062/79)।

श्रो० श्रानन्दराम

सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 7 मई, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, **सहायक आयकर आयुक्त** (नि**रीक्षण**)

श्रर्जन रेंज II, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मई 1979

निदेश सं० 6510—यतः मुझे, श्रो० श्रान्नदराभ, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिर्धानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र• से प्रधिक है

भ्रौर जिसबी सं० 53 है, जो III, मेन रोड, गांधी नगर, कोडूर में स्थित है (थ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सैंदापैंट्टै (डाकुमेन्ट सं० 1968/78) में रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उज्जिल बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के ।लए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्षों) और अन्तरिक्षों (अन्तरिक्षों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण शिक्षित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रस्तरण सं हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त लिख-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त शिवनियम, या धनकर ध्रिकि नियस, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए।

मतः अब, उबत मर्घिनियम की घारा 269ग के मनुसरण मे, मैं, उक्त मिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्घात:— डाक्टर पी० बी० राजमन्नार

(ग्रन्तरक)

2. श्री कें पी० सुन्नामनियम,

(ग्रन्तिरिती)

को भड़ पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

त्रभन सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्अन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को शब्धि या तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शब्धि, जो भी शब्धि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उभरा वादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पवों का, जो उक्त धिष-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, को उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 53, III मोन रोड, गांधीनगर, कोट्टर (डाकुमन्ट सं० 1968/78)।

ओ० श्रानन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 7 मई, 1978

परूप भाई• टी• एत० एस० ------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्याला, महायक आयक्तर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, मद्रास

मद्राम, दिनाक 7 मई, 1979

निवेण स० 4863—अत मुझे ग्रो० श्रानद्राम ग्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिशिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिशीन सक्षम शाजकारी को, यह विश्वास २ रने का कारण है कि स्थायर सम्पत्त, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- २० से भ्रिशिक है

श्रौर जिसकी स० 19, रामांलगम स्ट्रीट, पोलाच्ची है जो, पुरम, पोल्ताच्ची में स्थित है (श्रौर उससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीयर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पोल्लाच्ची में (डाकुमेट स० 1920/78) भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि मयापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, एवं वृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत भ्रष्टिक है और भन्तरक (अन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक व लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया। गया है.~~

- (क) भन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उनत अधिनियम, के प्रधीन कर देन के भन्तरक के आयित्य में कमी करने या उसाउ बचन में सुनिधा के लिए। घोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी बन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनन भाषित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त धिधनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियो, अर्थात् :--- 1 श्री पी० के० रामस्वामी

(ग्रन्तरक)

अभिती मियलाताल

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारो करके पूर्वाका सम्मति क मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्मति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस स्वता के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ना सकेंग ।

स्वव्हीकरमा:---६भमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों हा, भी उक्त शिधितयम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं हागा जो उस भाष्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण स० 19 रामितनगभ स्ट्रीट महालिनग-पुरम पोल्लाच्ची (डाकुमेन्ट स० 1920/78) ।

> श्रो० श्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11 महास

तारी**ख** 7 मई 1979 मोहर

प्रकप ग्राई०टी० एन• एस०--

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश गं० 4864—यतः मुझे श्रो० श्रानंद्राम ग्रायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत भिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- के से भिष्ठिक है

स्रोर जिसकी सं 0 15/31-बी, रामिलनग नगर, IV ले भ्रयुट, है, जो जो सेनगनूर, ग्राम कोवस्बटूर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्याक्षय गांधीपुरम, कोयस्बटूर (डाकुमेंट सं 0 2354/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन सितस्बर, 1978।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत, उक्त श्रिधिनयम के श्रीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ध) ऐसी किसी भाष या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उनत धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त धिधिनियम की बारा 269-ण की उपबारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, भ्रणीतः---

1. श्रीमती के० टी० मुशीला जयकर

(ग्रन्तरक)

 श्री एम० बेल्लन, सुन्दरी श्रम्माल

(ब्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीका सम्पक्ति के श्रर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उनत समाति के प्रर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी** श्राक्षेप :—-

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद स समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजनंत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गय है।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 15/31-बी, रामिलनग नगर, IV ले श्रवुट सेनगुनूर ग्राम कीयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2354/78) ।

ं श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, महास

तारीख 7 मई, 1979 मोहर प्रकृप मा**ई॰** टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज,

श्चर्जन रेंज, मद्राम

मद्राम, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 4867—यतः मुझे श्रो० श्रानंद्राम भायकर प्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उका अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भर्धान सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है,

न्नौर जिसकी संबन्धार \circ एस \circ सं \circ 3063/1, है जो वेसट लेख् अटकमेंड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निनगिरिस (डाकुमेन्ट सं० 1164/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978 को पुर्वेक्ति मध्यति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यप्रान प्रसिकत के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सन्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (झन्तरकों) अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निक्निलिखिन उद्देश्य मे उन्त भन्तरण निवित में वास्तविक क्य से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-मियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (म) ऐसी कि ते बाग या किसी धन या अस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

श्रत: यन उक्त श्रविनियम की धारा 269-न के प्रमुखरण में में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन, जिम्मिनियम व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री सर० राम वरमा,

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती राजेमा चिल

(भ्रन्तिरती)

को यह सूजना जारी करके प्यक्तिन सम्मति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की भवधि या तस्तंत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:—इसमें प्रयुक्त गध्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त ग्राधितयम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रबं होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर घर ग्रार० एम० सं० 3063/1, वेसट लेखु ऊटकमेंड (डाकुमेंट सं० 1164/78)।

> ग्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, II मद्रास

तारीख: 7 मई, 1979

मोहर '

प्रकप माई • टी • एन • एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के श्रधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निवेश सं० 4848—यतः मुझे श्रो० श्रानंद्राम भायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रुपए से श्रीक्षक है

स्रोर जिसकी सं० 60 एन०/1, एस० कें० चेन्नियपा धोनडर रोड, है, जो ईरोड (पारट्) में स्थित है (स्रोर इससे उपापढ़ में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी के कार्यालय ईरोड में (डाकुमेंट स० 2912/78) में भारतीय रजिस्ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन सितम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या असने बचने में नृधिधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धम-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त ग्रांधिनियम की बारा 269ना के अनुसरण में; मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की जपबारा (1) अधींन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- 1. ई० पी० कृष्तस्यामी

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० परमसिवम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पति में हिनवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रहोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

राज्योकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्क्यों भीर पत्तों का, जो उक्त ग्रीविनयम के श्रष्टयाय 20-ा में परिभाषित है, तही वर्ष होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि श्रौरघर सं० 60 एन/1, एस० के० चेन्नियप्पा धोनपुर रोड, ईरोड, (पार्ट्), (डाकुमेंट सं० 2912/78)।

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-II, मद्राम

तारीख 7 मई, 1979 मोहर: प्ररूप आई० टी० ए० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेण सं० 4848—यतः मुझे श्रो० श्रानंद्राम श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 60 एन/1, एस० के० चेन्नियप्पा धौनडर रोड, है, जो ईरोड (पारट्) में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट स० 2911/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घोर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्वनियम के ग्रिश्वीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने था उमसे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी िनसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियो, की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ष्रिज्याने में मुविधा के लिए;

1. श्री ई० पी० कुष्नस्यामी

(भ्रन्तरक)

2. श्री कें चिन्नास्वामी

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राचैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिसबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोह्स्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे ।

स्पन्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूषी

भूमि श्रौर घर सं० 60 एन/1, एस० के० चेन्नियप्पा धौनडर रोड, ईरोड (पारट्) (डाकुमेंट सं० 2911/78)।

> स्रो० स्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्राम

तारी**खः 7 मई**, 1979

प्रारूप भाई। टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 4852—यतः मुझे श्रो० श्रानंद्राम भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र• से श्रिधक है

श्रौर जिसकी सं० 7/61, श्रक्तासी, रोड है जो कलपेट्टी ग्राम कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपायत श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2057/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तरिव कर के विश्वास नी वास्तरिव कर के स्वास करी किया गया है:—

- (क) प्रतरण से हुई जिभी भाग की बाबत अक्त भिष्ठित्यम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः भन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) भभीन निम्मनिखित व्यक्तियों, ार्यातः श्री एन० रामचन्द्रन

(भ्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी दुर्गा स्पिनर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस यूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

रावडीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो प्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि और निर्माण 7/61, श्रवनाशी रोड, कलपट्टी ग्राम कोयम्बट्टर, (डाकुमेंट सं० 2057/78) ।

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 7 मई, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 4875—यतः मुझे श्रो० श्रानंद्राम
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाबार मूल्य
25,000/- ६० से श्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8/57, वेस्ट वेनकट स्वामी रोड में हैं, जो ग्रार० एम० पुरम, कोयम्बटर (पारट्) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णितहै) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 2899/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, जनत पश्चित्तयम के प्रश्चीत कर देने के अन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; भौर/ वा
- (ख) ऐसी किसी मान या किसी धन या प्रन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, भा बन-कर अधिनियम, भा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विश्वा जाना जातिए था, छियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त धिविनयम, की धारा 269-ग के मकुसरण में, में, उक्त धिधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री पी० एच० डेनियल पमीता मोसस शीला राजन

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रार० रामराज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतक्कारा कार्यवाहियौं करता हूं।

उन्त संवित के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स् किसी वादिन दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त क्यांबर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति ारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण: -- समें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिन नियम, के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्म होगा जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

श्रन्सूची

भूमि श्रीर घर 8/57, वेस्ट वेनकटस्वामी रोड, कोयम्बटूर (पारट्) (डाकुमेंट सं० 2899/78)।

> स्रो० श्रानंद्राम संजन प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-11, मद्रास

तारीख 7 मई, 1979 मोहरः प्रक्ष माई• टी-एन• एस•——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा - 2694 (1) के घषीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 4875—यतः मुझं ओ० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर समात्ति जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिधिक है,

श्रीर जिसकी सं० 8/57, वेस्ट वेनकटस्वामी रोड, श्रार० एस० पुरम है, जो कोयम्बट्र (पारट) में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 2900/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कप से किवत नहीं किया गया है:—

- (म) अन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय मायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया का या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

सतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीत् :-- श्री पी० एच० डेनियल , पमीला मोमस शीला राजन

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मूखम्माल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के स्रज्ञन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई जो पाक्षेप :---

- (त) इस युवार के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन्न में नकागा की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित- बद्ध किसी भन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तक्ष्मरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-रु में परि-भाषित हैं, दो धर्म होगा जो, उस सध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि श्रौर घर सं० 8/57, वेस्ट वेनकटस्वामी रोड, श्रार० एस० पुरम, कोयम्बटूरं (पारट्) (डाकुमेंट सं० 2900/78) ।

श्री० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-II, मद्रास

तारीख: 7-5-1979

प्रकप धाई • टी • एन • एस ०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-घ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1979

निवेश सं० 4869—-यतः मुझं, श्रो० श्रानंद्राम भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-या के मिनियम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ४० से मिनिक है

श्रौर जिसकी मं० 23ए, वेटरीनरी होस्पीटल रोड, है जो घोषिचेट्टीपालयम वीरपानडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय घोषिचेट्टीपालयम (डाकुमेंट सं० 1871/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रिष्ठिक के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पक्ट प्रतिशत से भिष्ठिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए सय पाया भया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक स्व से किंग्न नहीं किया गया है:—

- (ड) प्रश्तरण से हुई किसी धाय की वावत 'उस्त प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, फिपाने यो सुविधा के जिए;

चतः सब, चक्त प्रधिनियम, ही घारा 269-व के बनुसरच में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उप-धारा (1) के संधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचींच् ।——

- 1. श्री जी० सीताराम श्रय्यर, पी० एस० ठेवराजन पी० एस० रवी
 - (ग्रन्तरक)

2. श्री के० कनदस्वामी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वबद्धोक्तरमः :--इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो उनत श्रिधिनियम के ग्राम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रामें होगा, जो उस ग्राम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर घर 23ए, वेटरीनरी, हासपिटल रोड, वीरपानडी ग्राम घोषिचेट्टीपालयम, (डाक्सेंट सं० 1871/78)।

> स्रो० स्रानंद्राम राक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजन रोज-II, मद्रास

तारीख: 7 मई, 1979

प्रकप आई० टी० एन• एस०---

मायसर मधिनियम, 1961 (1961 था 43) की घारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायम धायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेज, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 4880— यतः मुझे श्रो० श्रानंद्राम श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 49, है जो कृष्ना टाकीस रोड, ईरोड में स्थित है (श्रीर इससे उपापद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट सं० 3293/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मितम्बर, 1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक खन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः भव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षान :— 1. श्रीमती श्रायिषा मीना

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती तुलसिमनी श्रम्माल

भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी प्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पर्दों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर घर 49, ऋष्ना टाकीस रोड, ईरोड (डाकुमेंट सं० 3293/78)।

> म्रो**ं** श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेंन रेंज- , मद्रास

तारीख 7 मई, 1979 मोहर : ् श्ररूप भाई० टी० एन० एस०--भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज मद्रास

मद्रास दिनांक 7 मई 1979

निवेश मं० 4877: — यतः मुझे श्रो ० श्रानंद्राम आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है।

भौर जिसकी सं० 7 विनायकर कोविल स्ट्रीट है जो हुष्नस्वामी नगर कोयम्बटूर-18 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेन्ट सं० 2888/78 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) ग्रम्लरण से हुई किसी स्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय था किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया क्राना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रन, उनत प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः— (1) श्री बी० सीतापनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० ग्रार० एन पत्तनिस्वामी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप :---

- (क) इस सूथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्नुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर घर मं० 7 कृष्नस्वामीनगर विनायकर कोविल स्ट्रीट कोयम्बटूर-18 (डाकुमेंट मं० 2888/78)।

> श्रो० श्रानंद्राम, समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज–II, मद्रास ।

तारीख : 7-5-79 मोहर: प्ररूप भाई०टी∙एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास-6, दिनांक 7 मई 1979

निदेश सं० 6600 ---यतः मुझे, श्रो० श्रानद्राम बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० 123 डी/1 हैं: जो मौन्ट रोड़, मद्रास-6 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सैंदापेट मद्रास (डाकुमेन्ट सं० 1320/ 78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर, 78 में पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्दह प्रतिशत मधिक है और मन्तरक भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे (भन्तरकों) अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिस उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण निखित्र में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त निधिनियय के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उपन बचन में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो प्राप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाये प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त प्राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निविद्यत व्यक्तियों, प्रवीत्ः⊶- (1) श्री कीवराज चोरठीया, देवराज चोर्राठया, नटवरनमल चोरठिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी॰ राम॰ बी॰ ग्रानवर अली, टी॰ राम॰ बी॰ मयठ ग्रली, टी॰ राम॰ बी॰, ग्रमीर ग्रली, टी॰ राम॰ बी॰, फातिमा बानू।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजन्त्र में जकाशन को तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिछ, जो भी घविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
 - (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रिक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसत भिधिनियम के मध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्यायमें दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सं० 123डी/1, मौंट रोड, मद्रास-6, (डाक्मुमैन्ट सं० 1320/78)।

म्रो० म्रानद्रांम, सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

ता**रीख**: 7-5-79

प्ररूप भाई० टीं • एन० एस०----

आयकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंजाा, मदास

मब्रास, दिनांक 7 मई 1979

निदेश सं० 6707/---यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त धिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पलि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∤- रं∙ से मधिक है **ग्रोर** जिसकी सं० 47, है, जो विजयराघवाचारी रोड टी० नगर, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्रिपलिकेन, मद्रास (डाकूमेन्ट सं० 1000/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितभ्बर 78 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत सं अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों)भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित सहैम्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रश्नीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनयम, या धनकर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भवः उन्त भविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में; उन्त भविनियम की घारा 269-व की उपन्नारा (1) के भविन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 8--106GI/79

- (1) श्रीमती सुनदरी रनचनातन श्रीर श्रतरस । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राम० कनदया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द
 किसी भन्य भ्यक्ति हारा मधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पवदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर घर सं० 47, विजयराधवाचारी रोड, टी० नगर, मद्रास-17, (डाक्मचन्ट सं० 1000/78) ।

> भ्रो० स्रानंद्राम, सक्ष्म प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 7-5-79

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीकण)

श्रर्जन रेंज⊸II, मद्रास

मद्रास,दिनांक 7 सई, 1979

निदेश सं० 6635:---यतः मुझे, ओ० ग्रानद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूरूय 25,000/- रुपए से श्रधिक है भौर जिसकी सं० 122, है , जो श्रप्परस्व।मी कोविल स्ट्रीट, मद्रास-4, में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेलापूर मद्रास (डाकूमेन्टस सं० 1268/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 78 की को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिसित उद्देश्य से उक्त घम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्लरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मिलियम के भिक्षीत कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

द्यतः ग्रव, उक्त प्रश्चिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रश्चिनियम, की धारा 269-थ की **एक्टारा** (1) श्रश्नीन जिन्मनिखित व्यक्तियों ग्रयदि:— (1) श्री राम० समबनद मुधलियार,।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० विजयलक्ष्मी।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्भाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रद्भाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर घर सं०122, भ्रप्परस्वामी कोविल स्ट्रीट, मद्रास-4 (डाकूमेन्ट सं० 1268/78) ।

> श्रो० ग्रानद्वाम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज II, भद्रास ।

ता**रीख: 7-**5-1979 '

प्ररूप गाई• टी• एन• एस•---

भायकर बिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रम्नील सूचना

भारत सरकिः

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेण सं० 8353'—यत., मुझे, श्रो० श्रानद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269-ख़ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रुपए से श्रीधक है

स्रोर जिसकी सं० टी० राम स० 25/4, है, जो रामकृष्नापुरम, करूर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करूर (डाकूमेंन्ट सं० 3104/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, सितम्बर, 78।

(1908 का 16) के अधान, सितम्बर, 78। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एग्ड्रह् प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाक्नविक कय से सचित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी पाय की कावत, उक्त प्रधिनियम के बाबीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269न्य के ममुसरण में, भें, उक्त श्रिष्टियम की धारा 269न्य की उपवारा (1) के अजीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एन० जयघानतम् ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस ० नारायनस्वामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह युवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी धन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्ष्णी के पास जिल्लित में किए जास हैंगे।

स्पव्हीकरण: इसमें प्रयुक्त कब्दों और पढ़ों का, जो उनत अधि-नियम, क श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहां अर्च होगा, जो उस प्राध्याय में दिया गया है।

ग्र**मुसू**ची

भूमि भ्रौर घरटी० एम० सं० 25/4, रामकृष्नापुरम, करूर, द्रिची (डाकुमेंट सं० 3104/78)।

श्रो० श्रानद्रामः सक्षम प्राधिकारीः महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रासः।

तारीख: 7-5-1979।

प्ररूप गाई॰ टी॰ एन॰ एत॰----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्राधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरें ज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 8355 — यत : मृहो, श्रो० श्रानद्राम, श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रवीन सक्षम श्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूक्य 25000/- रुपए से श्रविक है

भ्रौर जिसकी स०1-टी० है, जो ई० बी० श्रार० रोड़, पुतूर, द्रिची में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, द्रिची (डाक्सैन्ट सं० 4493/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिमि, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर, 78

को पृथींकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया बिकल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्यांग नहीं किया गरा है। → -

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी साथ की कावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायिस्य में अभी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए। मीर/या
- (बा) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव उन्त गविनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के असीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:--- (1) श्रीमती इन्दिरा राममूर्ति, राम रबी. रामचन्द्रमोह राम० ग्रसोकन, राम जयरामन, ललिता रमनी राम० विजय कुमार ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रा० राम० नूरजहांन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की ताबील से 30 दिन की मवधि, जो भी मवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के कीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवत किसी प्रन्य व्यक्ति धारा, श्रष्टोहस्तावारी के पास विवास में किए जा सकेंगे ।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उकत प्रधि-नियम के सध्याय 20-क में यथा परिकालित है, बही सर्वे होगा, जो उस सध्याय में विशा गया है।

मनुसूची

भूमि स्रोरघर सं० 1-स्री, ई०टी० स्रार्०रोइ, पुत्तूर, द्रिची। (डाक्मेंट सं० 4493/78)।

> श्रो० श्रानद्राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज-II, मद्रास।

तारीख: 7-5-1979

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस॰-

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1979

निदेश सं० 8369—श्रतः मुझे, ओ० आनंद्राम धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-षपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 5369/3 है तथा जो रा० राम० रा० नगर पुटुकौटे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पुटुकौटे (डाक्कूमेंट सं०145578) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिंवत बाजार मूक्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिंवत बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से स्रधिक है भौर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से चक्त बग्तरण लिखित म धारतिक क्य से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रीधनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी वन या श्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर मिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त मिविनियम या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के आए;

प्रतः भव, उन्त प्रिवित्यम की घारा 269-ग के धनुसरक में में, उक्त प्रिवित्यम की घारा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीन निम्निमित व्यक्तियों; प्रथीत :--- (1) श्री हाजी । रा । राम अबदुल रहमान (भ्रन्तरक)

(2) श्री रा० ग्रार० नूर मुहम्मव (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राचीप--

- (क) इस सूचना के राज्यल में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन की मनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दितक के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रष्ठोहस्ताकारी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को सक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

मनुसूची

भूमि ग्रौर घर टी० एस० सं० 5379/3, रा० राम० रा० नगर पुठुकौट्टे (डाक्मेंट सं०145*5*/78)

> ओ० आनंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, मद्रास

दिनांक 7-5-1979 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के धर्धीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 8370:—यतः मूझे, श्रो० श्रानंद्राम, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके एश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रोर जिसकी सं टी॰ एम॰ सं॰ 5379 है, जो मारतानवापुरम में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुडूकोटाई (डाक्मेंट सं ॰ 1541/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्धरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, सिखित में वास्तविक रूप से क्षित महीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के भ्रमीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में क्षमी करने या उससे बचने में मुक्तिक के किए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी वन या मन्य पास्तिकों को जिन्हें भारतीय माय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त श्रियिनयम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के भ्रजीन निक्तिवित्त स्पक्तियों, भ्रथीत् :— (1) एस० पादमनावान, मलयप्पन सुद्धमनीयन, कृष्नमूरती, वैद्धयनायन, मनगलम, पट्टम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० विजयकुमार ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनु पुत्री

भूमि श्रीर घर टी० एस० सं० 5379, मारतानदापुरम । स्ट्रीट, पुडू कोटाई, (डाकूमेंट सं० 1541/78) ।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज री, मद्रास ।

ता**रीब** : 7-5-1979।

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 6515:--यतः मूझे, श्रो० ग्रानेंद्राम,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये मे अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 25, है, जो 1 मेथिन रोड़ गांदिनगर, मद्राम-20, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सैदापैट्टे (डाक्मेंट सं० 1863/78) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 78

(1808 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में मधिक है और प्रन्तरक (मन्तरकों)
भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) हें प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्रीमती बोगराजू जयलक ममी।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सीता पिच्चया ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषाप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी
 भविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पाम
 जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उभत ग्रिधिनियम के ग्रद्ध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर घर सं० 25, I में िषन रोड़, मद्रास-20। (डाक्मेंट सं० 1863/78।)

श्रो० ग्रानंद्राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज II, मद्रास

तारीख : 7-5-1979।

वहा प्रदेश द्वार प्रश्न प्रश्न---

धायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घिति सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1979

सं० 4779—यतः मुझे, श्रो० आनंद्राम, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

कपए से अधिक हैं
और जिसकी सं० एस० सं० 2(1) है, जो मौंट स्टूरट एस्टटे
प्रानमले हिल्स पोलाची तालूक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
प्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, बामबे (डाक्सैन्ट सं० श्रार० 640/77) में रिजस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों)
श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उकत ग्रीमियम के ग्रीमित कर देने के ग्रम्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त धिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त धिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, धर्मातः— (1) मौन्ट स्टूरट एस्टेट, ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० म्रार० एम० टी० नडेसा पिल्लैं कम्पनी । (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद िन्नी अन्त्र व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्दोकरण:--इममे प्रयुक्त राज्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, निर्माण फैक्टरी एटसटरा श्रार० एस० सं० 2(1), मींट स्टूरट एस्टेट, श्रन्नामले हिल्स, पोल्लाची तालूक (डाक्मेंट सं० श्रार०--640-77/) ।

भ्रो० भ्रानंद्राम, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख: 7 मई,1979

प्रइप साईं⊍ टो• एन• एस•---

बायकर मधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 7 मई, 1979

निदेश सं० 4873---यतः मुझे, श्रो० श्रान्नदराम, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 18.6 ए 1 श्रोरि 18.6 1 वी कोयम्बटूर ग्रटी मैन रोड़ श्रौर नार्थ न्यू स्ट्रीट 2 मेट्टूपालयम में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबन्न में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मेट्टूपालयम (डाक्मेन्ट सं० 1487/78) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सितम्बर 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिकृत भविक है, भीर अमरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिक एस से क्वित नहीं किया गया है !——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त शिक्षितियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आज या किसी घन या भन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कक्ष: श्रव, उक्त ाधिनियम की धारा 269ना के अनुतर्भ में, में, अक्त अधिनियम की घारा 269न्य की उपकारा (1) के स्थीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्जात:----9—106G1/79 (1) श्री बी० के० ग्रान्तदराम।

(श्रन्तरक)

(2) एच० टी० सेन्त, एच० सी० कुश्शेन भ्रौर एच० सी० कुमारं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्ववाहिमां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई मी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्याक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्त सम्बद्धाः स्पाद्धाः स्थाप्त स्थापत स्थापत स्थापत स्याप्त स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स

अनुसूची

भूभि और निर्माण 18.6.1 ए और 18.6.1 वी कोयम्बट्टूर ऊटी मैंन रोड़ और नार्थ न्यू स्ट्रीट, मेट्ट्पालयम (डाक्मेन्ट सं० 1487/78)।

> श्रो० श्रान्तदराम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रिजन रेज II, मद्रास

तारीख: 7-5-1979

ब्राह्म भाई० टी० एन० ए त०=====

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269व (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ध, मन्नास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1979

निवेण सं० 4859:—यतः, मूझे, झो० धानन्दराम, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भीधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भीधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1/14, है तथा को मानमले हिल्स में स्थित है (श्रीर इउसे उपाबद मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रानमलें (डाकुमेंट सं० 8743/78) में, र जिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, तारीख सितम्बर, 1978 को

(1908 का 16) के अधान, ताराखा सतस्वर, 1978 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकान प्रतिपत्त के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु तिशत से मधिक है और मन्तरक (घन्तरकों) भीर घण्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न निखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखत में बास्तिक के पसे कायत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त श्रीध-नियम, के श्रधीन कर वेने के भन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/ण
- (ख) ऐसी निसी माय या किसी खन या भन्य प्रशिक्तयों को जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भिधिनियम की घारा 269-न के भृश्वसरण में, में, उन्त भिधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यन्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पी० आर०ग्र कनदस्यामी कौनटर, ग्रार० के० रामकृष्णन, वी० श्रार० पलिनस्वामी कौनटर, पी० मोहन राज, पी० सुन्दरराज, 28, कालिनगरायर क्ट्रीट, पोल्लाची। (ग्रन्तरक)
- (2) भी शनमृह्नातन, भार० एम० लोकनातन, भार० एम० सनती, भार० एम० सरस्वती, भार० एम० बनजा, बोरिवकुलम सं० 2, पुलबाय ठेसाय स्ट्रीट, मदूरै टाऊन। (भन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस मूचना के रात्रपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:-इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिणाणित हैं, वही भयें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया नया है।

मनुसूची

200 एकर्स भूमि टी॰ एम॰ सं॰ 1/14, न्नानमलै हिल्स, (डाक्नेंट सं॰ 873/78) ।

श्रो० श्रानन्दराम, स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 7-5-1979

मोष्ट्र:

प्रकप बाई टी • एन • एस •-

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की आरा 269व (1) के अभीत यूचना

मारत सरकार

कार्यांसय, सहायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण)

धजन रेंज -1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 🤊 मई, 1979

निदेश सं० 53/सेपट०/78——यतः मुझे, झो० झानन्दराम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ध के मधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाखार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 433 है तथा जो पूझमल्ली एैं० रोड़, मद्रास-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), रजिम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जें० एस० श्रार्० I मद्रास (डाक्० नं० 3657/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सेपट० 78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाआर मूस्य से कम के पूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित भानार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के। एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्त- जिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण वे हुई जिल्ही जान की बाजत उन्हा अधि-शियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरण के दाविस्त में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी कर्त या कथ्य सास्ति हैं को, जिन्हें भारतीय भागकर मिक्तिबम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिक्तियम, या धनकर भिवितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अन, उन्ते प्रधिनियम की घारा 269-न के अनुसर्थ में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-न की उप-धारा (1) के प्रधान निव्ननिक्षित व्यक्तियों. अव्यंत्:--- (1) श्री सि० नल्लिकगनन ।

(ग्रन्तरक)

(2) भी किरिस्टियन मिशन सर्विस पिरैबेट लिमिटेड । (मन्तरिती)

को वह बूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रजंन के लिए कार्वकाहिकों करता है।

उक्त संपत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी भाश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीन से
 45 दिन की घवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की घवछि, जो भी घवधि
 बाद में तमाप्त होती हो; के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड किती धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थापिकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उकत ग्रीविधिक के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जी उस अब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक नं० 3657-जे० एस० झार० ा मन्नास भूमि 433, वृद्धमल्की एँ० रोड्, मन्नास-30(10)।

> श्रो० श्रानन्दराम, सक्षम श्राधिकारी सद्दाबक श्रानकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिर्थन रेंज डी, मद्रास

तारीच : 9 मई, 1979।

भोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भाभकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 मई 1979

निदेश सं० 52/संफल/78:—यतः मूझे, श्रो० श्रानद्राम । श्रि मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सँ० 433, पुत्रमल्ली एँ० रोड़, है, जो मद्रास 10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० । मद्रास (डाक नें० 3656) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सफट 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्दरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या भ्रन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

पतः प्रव, उक्त श्रीधितयम की धारा 269-ग के प्रमसरण में, उक्त श्रीधितयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री वि० श्रीनिव।सन ।

(ग्रन्तरक)

(2) ख़ी किरिस्टियन मिणन, सरबीस पिर बेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येषाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की घविद्य या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविद्य, जो भी घविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारी, श्रभीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त श्रिक्त नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्टें होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसची

डाक नं० 3656—जे० एस० ग्रार-I मद्रास, भूमि-433, पूजमली एै० रोड़, मद्रास-10।

श्री० ग्रनंद्रास, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखः: 9 मई, 1979।

प्ररूप माई• टी॰ एन॰ एस॰---

प्रायक**र प्रश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 2**69ण (1) के प्रधीन सुचना**

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-Шमद्रास, मद्रास, दिनांक 9 मई, 1979

निदेश सँ० 1/मे पट/ 78:---यतः मुझे, श्रो० श्रानंद्राम, म्रिधिनियम, 1961 (19**61 का 43**) इसमें इसके पंग्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क प्रजीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृह्य 25,000/- र• से **धक्रिक है** भ्रीर जिसकी सं० ए० 53, तभी नैं० 7, कीलफाक गारडन कालनि है, जो मद्रास-10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यात्रय पेरिममेट, (डाक्मेंट 311/78) मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सितम्बर 78 को पूर्वो स्व नश्यक्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के पृष्यमान प्रति-कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी प्राय की बाजत, उक्त प्रधिनियम, के ब्रधीन कर देने के प्रस्तरक के प्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मोर/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी घन या धम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धायनर घांधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त घांधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

वतः धव, उक्त प्रधिनियम की बार 269का के बनुवरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269का की उपधाश (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री सेककरटरी तमिलनाडू हौसिन्ग बोर्ड, मद्रास । (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम॰ टी॰ जगिटमानी, श्रीमती एस॰ एस॰ जगिटमानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्यति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्ता अधिनियम के प्रथ्याय 20क में परिकाणितः हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रथ्याय में। दिया गया है।

अनुसूची

डाक० नं० 311/78, निर्माण नं० ए०/53, नमी नो० 7, कीलफाक गारडन, कालूनी मद्रास-10।

श्रो० श्रानंद्राम, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षक सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त) श्रज न रेंज-II, मद्रास

तारीख: 9 मई, 1979।

मोइर:

प्रकप माई० टी॰ एत॰ एत०--

आयकर झिवनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-न (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्याजन, सङ्घयक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 मई, 1979

निदेश सं० 36/सेकट/78:—यत: मूझे, भो० भानँहाम, भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा पथा है), की भारा 269-ख के भन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिन्त बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से मिक है

श्रोर जिसकी सं० 19, चिन्नतमबी स्ट्रीट है, जो मद्रास में स्थित र (श्रोर इससे उपाबद्ध में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, जिं० एम० श्राप्त II, (डाक्सेंट नं० 3919/78) नित मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, से सितम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दूक्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दूक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूक्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कियत नहीं निया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, जनत प्रश्नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या चत्तसे बचने में सुविधा के शिए; पीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर घष्टिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर घष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, श्रिपाने में सुविधा के बिए;

मतः धंव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरूव में, में उक्त प्रविधियम की धारा 269-व की उपवारा (1) अधीन निम्मविधित व्यक्तियों वर्षावः— (1) श्री एस॰ मोहम्मत कासिम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए० फरीता भीवि ।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के प्रजेन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्यक्टीकश्व :---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उन्त अधि-रितयम, के भध्याय 20क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक० नें० 3919/78, निर्माण 19, जिन्नतमबी स्ट्रीट, निद्रास-। ।

तारीख: 9 मई, 1979।

प्रारूप **घाई॰ टी॰ एन॰ एस॰**~

आध्रकर श्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269म (1) के श्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-ध, मद्रास

मब्रास, विनांक 8 मई, 1979

निदेश सं० 8372:---यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम, कहा गया है) की धारा 269घ के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 1, फरेस्ट मेन रोष्ट है, जो न्यू कालोनी मद्रास-44 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) र जिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पल्लावरम (डाक् में न्ट सं० 2085/78) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिश्वल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का परवह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भन्नि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती हारा प्रकट नहीं किया बया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः भव, उन्त मिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उन्त मिधिनियम की धारा 269च की खपक्षारा (1)के अभीन निम्निजिबत क्यक्तियों, अर्थोत्:— (1) श्र्री पी० बी० सुन्द्रराजन,

(अन्तरक)

(2) श्रीएल० बनगरती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छ किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मधिनियम के महमाय 20-क में परि-भावित हैं वही धर्ष होगा, जो उस महमाय में दिया गया है।

अनुसूची

भिम भौर घर सं० 1 फारेस्ट, मेन रोड़, न्यू कालोनी, मद्रास-44, (डाकूमेंट सं० 2085/78)।

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-, महा स

तारीख: 8-5-1979

प्रकप बाई • टी • एत • एस - -------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्घायक भायकर भावुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई 1979

निदेश सं० 6601-यतः मुझे, राधा बालकृष्णन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-वा के धर्जीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजारमृश्य 25,000/- स्पर्वे से समिक है भौर जिसकी सं० 10 है, जो सठूल्ला स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सैदापेट (डाक्मेंट सं० 1325/78 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 1978 में के उचित बाबार मूल्य से कम पूर्वोक्त सम्पत्ति के दश्यमान प्रतिश्वस के लिए धन्तरित की वर्ष है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्बत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पलाइ प्रतिशत मधिक है भीर मन्त्ररक (मन्तरकों)भीर मन्तरिती (अम्बरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कता निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर बन्तरण निखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव की वाबद, अक्ट अधिक नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रनकर अखि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अबः अब, उड्ड प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में में, उब्द अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नतिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती सुब्बालक्ष्मी श्रम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वठिवेलू

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के निये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्थम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामीज से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी प्रक्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थानिकरणः --- इसमें प्रमुक्त सब्दों भौर पदों का. जो उक्त श्रीय-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यदा परिवाणित हैं, बही भन्ने होगा जो उस सम्माय में दिया क्या है।

समुस्ची

भूमि श्रौर घर सं० 10, सठूल्ला स्ट्रीट, मद्रास-17 डाक् मेंट सं० 1325/78)।

राधा बाल कृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-Ш मद्रास

तारीख: 8-5-1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

द्मार्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई 1979

निदेश सं० 8371---यतः मुझे, राधा बालकृष्णन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्श्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खं के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-इपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 78-84, ठुरगा रोड, मद्रास है, तथा जो पल्लावरम, मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय पल्लावरम (डाक्सेंट नं० 2034/78) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के श्रिधीन सितम्स्बर, 78 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रश्नीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किम्तिबित व्यक्तियों, भर्मीत्:——
10—106G1/79

(1) श्रीमती एम० एन० फरीता बीबी

(भ्रन्सरक)

(2) पी० श्रहमत साह्रब

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्वन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की साभील से 30 दिन की अविध जो भी
 भविध बाद में सप्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उन्त भिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि स्रौर निर्माण-78-84, ठुरगा रोड, पल्लावरम (डाकुमेंट सं० 2034/78)।

राधा बालग्रष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -II, मद्रास

तारीखः 8-5-1979 मोहर प्ररूप मार्थ । टी एन एस ----

थार्थकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायक**र धायुक्त निरीक्षण** श्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 मई 1979

निदेण सं० 6717----यतः , मुझे, राधा बालकृष्णन धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7, घिरि रोड, है, जो मद्रास-17 में स्थित है), (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय द्रिपिक में (डाकू मेंट 1063/78 में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 सितम्बर, 78 को प्रभौक्स सम्पत्ति के उभित्त बाजार महुष से कम के

(1908 का 16) क प्रधान 16 सितम्बर, 78 का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के सिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिधक है और भन्तरक (मन्तरकां) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निकिश्वित उद्देश्य से उन्त धन्तरण कि स्तर में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी मात्र की बाबत, उन्त अधि॰ नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; वे उन्त भिधिनियम की धारा 289-व की उपचारा (1) वे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षातृ:---

- (1) श्री डाक्टर के० बासकरन
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० सेलवरतनम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीध या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खंस 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्म क्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्दों का, जो उन्त श्रिष्ठित्यम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रष्ट होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

भूमि श्रीर घर सं० 7, घिरि रोड मद्रास-17 (डाक्मेंट सं० 1063/78)।

राधा बालकृष्णन, मक्षम प्राधिकारी **अ**हायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 8-5-1979

प्रकप माई । टी । एन । एस ---

भायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण),

भ्रजन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 मई 1979

निदेश सं० 6715—प्रतः मुझे, राधा बालकृष्णन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 6, है, जो न्यू टेंक स्ट्रीट मद्रास-34 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टिपलिकेन (डाक्सेंट सं० 1048/78) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 78 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, मन्तरित की गई है और मृतो यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित वास्तिक से कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भिन्न नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन व श्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :—

- (1) श्री एम० ग्रार० कृष्ण भ्रय्यर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० विजयलक्ष्मी ग्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस सम्पत्ति के प्रज्न के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हि्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम, के घष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर घर सं० 6, न्यू टेंक स्ट्रीट, मद्रास-34, (छाकूमेंट सं• 1048/78)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

ता**रीख: 8-**5-1979

मरूप माई० टी० एन० एस०--

भागकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 मई 1979

निदेण सं० 6632—यतः मुझे आं० आनद्रांम भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चःत् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० 65 (पार्ट) सं० 9 (नया) है जो जेयपोर नगर रायपेट्टा मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रधि-कारी के कार्यालय मेलापुर (डाक्स्मेंट सं० 1254/78) में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 78 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है भीर मुझ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रतिफल से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत जनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविद्या के लिए;

ग्रतः भ्रष, उक्त भ्रषिनियम की धारा 26 के-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) भ्रधीन निग्नलिखित व्यक्तियों, श्रषीत :--- (1) श्रीमती प्रकाश वती

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीचन्द फगूमल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उबत श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुतुची

भूमि (पार्ट) सं० 9 जेयपोर नगर रायपेट्टा, मद्रास (डाक्स्मेंट सं० 1254/78)

> म्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 9-5-1979

प्ररूप भाई० टी० एन७ एस०---

भायकर अविनियम, 1961 (1961 को 43) की घारा

269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 9 मई 1979

निदेश स० 7730—ग्रत मुझे ग्रो० ग्रानंद्राम श्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रूपये से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी रा० 5, बी०-माटी स्ट्रीट, है, तथा जो मद्राम -4 में स्थित है (बीट इससे उपाबड अनुमूची में श्रीट पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीटर्सा श्रीधवारी के स्थानिय, मैंलापर (डाक्योंट स० 1235/78) में भारतीय रिजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के श्रधीन दिनांक मितस्बर, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल री, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रिक्षित्रम के अधान कर देने के प्रन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय पा किसी धन या प्रस्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपघारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्री पी० एन० नागराज
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री देविकिशन दागा

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस भूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों शौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अपं होगा ओ उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसू ची

भूमि स्रोर निर्माण 5, डी॰, मांटी स्ट्रीट; मद्रास-4 (डाकुमेंट सं॰ 1235/78।

> श्रो० भ्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 9-5-1979

मोहरः

प्रकप मार्टन टी॰ एम॰ एस॰----

भागकर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

उपयुक्त निरीक्षक मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 16 मई 1979

निर्धेण सं० 6706—यतः मुझे धा बालकृष्णन आयमर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्भ प्रधिकारी को, यह बिण्याम करने का कारण है कि स्थावर नम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक हैं श्रीर जिसकी सं० आर० एस० मं० 43/3 और 43/4 सी० सी० सं० 2950 है, जो श्रीमस रोड, ुनगमपारवम, मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध डाक्मेंड सं० 983/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षांत्रियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सितम्बर 1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कृष्यमान प्रतिकल से, ऐत द्व्यमान प्रतिकल का प्रश्नेष्ठ प्रतिकत से मिलक है आर ध्रक्तरक (प्रक्तरकों) और मण्डरिती (मन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया ग्रोलकल, निर्मांकित जन्मिय से उक्त प्रसाम सिवान में बास्तिक रूप से क्षित नहीं प्रिया गया है....

- (क) अस्तरण से हुई किसी खाव की बावल उक्त कर्षितियस, के अधीय कर देने के अन्छक्क के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (ब) ऐसी किसा आर या किसी धन वा प्रन्य प्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियन, 1922
 (1922 का 11) या उनत शिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रभोजनार्थ अन्तिन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था था किया जाना चाहिए था, छिपाने औं सुविधा के सिए;

[अतः, ग्रंथ इवह मिश्रिनियम की बारा 268-ग के अनुसरण में, बें, बबत अधिनियम की बारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रशीन निमानिश्चा व्यक्तियों अर्थान:--

(1) श्री के० राम जफुल्ला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० एम० हबीबुन्नीसा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबिध जो भी शबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रक के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:--इतमें प्रजुन्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिवाधित है, अही धर्म होगा जी उस प्रक्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/12 शेर भूमी और निर्माण (II पलोर) म्नार० एस० सं० 43/3 श्रौर 43/4 सी० सी० मं० 450, झीसमस रोड़, नुनंघमपाखम, मद्रास (डाक्मेंड सं० 6706/78)।

> राधा बालक्रुष्णन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-5-79 श्रर्जन प्रकृप भाई। टी । एन । एस ।

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष(1) के भिधीन सूचना

गारल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई 1979

निर्देश सं० 6654—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उस्न ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 11 है, जो सर रामस्यामी मवलीयर रोड, मद्रास-7 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अन सची

श्रौर जिसकी सं० 11 है, जो सर रामस्यामी मनुलीयर रोड़, मद्रास-7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फुरासवालकाम (डाक्मेंट सं० 1387/78) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1978 को

पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है घीर धन्तरक (धन्तरकों) चीर घन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण, निल्लिख में वास्तविक छण से कथित नहीं किया गया है:—

- (ग) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सक्षि-नियम के अधीन कर बेने के भ्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; सौर/बा
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी अन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उन्त ग्रीधिनियन की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, जनत अधिनियन की धारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रीधन, निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थातः— (1) कें श्रत्रपूरना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद डाबूड गरीफ ग्रौर मंजू (ग्रलयम) बेगमजान।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के यर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इन सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवढ किशी शस्य व्यक्ति हार!, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए आ सहेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रोर पदों का, जो उनत अधि-ियान के अध्यात 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण भार० एस० सं० 2/13 (पार्ट) मं० 11, मर रामस्वामी भुदलीयार रोड़, मद्राम-7। (डाकूमेंट सं० 1387/78)।

> राधा बालकृष्णन मञ्जम प्रधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-5-1979

प्रकृष माई • टी • एम • एस • ———---

क्षायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 16 मई 1979

निर्देण सं2 6592---थतः मुझे राधा बालकृष्णन ग्रायकर भिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12, है, जो कालेज रोड़, मद्रास - 6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाब समें अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास (डाक् मेंट सं० 3910/78) में भारतीय रजिस्ड्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूक्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नूक्य, छसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्म प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) घौर अस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निश्चित में बाक्तविक कर से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त धिक्षित्यम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्ष में कभी करने था उससे क्याने में मुविधा के लिए; भीर/भा
- (ख) ऐसी किसी माय या फिसी घन या अन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय याय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा एकर रहीं किया गया वा या किया आना चाहिए था, डियान में सुविधा के लिए;

अतः ग्रथ, उन्त धिष्ठिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त धिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) / अधीन निम्निशिवित व्यक्तियों, अर्थीत्:---

- (1) दी पावर सेन्टर (पी०) लिमिटेड। - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ई० एस० एम श्रह्मर गरीयम। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप :---

- (क) इस मृथना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की मनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूथना की तासील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्थोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में ज़ितबळ किसी मध्य व्यक्ति हारा, प्रप्रोड्स्तरकारी के पान लिखित में किए का सर्वेषे 1

स्पष्टीकरण:---इसमें अयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्ष होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रार० ए.स० सं० 78/8, 12, कालेज रोड़ मद्रास-6। (डाकूमेंट सं० 3910/78)।

राधा बालकृष्णन सक्षम ग्रधिकारी (महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, मद्राम

तारीख: 16-5-1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस∙---

ग्रायकर प्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मई 1979

निर्देश सं० 6649—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन ग्रायकर अधिनियम, 1963 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 65 है, जो U मैंन रोड़ गांधी नगर, मद्रास-20 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाक् मेंट सं० 3690/78) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि, नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मितम्बर 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) गौर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आव की बाबल, उक्त प्रवि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिण व्यक्तियों, अर्थात् : -11—106GI/79 (1) श्री बी० के० बालचन्द्रन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० एम० नाथन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सरबन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्छोकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, उक्त घछि-नियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भ्रषं होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 65, मैन रोड़ गांधी नगर, मद्रास-20। (डाकूमेंट सं० 3690/78)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम घ्रधिकारी स**ह**ायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेज-^{II}, अद्रास

तारीख : 16-5-1979 मोहर प्रकृप आई० टी ० एन० एस •--

प्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रचन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 मई 1979

निर्देश सं० 4789—यतः मुझे राधा बालकृष्नन
भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रवात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269के ग्रिधीन सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर नम्पनि, जिसका उत्तित जाजार मूल्य 25,000/इपमे ने अधिक है
और जिसकी सं० जी० एस० सं० 12/6 ए/ए/ए और
जी० एस० सं० 12/1 ए०/१सी० १ए३ है, जो श्रानमिलै हिल्स
ग्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रानमिलै
(श्राकूमेंट सं० 835/78) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने
का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान बिक्तिल में ऐते दृश्यमान धितफल का पन्द्रह्
प्रतिक्षत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया
प्रतिकल, निज्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) पल्टरण मे पुर्व किसी प्राय की बादत, उक्त पशिनियम के महीन कर देने के पन्तरक के दासिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी कि जो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें धारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा े लिए;

अतः अव, उक्त धिवियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, नैं, अवत अधिवियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धारीन निम्मिकिकात व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री सी० एय० मोहमद हरून।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० परनतामन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी गाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध वाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षिनबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा गर्कों।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पतों का जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रष्यं होगा जो उस अख्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

भूमि श्रोर निर्माण जी० एस० सं० 12/6v/1v 1v श्रोर 12/1 1v 1सी 1v-3-46 11 v कड़ मलनट पलेनटेपनस, वालपौर कोरनपुम्डी।

(डाक्समेंट सं० 835/78)।

राधा बालकृष्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 9-5-1979.

प्रकप आई• टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, बद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1979

निर्देश सं० 6598—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन अवन्य अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अध्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम शिक्षकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- अपमे से अधिक है और जिसकी सं० 23, श्रीनगर कालोनी है, जो टेम्पल श्रवेन्यू रोड़ सेदापेट्ट मद्राम में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूकी में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाक्मेंट सं० 1231/78 में रिजस्ट्री-करण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1978

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल के मिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथप्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अरिन्तिवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है ——

- (क) धन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में तुषिधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उपत अधिनियम, या धनंकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया काना चाहिए था छिपाने में स्रांबधा के किए;

गता, भव; उस्त पश्चितियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उस्त प्रश्चितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नविधित स्मिन्दियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सुब्बालक्ष्मी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० सी० रामस्वामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त प्रम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की बारीख से 4 कि दिन की श्रवधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्रारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के श्रृष्ट्याय 20-क में परिशापित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

बनुसूची

भूमि भौर घर 23, टेम्पल भवेन्यू रोड़, श्रीनगर कालोनी सेवापेट्ट मद्रास।

(डाक् मेंन्ट सं॰ 1231/78)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 17-5-1979

मोहर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भावुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मई 1979

निर्देश सं० 6658—यतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जबीन तक्षम प्राधिकारी को, नह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए ते प्रक्रिक है और जिसकी सं०

श्रार० एस० सं० 29/1, 878 पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास-84 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुरमवाखम (डाक्सेंट सं० 1437/78) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते क्षत्र के वृश्यमान प्रति-फल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रम् प्रतिशत से अधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितिवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्व उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से काबत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्राधि-नियम, के अभीन कर देने के भ्रम्तरक के वाधित्व में कमी करने था उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- ैं (ख) ऐसा किसी भाग या किसी धन या भन्य भारित्यों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिश्चनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिश्चनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्वात् :--

- (1) श्री जी० बाबुलिनगम, जी० सनकरलिनगम। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बी० श्रीनिवास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजप्रस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समिश्रिया तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रमधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिश्व क्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा उकेंगे।

क्पत्थीकरव : → इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस भश्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

भूमि भौर गेरेज ब्रार० एस० सं० 29/1 सं० 878 पूनमल्ली हाई रोड़ मदास-84। (डाकुमेंट सं० 1437/78)

> राधा बालकृष्णन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- , मद्रास

विनोक: 16-5-1979

प्रकृष भाई० टी• एन• एस०----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 ध(1) के प्रधीन सूचना

मारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मई 1979

निर्देश सं० 758---यतः मुझे, राधा बालकृष्णन भायकर ध्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात 'उक्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन मुक्षत प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्तिः जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से भिधक है श्रीर जिसकी सं० 878 है, जो पूनमल्ली है रोड़ मद्रास-84 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित) है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पुरसवाश्रम (डाकुमेंट) सं० 1436/78) में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के बूक्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरिस की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृहय, उसके दुश्यनान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पनद्रह प्रतिशत से मांधक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरि-जिला) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्रिंड नहां किया गया है :---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की वादत उक्त श्रीवित्यम के अधीम कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कसी करने या उससे वजने में सुविधा के किए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी निसी बाय या किसी धन या मन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर स्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उपत मित्रियम, या धन-कर मिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया क या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उपत अधिनियम की चारा 269-ग के मनुसरण में, उपत समिनियम की घारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात:—- (1) श्री एस० बाधुलिनगभ

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी॰ शांति।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूच्या जारा करक पूर्वान्त समिन के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ सुरू करता हूं।

उबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न नें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्वक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरण :--इसनं अयुका गढ़दों और पदौं का, जो उक्त अधिनयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, बही मर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण 878, पूनमल्ली है रोड़, मद्रास-84। (डाकुमेंट सं० 1436/78)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजंड∏, मब्रास

तारीख: 16-5-79

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ──

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1979

निर्देश सं० 50/सेफट/78—यतः मुझे, श्रो० श्रानंदाराम सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के शर्जान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्थ 25,000/- दे से सिष्क है

भौर जिसकी सं० 155 लिन्गी चेटी स्ट्रीट है, जो मद्रास-1, में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-II मद्रास डी०ओ०सी० 3509/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर 1978

को पूर्वीक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य ते कन के दृश्यतान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मोल का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान अतिकल का पन्द्रह्र प्रतिश्वत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिले-(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण निखित में बाखाधिक क्या से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की नाजन उक्त अधि-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुक्षिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या धन्य धास्तियों की चिन्हों भारतीय धामकर प्रक्षितिमम, 1922 (1922 का 11) या उनत धिर्मियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया खाना चाहिए था, दिश्यान में सुविधा के लिये;

भतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 209-व की उपधारा (1) के बद्योन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकृति:--- (1) श्री एम० एन० राजाराम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० एम० ए० जमालूदीन श्रौर सातीमों (मैनरस) गारिडियन एम० एन० श्रबदुल कादर। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की झबिछ या तत्सवधी क्यों नित्यों पर सूचना की जामील से 30 दिन की भवीश, जा भी ध्विधि वाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सृचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्तिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते ।

स्पड्टी अर्थ :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत आंश्रिनयम के अध्याय 20-क में परिणाधित हैं, बही धर्थ दोगा, जो उस ध्रव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

निर्माण नं० 155 लिन्गी चेती स्ट्रीट मद्रास।

ओ० श्रानंदाराम सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-I, मद्रास

तारीख: 26-5-79

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

आयकर ब्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 26 मई 1979

निर्देश सं० 48/सेपट/78--यतः मुझे, श्रो० श्रानंदाराम आयकर शिवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे नं०-2292/1 श्रौर 2333 तेनकर गांव है, जो पेरिमक्लम मदुरै में स्थित है (श्रीर उपाबद्ध से श्रीर इससे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार-I मद्रास नार्थ (Doc. 3574/73) में **भार**तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख सितम्बर 1978 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (ग्रन्तरकों) अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(य) एसी किसी आय या कियी धन या प्रन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ध्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर ध्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः प्रव, उक्त अधितियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्राधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन विक्नलिखित व्यक्तियों, प्रपति:--- (1) श्री के० श्रीनिवासन ग्रीर साथियों

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ग्रहमद गेनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तन्सन्बन्धी व्यक्तिनयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरो।

चनक्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्गे का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

डाक्रूमेंट नं० 3574/78 ग्रग्नीकत्वरल भूमि सर्वे नं० 2292/1 ग्रौर 2333 नेनकर गांव, परिमकुलम, मदुरे

> ग्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रोज-1, मद्रास

नारोख: 26-5-79

प्रप्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्वास मद्वास,दिनांक 26 मई 1979

निर्देश सं० 47/सेफ्ट/78—स्वाः मुझे स्रो० स्नानंद्वाम बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के अभीन संभम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्मि, जिमका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रुपमें से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 2334 ग्रौर 2331 है, जो तेनकरें गांव परिमक्ष्लम मदुरें में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० 1 मद्रास नार्थ (डाक्रू० नं० 3573/78) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन सितम्बर 1978 को

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान
अभिकत के निए जनारित को गई है मीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा। विकित सम्मत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय शायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

श्री के० श्रीनिवासन श्रीर साथियो

(ब्रन्तरक)

(2) श्री एम० श्रबदुल रहिमन साहिब।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्मति के श्रज़ेंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अप्रतिश्च या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब किसो प्रन्य व्यक्ति ब्रारा, अधोहस्ताक्ष री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है वही भर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

डाकुमेंट नं 3573/78 सर्वे नं 2334 श्रीर 2331 श्रमीकल्चरल पूमि—तेनकरे गांव, पेरीमकुलम मबुरे।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 26-5-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1979

श्रीर जिसकी सं० 3 है, जो नवरतिनपुरम सबूत स्ट्रीट मधुरै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जे० एस० भार० 1 मद्दरे में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफाल के लिए प्रश्तरित दुश्यमान यह विश्वास करने का कारण मुझे ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भाधिक धन्तरक (भन्तरको) भौर (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रम, उन्त भविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों भ्रमीत् :-- (1) श्री एन० एम० ग्रार० करूपनमुरती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० के० एम० संकरित्तगम श्रीर वी० के० एम० पक्षनिसामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निर्माण—3 नं∘ 3, नवस्तिनपुरम साउथ स्ट्रीट मदुरें।

> स्रो० आनंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 26-5-79

मोहर :

12-106GI/79

प्रस्प भाई। टी० एन० एस०-

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के घडीन सुवाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर <mark>ब्रायुक्त (निरीक्षण)</mark>

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राभ, दिनांक 26 मई 1979

निर्देश सं० 24/सेफ्ट/78—यतः मुझे श्रो० श्रानंद्वाम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चान् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 43 नेताजी रोड़ है, जो मदुरें में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यलय, एस० आर० श्रो० पुदुमनङ्गम (डाकू० नं० 1727/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है श्रोर मृश्रो यह विश्वाम बारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रम्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त-विकल, निम्नलिखत वहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/गः
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, प्राधनकर अधिनियम, प्राधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

थन: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के **अनुसरण** में, में, उका अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों स्रथीत:—— (1) श्रोमती नाम्बिथार अस्माल और रूकमनिकानस्गय नायुद्ध।

(म्रन्तरक)

(2) श्री एस० दुरैसामी नाडार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रर्जन के लिए कार्येवाहियां शुद्ध करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 1727/78 निर्माण नं० 43 नेताजी रोड़ मदुरै।

> ग्रो० ग्रानंद्वाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज 1, मद्रास

तारीख: 26-5-79

मोहरः

प्रकृष भाई । टो । एन । एस •-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1979

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ६० से अधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे कि 121 ए, 122, 122 ए एन्ट्री कि 257, 259, 260 फायनल पलांट कि 30 सी पी एस लोनेवाला I सी टी एस नं० 211 211-1 और 202 म्युन्सिपल कि 170 और 111 वार्ड तुंगाली है तथा जो वार्ड तुंगाली लोनावाला में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बॉम्बे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-11-78 की

पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत अन्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुदिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त मिविनयम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयति :—

- 1. श्रो जेठा लाल भीमजी सोनी डेल्स्र केम्पस कॉर्नर बॉम्बे-29 (ग्रन्तरक)
- 2. शांग्रीला कन्सट्रकशन कं० 7-बी, सिंधू हाऊस सेकंड फ्लोर नानाशाय लेन, फोर्ट बॉम्बे-23 (अन्तरिती)

की यह मुक्ता जारी करते पूर्वीस्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं !

उक्त सम्यक्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों ता, जा उश्वत धिनियम, क धश्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही धर्ष होगा जो उस धश्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्रॉपर्टी: - सर्वे कि 121 ए, और 122 ए एन्ट्री कि 257, 259, 260, फायनल प्लॉट कि 30 टी ० पी ० एस० लोनावाला कि 1 और सी० टी ० एस० 211-1 211 202 और म्युन्सिपल कि 110, 111 बॉर्ड तुंगार्ली क्षेत्रफल-27467 वर्गयार्डस

(जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1490 दिनांक 18-11-78 को सब रजिस्ट्रार बॉम्बे के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रीमित पी ललवानी सञ्जम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजी रेंग, पूना

तारीख: 2 जून, 1978

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 21st May 1979

No. A.32013/1/79-Admn,I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on ad hoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier.

Sl. Name No. Period

- 1. Shri B. B. Mehra (Permanent Officer 20-4-79 to 19-7-79
- 2. Shri B. S. Kapur (Permanent Officer 11-4-79 to 10-7-79 of Section Officer's Grade of CSS)

of Grade A of CSSS)

S. BALACHADNRAN,

Under Socretary,

Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 24th May 1979

No. 2/46/75-EST.—In continuation of this Office Notification No. 2/46/75-EST dated September 30, 1978 the Director is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K. C. Saxena as Librarian for a further period of six months with effect from 15.4.1979 or till a regular appointment is made, whichever is earlier.

K. S. BHAT, Deputy Director.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 24th May 1979

No. E-16014(1)/26/73-Pers,—On repatriation to Rajasthan State Police Shri D. V. Behl relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BSL Bokaro with effect from the afternoon of 30th April 79.

The 28th May 1979

No. E-16013(2)/2/78-Pers.—On transfer on deputation Shri J. P. Verma, IPS (Orissa-66), assumed the charge of the post of Commandant/CISF, CISF Unit BSL Bokaro w.e.f. the forenoon of 10th May 1979.

Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 23rd May 1979

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Kathuria, Investigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Research Officer in the same office on ad-hoc basis, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, in a temporary capacity, on regular basis, with effect from the forenoon of 5 May, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Kathuria will be at Bhopal.

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Sh. N.C. Sarkar, Investigator, in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the

Director of Census Operations, Nagaland, Kohima, in a temporary capacity, on regular basis, with effect from the forenoon of 28 April, 79, until further orders.

2. The headquarters of Shri Sarkar will be at Kohima.

The 25th May 1979

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Sh. N.M. Alvi, Invesigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Assistant Director of Census Operations (Tochnical) in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, in a temporary capacity, on regular basis, with effect from the forenoon of 14 May, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Alvi will be at Patna.

The 26th May 1979

No. 11/76/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Sh. B. B. Lal, an office belonging to the Bihar Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Bihar, Patna, with effect from the afternoon of 14 May, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Lal will be at Patua.

V. P. PANDEY, Dy. Registrar General, India.

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 24th May 1979

F. No. BNP/C/5/78.—Shri V. P. Bhalla, a permanent Inspector Control is appointed to officiate as Deputy Control Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) on ad-hoc basis in Bank Note Press, Dewas in short term leave vacancy with effect from 8.5.79 to 17.6.79.

P. S. SHIVARAM, General Manager.

SECURITY PAPER MILI. HOSHANGABAD

Hoshangabad, the 224th April 1979

No. P.F. No. S/3/1908.—Shri K. N. Domble, Stores Keeper is appointed on ad-hoc basis to officiate as Stores Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 vice Shri M. L. S. Gangola, Stores Officer proceeding on Earned Lcave for 31 days with effect from 1-5-1979 to 31-5-1979. He will draw his pay in the above scale @ Rs. 920/- per month under FR 22(C) plus all other allowances admissible on such pay.

O. P. SHARMA, Chief Engineer.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

Gwalior, the 18th May 1979

No. OE.I/57.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh, has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against each:—

Sarvashri

- 1. S. R. Pandya (02/0248) 5-5-1979 forenoon.
- 2. K. P. Nayak (02/0249) 5-5-1979 forenoon.
- 3. M. R. Upasani (02/0250) 9-5-1979 forenoon.

KRISHNA GOPAL, Sonior Deputy Accountant General (Adma.).

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700016, the 16th May 1979

No. 28/79/G.—The president is pleased to appoint Shri C. M. Mathur Offg. ADH/Gr. 1 as Offg. DDH/level-II w.e.f. 25-4-79, until further orders.

The 23rd May 1979

No. 23/79/G.—The Hresident is pleased to appoint Shri Chandrakent Y. Patil as Assitt. Manager (Prob) with effect from 26th March 1979 (F/N). Shri

V. K. MEHTA,

Assistant Director General, Ordnance FYS.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 2nd April 1979 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/890/70-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad, a permanent Officer of Section Officer's grade of CSS to officiate in Grade I of the service with effect from the forenoon of the 18th December, 1978 until further orders.

2. The President is also pleased to appoint Shri L. Prasnd as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from the same date.

The 6th April 1979

No. 6/1298/79-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shi K. V. Kunhikrishnan, Senior Analyst in the Central Exchange for Assessment Data, Directorate of Statistics and Intelligence, Central Excise and Customs, New Delhi as Deputy Director (Drawback) in this office on deputation basis for a period of six months w.e.f. 31st March, 1979 (FN).

RAJENDER SINGH.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports, for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay-20, the 23rd May 1979

No. CER/6A/79.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C.(4)/58, dated the 7th March, 1958, namely :-

In the Table appended to the said Notification in the column 2, for the existing entries against S.No. 2 the following shall be substituted :-

- (i) Director (Handloom and Sericulture).
- (ii) Joint Director of Industries (Textiles)/Dy. Director of Industries (Textiles).
- (iii) All Regional Additional/It. Directors/Dy. Director of Industries.
- (iv) All General Managers of District Industries Centres.

No. CER/6B/79.—In exercise of the powers conferred on the by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Textiles Order, 1948, and with the previous sanction of the Central

I hereby make the following further amendment Government. in the Textile Commissioner's Notification No. T.C.(12)/58, dated the 7th March, 1958, namely :-

In the Table appended in the said Notification, in the column 2, for the existing entry against S.No. 2, the following shall be substituted :-

- (i) Textile Controller, Bihar,
- (ii) Director of Industries, Patna.
- (iii) Director (Handlooms & Sericulture) Bihar, Patna.

G. S. BHARGAVA Joint Textile Commissioner.

Bombay-20, the 25th May 1979

No. EST.I-2(559)/1830.—The Textile Commissioner is pleased to appoint Shri K. Srinivasan, Assistant Director, Grade II (Economics) as Assistant Director, Grade I (Non-Technical) with effect from 3.3.1979 (FN) and until further orders in the Office of the Textile Commissioner, Bombay. Commissioner is

> J. C. HANSDAK. Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the May 1979

No. 28/1/79-SII.-Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri Abraham Joseph, Farm Radio Reporter, All India Radio, Trichur to officiate as Farm Radio Officer at All India Radio, Calicut on temporary basis with effect from 30-4-79.

> S. V. SESHADRI. Deputy Director of Administration, For Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, 17th May 1979

No. 17/23-49-Est.I.—On attaining the age of superannuation, Shri D. N. Chawla, Permanent Branch Manager, Films Division, Bombay, retired from service from the afternoon of the 30th April, 1979.

> N. N. SHARMA, Asstt. Administrative Officer, for Chief Producer.

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 29th May 1979

12026/5/79-Est.—Shri D. L. Ghoshal officiating Assistant Distribution Officer is reverted to the post of Distribution Assistant with effect from 10th May, 1979 (Afternoon).

R. NARAYAN,

Deputy Director (Advtg), for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES STORES I SECTION

New Delhi, the 26th May 1979

No. A.39012/1/79-SI.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. S. Jayasunder in the post of Assistant Director (Pharmacology) (Group A Gazetted) Government Medical Store Depot Madras, with immediate effect.

S. K. KARTHAK,

Deputy Director Admn. (Stores).

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF FOOD)

Kanpur, the 17th May 1979

No. A-19012/46/79-Estt/1956.—Shri Rajendra Prasad Shukla, officiating Senior Research Assistant (Organic) is appointed to officiate as Junior Scientific Officer (Organic) at the National Sugar Institute, Kanpur with effect from the afternoon of 9.5.79 till further orders.

N. A. RAMAIAH, Director.

CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION (INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

Bombay-58, dated the 23rd May 1979

No. 2-12/77 /Estb/4817—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the undersigned is pleased to apoint the following officers substitutively to the permanent posts of Sr. Instructors (Group B) at Regional Training Centre for Inl nd Fisheries Operatives, Agra & Central Fisheries Entension Training Centre, Hyderabad, as shown against each.

Sr. No.	Name		Date from which made per- manent	(Constituen	t unit
S/Shri 1. H. G. I 2. K. C. I 3. R. K. G 4. M. L. I	Hingorani Malhotra Julati	}	9-7-76	R C F:	egional entre for isherics gra.	Training Inland Operatives
5. A. Gho 6. K. M. 7. B. K	Rao	}	27-6-7	7}	Central Extension Centre,	Fisheries n Training Hyderabad.

\$d./- il'egible Director

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 29th May 1979

No. A-19023/20/78-A.III.—The resignation tendered from Government service by Shri Natthu Ram, Marketing Officer of this Directorate on deputation to National Cooperative Devt. Corp., New Delhi, has been accepted w.e.f. 31.5.78 (A.N.) by the Agricultural Marketing Adviser.

No. A.19023/3/79-A.JII.—On the recommendations of the D.P.C., the following officers who are working as Marketing Officer (Group I) on ad hoc basis, have been promoted to officiate as Marketing Officer (Group-I) on regular basis w.e.f. 24-4-79, until further orders.

- 1. Shri B. B. Sarkar
- 2. Shri M. Reddiah

No. A.19025/10/79-A.III.—On his reversion from foreign service under the Delhi Agricultural Marketing Board, Delhi, Shri R. P. Sachdeva has taken over as Asstt. Marketing Officer in this Directorate at Faridabad w.e.f. 18-5-579 (A.N.).

B. L. MANIHAR,
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 22nd May 1979

No. NAPP/Adm/1(120)/79-S/6000.—Chief Project Engineer Narora. Atomic Power Project appoints Shri S. L. Thakar a permanent Foreman in Power Projects Engineering Division and presently working in the Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer grade SB in the same Project with effect from the forenoon of February 1, 1979 until further orders.

G. G. KULKARNI, Sr. Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 22nd May 1979

No. DPS/A/32011/3/76/Est/13510.—Reference this Directorate Notication of even number dated November 12, 1976. The ad hoc appointment of Shri Dattatray Yashwant Shitut, to the post of Assistant Purchase Officer is restricted till the afternoon of January 6, 1979.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the May 1979

No. A. 32023/1/77/R-7938.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri MUTHIAH KRISHNAMOORTHY, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Oracle Stenographer of this Centre in an officiating capacity on an ad hoc basis as Assistant Administrative Officer for the period from 23-4-79 to 26-5-79.

P. V. SOMANATHAN, Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT New Delhi, the 23rd May 1979

No. E(I)03347.—On attaining the age of superannuation Shri R. K. S. Saxena, Director, Headquarters, Office of the Director General of Meteorology, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1979.

G. R. GUPTA, Meteorologist for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd May 1979

No. A.32013/8/77-E.I.—In continuation of this office Notification No. A.32013/8/77-E.I., dated 29-3-79, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. R. Bhatia, a permanent Accountant in this Department to the post of Accounts Officer, Civil Aviation Department on ad-hoc basis for a further period of three months upto 31-8-1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A.35018/4/79-E.I.—Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint Shri Prem Raj Daroiyo, Section Officer borne on the strength of Accountant General, Rajasthan, to the post of Accounts Officer, Civil Aviation Department, on deputation, for a period of one year with affect from 9-5-79 afternoon.

V. V. JOHRI, Austt. Director of Administration

New Delhi, the 23rd May 1979

No. A.44012/1/78-ES.—Shri J. S. Bist, Redio Officer, in the office of the Regional Director, Delhi Region, relinquished charge of his duties in the afternoon of 18th April, 1979, on his appointment as Radio Officer in the office of the Directorate General of Border Security Force on deputation basis for a period of 3 years on the terms & conditions laid down in the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)-E.III/B/60, dated 4-5-61 as amended from time to time.

S. L. KHANDPUR,

Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 25th May 1979

No. A.38013/1/79-EC.—Shri A. N. Nath, Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Madras relinquished charge of his office on the 31-4-79 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA.

Deputy Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Debradun, the 26th May 1979

No. 16/83/78-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to permit Shri Y. R. Sethi, Research Officer in the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun to retire from Govt. service w.e.f. 31-3-79 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 28th May 1979

No. 13/3/70-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has been pleased to appoint Shri Y. R. Sethi, as Research Officer in Substantive capacity with effect from 22-10-1964.

GURDIAL MOHAN, Kul Sachiv

MINISTRY OF WORKS & HOUSING CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 23rd May 1979

No. 23/2/77-EC.II.—The following Officers of Central Public Works Department have retired from the Government service on attaining the age of superannuation with effect from 30th April, 1979 (A.N.):

Name and Present Designation

- Shri B. B. Lal—Executive Engineer (Civil), Office of the Chief Engineer (Vigilance), C.O. C.P.W.D., New Delhi.
- 2. Shri V. P. Katarmal.—Executive Engineer, Faridabad Central Division, C.P.W.D., Faridabad.
- 3. Shri A. Shivaswamy—Executive Engineer (Valuation), Unit II, Income Tax Department, Bangalore.
- 4. Shri P. C. Ghosh—Executive Engineer (Electrical), Electrical Division No. III, C.P.W.D., Calcutta.

B. R. RATTU,
Deputy Director of Administration
for Director-General (Works)

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 23rd May 1979

No. HPB/220/G/II/TC.—The following Officers are confirmed in Class II Services as Asstt. Operating Superintendent/Asstt. Commercial Superintendents with effect from the dates shown ag inst each:—

17-10-73 to 13-6-77 (Since Shri Menezes is permanently promoted to J.S. with effect from 14-6-77)
27-10-73
1-7-75
1-7-75
29-1-76
29-1-76
29-1-76
1-3-76
2-5-76
1-7-76

Krishan Chandra General Manager

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES U.P., KANPUR

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Devine Chit Fund Private Limited

Kanpur, the 26th May 1979

No. 6608/3133-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Devine Chit Fund Pvt. Ltd. unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of H. H. Chemicals Private Limited

Kanpur, the 26th May 1979

No. 6611/4412-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the H. H. Chemicals Pvt. Ltd. unless cause is known to the contrary, will be struck of the Registrar and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN Registrar of Companies, U.P., Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sahney Hotels Private Limited

Bombay-2, the 1st May 1979

No. 13520/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sahney Hotels Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. K. Versteeg & Company Private Limited

Bombay-2, the 15th May 1979

No. 8103/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. K. Versteeg & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. B. Lachman Private Limited

Bombay-2, the 15th May 1979

No. 17264/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. B. Lachman Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Mudra (Exports) Private Limited

Bombay-2, the 15th May 1979

No. 18254/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mudra (Exports) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sintered Metal Products Limited

Bombay-2, the 24th May 1979

No. 12093/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sintered Metal Products Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Keneral Enamel Products Private Limited

Bombay-2, the 24th May 1979

No. 13147/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Keneral Enamel Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sayonara Garments Private Limited

Bombay-2, the 24th May 1979

No. 13880/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sayonara Garments Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vagad Savings & Chit Fund Private Limited

Bombay-2, the 24th May 1979

No. 14777/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vagad Savings & Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Su-Juice Private Limited

Bombay-2, the 24th May 1979

No. 15959/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Su-Juice Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

L. M. GUPTA Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay. In the matter of the Companies Act, 1956; and In the matter of M/s. Egg Products (India) Private Limited Bhopal.

Gwalior, the 17th May 1979

No. 1060/R/961.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companics Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Egg Products (India) Private Limited, Bhopal, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of In the matter of M/s. Supreme Steel Casting Private Limited

Gwalior, the 25th May 1979

No. 1029/R/1023.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Supreme Steel Casting Private Limited, Raipur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956; and In the matter of M/s, Rupa Foams Manufacturing Company Private Limited.

Gwalior, the 28th May 1979

No. 1090/R/1115.—Notice is, hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Rupa Foams Manufacturing Company Private Limited, Indore, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Tara Kanambi Srl Vartha Kabhivridhi Company Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 133/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Tara Karnambi Sri Vartha Kabhivridhi Co. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Arya Vysya Dallali Mandi Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 232/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Arya Vysya Dallali Mandi Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dixit Textile Mills Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 557/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dixit Textile Mills Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of General Credit Corporation Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 588/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of General Credit Corporation Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Srl Ganesh Motor Service Private Ltd,

Bangalore, the 7th April 1979

No. 765/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Ganesh Motor Service Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bellary District Mine Owners Association Ltd.

Bangalore, the 6th April 1979

No. 784/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bellary District Mine Owners Association Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Lalitha Kala Films Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 790/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Lalitha Kala Films Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mysore Chemicals & Soaps Private Ist.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 826/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mysore Chemicals & Soaps Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jagadev Business Corpn. Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 980/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jagadev Business Corpn. Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shantilal and Sons Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1311/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Shantillal and Sons Private 1.td. has this day been struck off the Register and the company is dissolved. 13-106GI/79

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Machinery & Foundry Works Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 1316/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Machinery & Foundry Works Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Banev Paints and Chemicals Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1362/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies panies Act, 1956, that the name of Banev Paints and Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Karnataka Foundries Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

Notification No. 1388/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Com-Act, 1956, that the name of Karnataka Foundaries Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bangalore Tourist Private Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 1400/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bangalore Tourist Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jewel Films Corporation Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1427/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jewel Films Corporation Ltd has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Aridra Textiles Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1450/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Aridra Textiles Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ubhay Jyothi Private Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 1471/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Acr, 1956, that the name of Ubhay Jyothi Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bharadwaja Publications Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 1495/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies

Act, 1956, that the name of Bharadwaja Publications Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mecnakshi Mysore Mills Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 1506/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956. that the name of Keenakshi Mysore Mills Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mysore Metals Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1554/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Mysore Metals Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the metter of the Companies Act, 1956 and of Bhadra Trading and Chit Funds Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1627/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bhadra Trading and Chit Funds Private Ltd. has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bhuvaneswari Trading and Chit Funds Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1722/560 '79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bhuyaneswari Trading and Chit Funds Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mysore Fenny & Distilleries Private Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 1748/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mysore Fenny & Distillerles Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Arunothaya Chit Fund Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1770/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Arunothaya Chit Fund Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Celtas India Private Limited

Bangalore, the 22nd May 1979

Notification No. 1774/560/79.—Notice is herby given pursuant to sub-section (5) of the section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Celtas India Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Karnataka Structurals Private Ltd.

Bangalore, the 26th April 1979

No. 1813/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Karnataka Structurals Private 1 td. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Jewel Chit Fund Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 1815/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jewel Chit Fund Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Vamana Trading and Chit Fund Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1848/560/79.—Notice is hereby given pursuant to to sub-section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Vamana Trading and Chit Fund Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Lively Chit Funds Private Limited

Bangalore, the 7th April 1979

No. 1950/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Lovely Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Regiter and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kannada Prabha Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 1895/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kannada Prabha Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Essar Trading and Chit Combines Private Limited Bangalore, the 16th April 1979

No. 1931/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Essar Trading and Chit Combines Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bearings and Components Private Limited

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 1970/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies panies Act, 1956, that the name of Bearings and Components Private Limited has this day been struck off the Register and said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hafaka Dairy Farming Private Ltd.

Bangalore the 7th April 1979

No. 2059/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hafaka Dairy Farming Private Ltd. has this day been struck off the Register and the raid company in discovery. gaid company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mysore Packaging Industries Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2086/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mysore Packaging Industries Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mysore Silicates and Chemicals Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2091/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mysore Silicates and Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Stealite (India) Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 2121/560/70.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Stealite (India) (P), Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Padmaja Chit Funds and Trading Company Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 2142/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Padmaja Chit Funds and Trading Company Private Ltd, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mae-Sing Electrical Industries Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2165/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mae-Sing Electrical Industries Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of E. M. W. Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2170/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of E. M. W. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sel Balaji Agricultural, Industrial and Housing Company Private Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 2188/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Balaji Agricultural Industrial and Housing Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mysore Extrusion Company Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2226/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mysore Extrusion Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mlew Mess Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2331/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Miew Mess Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sonic Offset Printers Private Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 2339/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sonie Offset Printers Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Scrosu Private Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 2346/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sarosu Private Ltd. has this day been struck oft the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kanara Farms Private Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 2350/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kanara Farms Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Janatha Janardhan Seva Finance and Trading Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2357/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Janatha Janardhan Seva Finance and Trading Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Baccacolo Agencies Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2413/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Baccaccio Agencies Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1936 and of Telecommunications & Electronics Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 22417/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Telecommunications & Electronics Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dural Exports Private Ltd.

Bangalore, the 7th April 1979

No. 2464/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dural Exports Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M. M. Foam Limited

Bangalore, the 16th April 1979

No. 2563/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M. M. Foam Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of New India Printing, Publishing and Packaging Company Private Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 2573/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of New India Printing, Publishing and Packaging Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Brindavan Investments Private Ltd.

Bangalore, the 16th April 1979

No. 2604/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Brindavan Investments Private Ltd. has this day been struck off the Register and the company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mayura Chemicals Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2639/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mayura Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Bangalore, the 22nd May 1979

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Emes Wines Private Ltd.

No. 2766/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Emes Wines Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Aci, 1956 and of Chamunderwari Oils & Protein Extracts Ltd

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2767/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chamunderwari Oils & Protein Extracts Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Industrial Furnace Equipment Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2339/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Industrial Furnace Equipment Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Panchem Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2947/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Panchem Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Engineering, Castings and Components Privte Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 2947/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Panchem Private Ltd. Components Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Gayathri Roller Flour Mills Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 3048/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Gayathri Roller Flour Mills Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kamadhenu Constructions Company Private Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 3072/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kamdhenu Construction Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Aloy and Special Steel Products Ltd.

Bangalore, the 22nd May 1979

No. 3164/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Alloy and Special Steel Products Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-V

New Delhi, the 24th May 1979

INCOME TAX

No. JUR-DLI/V/78-79/4160.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Dulhi hereby directs that the Income-tax Wards/Circles mentioned in Column 2 shall stand merged with wards/Circles mentioned in Column 3 of the Schedule herein below. As a consequence the cases of the merged ward will revert back to the ward to which it has merged.

SCHEDULE

S. No., Name of the ward merged and Name of the ward where merged.

J. District-II(11) Addl., New Delhi. District-II(11) New Delhi.

This notification shall take effect from 252-5-79.

The 28th May 1979

Following is list showing the names of individuals and HUFs, who have been assessed on a wealth of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1977-78. (i) indicates status 'I' for individual and 'H' for HUF. (ii) for assessment year, (iii) for wealth returned, (iv) for wealth assessed (v) for tax payable by the assessee, (vi) tax paid by the assessees:—

- 22-002-HN-1885 M/s Balkishan pass & Sons, Chawri Bazar, Delhi.
 - (i) H
 - (ii) 1964-65
 - (iii) 11,05,729
 - (iv) 11,74,760
 - (v) 4,529
 - (vi) 4,529.

K, R. RAGHAVAN Commissioner of Income-tax. Delhi-V, New Delhi.

FORM I.T N S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 26th March 1979

Ref. No. Ac-54/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17/1C situated at Alipore Road Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 4-9-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the pursones of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Krishna Devi Murarka, R/o 8A, Asoka Rond, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Bani Lal & 2. A. V. M. Ajoy Chandra Lal, both R/O 17/IC, Alipore Rd. Calcutta.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 in premises No. 17/1C, Alipore Road, Calcutta, covered area 1700-sq. ft.

S. C. YADAV.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 26-3-1979

Seal:

(1) Smt. Urmila Chaki.

(Transferor)

(2) Smt. Manashi Roy Chowdhury.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 26th March 1979

Ref. No. Sl. No. 482/TR-458/C-405/Cal-2/78-79.—Whereas, I I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3 situated at Orient Row, Calcutta-17,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-9-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons gamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share being portion of undivided land measuring 3 Cot. 2Ch. along with 2 storied building situated thereon at 3. Orient Row, Cal-17 and registered with a Sub-Registrar on 11-9-78.

L V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16

Date: 26-3-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 26th March 1979

Ref. No. Sl. No. 483/TR-430/C-342/Cal-1/78-79.—Whereas, I, J. V. S. JUNEJA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 18 situated at Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

5, Govt. Place North, Calcutta on 14-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties I as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Acharaj Lall Chopra.

(Transferor)

(2) Shrimati Ratani Devi Jain.

(Transferee)

(3) 1. Babulal Aggarwal.

A. Rahim.
 N. K. Dey.

4. Sampunan Singh,

5. United Industrial Bank.

6. P. K. Mitra & Co.

7. General Engineering Manufacturing Co.

8. Elite Trading Co.

9. Motion Picture Distributors. 10. Ashok Trading Co. 11. C. Z. Instruments (P) Ltd.

12. Eastman (I) Ltd.

(Persons in ocupation of the property)

(4) 1. Premlata Chopra.

Brijmohon Chopra both of 95, Hazra Road. Ramratan Salgal. Abinash Ch. Salgal.

Such Malhotra and

Vijayluxmi Kapur all of 178, Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta-13.

(Person where the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the tradersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/7th share in 3 storied building with land being premises No. 18, Rajendra Nath Mukherjee Road, registered under deed No. I-4520 dt. 14-9-78, with the Registrar of Assurance, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 26-3-1979.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 26th March 1979

Ref. No. Sl. No. 484/TR-434/C-386/Cal-1/78-79.-Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18 situated at Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 14-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

14--106GI/79

(1) Mrs. Such Malhotra.

(Transferor)

(2) Smt. Ratan Debi Jain.

(Transferee)

- (3) 1. Babulal Aggarwal.
 - A. Rahim.
 - 3. N. K. Dey
 - 4. Sampunan Singh. 5. United Industrial Bank.
 - P. K. Mitra & Co.
 - 7. General Engineering Manufacturing Co.

 - 8. Elite Trading Co.
 9. Motion Picture Distributors.
 10. Ashok Trading Co.
 11. C. Z. Instruments (P) Ltd.

 - 12. Eastman (I) Ltd.
 - all of 18, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta. (Persons in occupation of the property)
- (4) 1. Achoraj Lal Chopra
 - 2. Premlata Chopra.
 - 3. Brijmohan Chopra all of 95, Hazra Road, 4. Ramratan Saigal.

 - Abinash Ch. Saigal Vijayluxmi Kapur all of 178, Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta-13.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/7th share in 3 storyed building with land being premises No. 18, Rajendra Nath Mukherjee Road, registered under Deed No. I-4524 dt. 14-9-78 with the Registrar of Assurances, Calcutta.

> J. V. S. JUNEJA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 26-3-1979,

Şeal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 26th March 1979

Ref. No. Sl. 485/TR-435/C-381/Cal-1/78-79.— Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18 situated at Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 14-9-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Smt. Vijoy Luxmi Kapur.
- (Transferor)
- (2) Shri Trilok Chand Jain.
- (3) 1. Babulal Aggarwal.

(Transferce)

- A. Rahim.
 N. K. Dey.
 Sampunan Singh.
 United Industrial Bank.
 P. K. Mitra & Co.
- 7. General Engineering Manufacturing Co.
- 8. Eite Trading Co.
- 9. Motion Picture Distributors.
- 10. Ashok Trading Co.
- 11. C. Z. Instruments (P) Ltd. Co.
- 12. Eastman (1) Ltd. all of 18, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta. (Persons in occupation of the property)
- (4) 1. Achoraj Lal Chopra.
 - 2. Premlata Chopra.
 - 3. Brijmohon Chopra all of 95, Hazra Road, Cal. 4. Ramratan Saigal
 - Avinash Ch. Saigal.
 - Smt. Such Malhotra all of 178 Acharya Jagadish

Bose Road, Calcutta-13.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/7th share in 3 storied building with land being premises No. 18, Rajendra Nath Mukherjee Road, registered under Deed No. I-4525 dt. 14-9-78 with the Registrar of Assurances, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 26-3-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 26th March 1979

Ref. No. Sl. 486/TR-431/C-383/Cal-1/78-79.-Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18 situated at Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 14-9-1978,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Prem Lata Chopra.

(Transferor)

(2) Shri Asok Kumar Jain.

(Transferee)

(3) 1. Babulal Aggarwal.

A. Rahim.
 N. K. Dey.

Sampunan Singh,
 United Industrial Bank.

6. P. K. Mitra & Co.
7. General Engineering Manufacturing Co.

8. Elite Trading Co.

9. Motion Picture Distributors.

10. Ashok Trading Co.

11. C. Z. Instruments (P) Ltd.

Eastman (I) Ltd. all of 18, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta. List of persons in occupation of the property.

4.(1) Acharaj Lal Chopra,

Brijmohon Chopra both of 95, Hazra Road, Cal.
 Ramratan Saigal.

Avinash Ch. Saigal.
 Such Malhotta and
 Smt. Vijayluxmi Kapur all of 178, Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta-13.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/7th share in 3 storied building with land being premises No. 18, Rajendra Nath Mukherjee Road, registered under Deed No. I-4521 dt. 14-9-78 with the Registrar of Assurances, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 26-3-1979.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Calcutta-16, the 26th March 1979

Ref. No. SI. No. 487 /TR-432 / C-384 / Cal-1 / 78-79.— Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 18 situated at Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North, Calcutta on 14-9-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ram Ratan Saigal.

(Transferor)

(2) Miss. Usha Jain.

(Transferee)

- (3) 1. Babulal Aggarwal.
 - A. Rahim.
 N. K. Dey
 - 4. Sampunan Singh.
 - 5. United Industrial Bank.

 - P. K. Mitra & Co.
 General Engineering Manufacturing Co.

 - 8. Elite Trading Co.
 9. Motion Picture Distributors.
 - 10. Ashok Trading Co.
 - 11. C. Z. Instruments (P) Ltd.
 - 12. Eastman (I) Ltd.
 - all of 18, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta. (Persons in occupation of the property)
- (4) 1. Achorja Lal Chopra.

 - Premlata Chopra.
 Brijmohon Chapra all of 95 Hazra Road, Cal.

 - Avinash Ch. Saigal Smt. Such Malhotra and Vijayluxmi Kapur al lof 178, Acharya Jagadish Chandre Bose Road, Calcutta-13.
 - (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/7th share in 3 storied building with land being premises No. 18, Rajendra Nath Mukherjee Road registered under Deed No. I-4522 dt. 14-9-78 with a Registrar of Assurances, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 26-3-1979.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Calcutta-16, the 26th March 1979

Ref. No. Sl. No. 488/TR-433 / C-385 / Cal-1 / 78-79,---Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18 situated at Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 14-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Avinash Ch. Saigal.

(Transferor)

(2) Shri Chandan Mull Jain.

(Transferce)

(3) 1. Babulal Aggarwal.

A. Rahim.
 N. K. Dey

Sampunan Singh.
 United Industrial Bank.

6. P. K. Mitra & Co.
7. General Engineering Manufacturing Co.

Elite Trading Co.
 Motion Picture Distributors.

10. Ashok Trading Co.

I. C. Z. Instruments (P) Ltd.

12. Eastman (I) Ltd.

all of 18, Rajendra? Nath Mukherjee Road, Calcutta. (Persons in occupation of the property)

(4) L. Achorai Lal Chopra.

2. Premlata Chopra.

3. Brijmohon Chopra all of 95, Hazra Road, Cal. 4. Ramratan Saigal.

5. Smt. Such Mahlotra and,

Vijoyluxmi Kapur all of 178. Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta13.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expresions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/7th share in the 3 storied building with land being premises No. 18, Rajendra Nath Mukherjee Road, Registered under Deed No. I-4523 dt. 14-9-78 with the Registrar of Assurances, Calcutta,

> I. V. S. JUNEJA ' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Calcutta

Date: 26-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OP 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II, CALCTUTA

Calcutta, the 29th March 1979

Ref. No. Ac-55/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/... and bearing

No. 23A, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 12-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the folloing persons, namely:—

- Smt. Roushan Johan Moshtari Begum, W/o, Late Miran F. Rahman, R/o 4A, Palm Avenue, Calcutta-17.
 (Transferor)
- (2) M/s. Injar (India) Ltd., 160C, Chittaranjan Avenue, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-Cottah, 2-chittaks at plot No. 76, Block No. E of the New Alipore Development Scheme No. XV, being premises No. 23A, Diamond Harbour Road, Alipore

S. C. YADAV Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date: 29-3-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCTUTA

Calcutta, the 31st March 1979

Ref. No. Ac-56/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 8-9-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Md. Sayed Jabbar R/o 4A, Palm Avenue Calcutta-17.

(Transferor)

(2) M/s. Injar (India) Ltd., 160C, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-cottah, 2-chittaks at plot No. 76, Block No. E of the New Alipore Development Scheme No. XV, being premises No. 23A, Diaomid Harbour Road, Calcutta.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 31-3-1979

(1) M/s. Kolay Properties (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Todi Tea Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1979

Ref. No. Sl.491/TR-436/C-387/Cal-1/78-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

Nos. 2, 3A & 7 situated at Lalbazar st., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building together with land measuring 18 Cottahs being premises at 2, 3A & 7, Lalbazar St., Calcutta as registered before the Registrar of Assurance, Calcutta being No. I-4526 of 1978.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 16-4-1979

(1) Shri Yograj Garg.

(Transferor

(2) Shri Rajendra Lakhotia.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1979

Ref. No. AC-9/R-JV/Cal/79-80. -Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Kh. No. 448 situated at Mauja-Debgram, P.S. Rajganj, Dist.—Jalpaiguri

(and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalpaiguri on 23-9-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

15-106G1/79

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazettee or a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the

pective persons, whichever period expires later;

30 days from the service of notice on the res-

date of the publication of this notice in the

Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11 Dec. situated at Dist. falpoiguri, P.S. Rajganj, Mauja, Debgram, J.I. No. 2, Kh. No. 448, C.S. Plot No. 396 more particularly as per decd No. 7779 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 18-4-1979

FORM ITNS ---

(1) Shrimati Sushila Devi Garg.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra Lakhotia.

(Transferee)

GOVERNMEN'I OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACUISITION RANGE-IV, CALCUTTA,

Calcutta, the 18th April 1979

Ref. No. AC-10/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 448 situated at Mauja-Debgram, P.S. Rajganj, Distt. Jalpaiguri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jalpaiguri on 23-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purruance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring '11 DEC, situated at Dist., Jalpaiguri, P.S. Rajgani, Mauja—Debgram, J.L. No. 2, Kh. No. 448, C.S. Plot No. 396 more particularly as per deed No. 7778 of 1978.

S. K. DASGUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 18-4-1979

(1) Sri Deokaran Agarwala

(2) Sri Mahabir Prosad Saraf.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACUISITION RANGE-IV, CALCUTTA,

Calcutta, the 8th May 1979

Ref. No. AC-13/Acq.R-IV/Cal/79-80,--Whereas, 1, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. Plot No. 3196 situated at P.S. & Mouza Siliguri,

Dist : Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Siliguri on 14-9-1978 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.18 acres situated at P.S. & Mouza Siliguri, Kh. No. 1575, C.S. Plot No. 3196, Holding No. 102, Ward No. XV, Dist: Darjeeling more particularly as per deed No. 4949 of 1978.

S. K. DASGUPTA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8--5-1979

[PART III-SEC. 1

FORM ITNS ---

(1) Sri Powan Kumar Agarwala (Saraf)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Chandra Prokash Agarwala

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA,

Calcutta, the 8th May 1979

Ref. No. AC-14/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUP'FA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.S. Plot No. 3293 & 3716 situated at P.S. & Mouza Siliguri, Dist: Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Siliguri on 12-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 200 acres situated at Mouza & P.S. Siliguri, Kh. No. 1145/1, C.S. Plot No. 3293 & 3716, Ward No. XVII at Siliguri Municipaliti more particularly as per deed No. 4931 of 1978,

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV,
54, Raß Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 8--5-1979

(1) Shri Mahabir Prosud Agarwala.

(Transferor)

(2) Smt. Bina Devi Agarwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA,

Calcutta, the 8th May 1979

Ref. No. AC-15/Λcq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

C.S. Plot No. 3293, 3716 situated at P.S. Mouza Siliguri, Dist: Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Siliguri on 12-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpos of the Indian noome-tax Act, 1922) 11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Faplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.20 acres situated at P.S. & Mouza Siliguri, Kh. No. 1145/1, C.S. Plot No. 3°93, 3716, Ward No. XVII of the Siliguri Municipality more particularly as per deed No. 4928 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Dated: 8-5-1979

FORM ITNS----

(1) Sri Om Prakash Poddar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA,

Calcutta, the 2nd May 1979

Ref. No. AC-14/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPIA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the suid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 244 situated at Block 'A', Lake Town, Mouza Patipukur, Dist 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 21-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) Sri Tapan Kumar Guha

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land (vacant) measuring 5 cottains 5 chittaks situated at plot No. 244, block 'A', Lake Town, Mouza Patipukur, Dist. 24-Pgs., more particularly as

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Ridwai Road,

Date: 2-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 11th May 1979

Ref. No. 471/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 21 situated at Ballyugunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah on 4-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stared in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) rheilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Meena Chatterjee, Flat No. 1, 6B, Middleton Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Calcutta Punjab Club Ltd., 21, Ballyguange Circular Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided i share in the land admeasuring 39 Cottahs 11 chittacks 25 sq. ft. together with structures thereon situated at 21, ballygunge Circular Road, Calcutta.

VASKAR SFN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7000\6.

Date: 11-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS Madras-600 006, the 3r1 March 1979

Ref. No. 26 Sept./78.--Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at 7th East Main Road, Katpadi Extension (Gandhinagar), Vellore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Katpadi (Document No. 2728/78) on 13-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri N. P. Narayanaswamy Iyer, 141, Peters Road, Madras-86.

(Transferor)

(2) Shri B. B. Seshadri, No. 24, 4th East Main Road, Gandhi Nagar, Vellore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Bulidings situated at Door No. 15, Seventh East Main Road, Katpadi Extension (Gandhinagar), Vellore-6.

O. ANANDARAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 3-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 9th March 1979

Ref. No. 18/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 26-C situated at West Tower Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRI, Madurai (Document No. 3631/78) on 18-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trasnfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri S. Radhakrishnan;

2. Smt. Ananthammal; 3. Smt. Bhanumathi Balan; 4. Shri Chandrasekaran;

5. Smt. Sectha Devi @ Devika,

Vidwan Ponnusainy Pillai Lane,

Madurai.

(2) Shri R. Arumugha Mudaliar, 46-B, West Tower Street, Madurai. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publica tion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land & Buildings situate at Door No. 26-C, West Tower Street, Madurai.

> O. ANANDARAM. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 9-3-1979

Scal:

16-106GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd March 1979

Ref. No. 10/Sept./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 13 situated at Sivakasi Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sivakasi (Document No. 2630/78) on 27-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Sarojini Ramaswamy;
 2. Shri P. R. Subash Chandran;
 3. Minor S. Mcenakshi,
 by fr & gdn Sl. No. 2,
 All R/o Plot No. 18, Sankar Colony,
 Palyamkottai Road, Tuticorin.

(Transferor)

 M/s. National Fire Works Factory, Police Station Road, Sivakasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building & vacant site situate at No. 13, Sivakasi Village in Survey No. 283/IB; 283/ID; 283/D; 283/3; 285/4AI & 285/B totalling to the extent of 1.07 acres.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 23-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 31st March 1979

Ref. No. 42/Sept./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. New Door No. 42 situated at Pedariar Koil street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Document No. 436/78) on 20-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri K. Govindaswamy,
 S/o Shri Kumaraswamy,
 Perumal Koil Garden Street First Lane,
 G.T., Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri B. Shahjahan, S/o late Shri M. K. Bawa Sahib, Old No. 111, Broadway, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Buildings at New Door No. 42, Pedariar Koil Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date31-3-1979 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SSIONER OF INCOME TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 20th April 1979

Ref. No. 12/Sep./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 2 situated at Co-operative Colony, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed acreto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at JSRO Dindigul (Document No. 493/78) on 10-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. P. Indrani Aammal, W/o Shri K. Perumalsamy, Vijayanand Illam, Nicker New St., Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri G. Subbiah, S/o Shri Guruswamy Naidu, 1/1, Palani Road Then Saragu, Dindigul Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Ward No. 2, Cooperative Colony, Dindigul.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 20-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th May 1979

No. 4859/78-79.—Whereas, I, ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.S. No. 1/14 situated at Anamalai Hills (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Anaimalai (Doc. No. 873/78) on September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) P. R. Kandaswamy Gounder

R. K. Ramakrishnan, V. R. Palaniswamy Gounder,

P. Mohan Raj, P. Sundarraj,

28, Kaliangarayar St., Pollachi.

(Transferor)

(2) Neelambigai, W/o S. P. Lakshmanan, Chockikulam, No. 2, Pulabai Desai St., Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immivable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

200 Acres of land in T.S. No. 1/14, Anamalai Hills. (Doc. No. 873/78)

> O. ANANDARAM. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Susila Ramachandran,
 Crescent Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Smt. Ranganayaki Ammal, D/o Rangaswamy Naidu Smt. Sarojini Ammal D/o S. Rangaswamy Naidu, 162 Avarampalayam Road, P.N. Palayam, Coimbatore-18.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4883.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10, situated at A.T.T. Colony, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2986/78) on September 1978 * Sor an apparent

consideration which is less than the fair market value of the foresaid property, and I have reasons to believe that the fair ma. Ket value of the property as aforesaid exceeds the appa. The consideration therefor by more than fifteen per cent apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly the object of the parties of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 10, A.T.T. Colony, Coimbatore. (Doc. No. 2986/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-II, Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4876.-Whercas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 13/35, situated at West Periaswamy Road R. S. Pusam, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. No. 2943/78) on September 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri N. M. Lakshmanan, Shri N. M. Somasekaran,

Shri Sushcela Sankaran,

Shri Sethu Sreedharan,

Shri Sadish, Santhosh, Sanjay, Sangeetha

R/o 35. West Periaswamy Road,

R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri R. Rajendran,

S/o K. Rajagopal Chettiar, R/o 15, Vysial St., Muthuvinayagar Koil St.,

Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 13/35, West Periuswamy Road, R.S. Puram, Coimbatore. (Doc. No. 2943/78).

> O. ANANDARAM, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4887.--Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the sald Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42, situated at Belmont, Ootacamund (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 1244/78) on September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shanthi Shamanna 80, V Block, Rajaji Nagar, Bangalore

(Transferor)

(2) S. Krishnammal W/O. C. Parthasarathy Adashola Ootacamund

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 42, 'Belmont' Octacamund (Doc. No. 1244/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 8340.—Whereas, I, O. Anandaram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2A, situated at Nehru St., Vellithirumutham, Srirangam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirangam (Doc. No. 2072/78) on Sept. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

17-106GJ/79

(1) Kulaindaiswamy
John Raj,
Visvasam,
Louismary,
10, Nehru St. Gandhi Road, Srirangam
(Transfero))

(2) P. Srinivasan, S/o. Palani Gounder, C-72, Thatham St., Srirengam

(Transferce)

Obejctions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2A, Nohru St., Thirumutham, Srirengam, (Doc. No. 2072/78)

O. ANANDARAM.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 8354.—Whereas, I, O. Anandaram being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Raja St., situated at Thiruvelandur

(and more fully described in the Schedule annexed herew), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayavaram (Doc. No. 650/78) on Sept. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Viswanatha Mudaliar 133, Madhuthana St., Mayavaram

(Transferor)

(2) Meyyammai Achi, W/o Venkatachalam Chettiar, Tharangambadi Road, Mayavaram

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Raja St., Thiruvilandur Mayuram (Doc. No. 650/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-II. Madgas-600 006

Date: 7-5-1979

(1) Dr. K. Bhaskaran, 16, Radhavia Road, Madras-17

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. T. S. Gopalan, 9, Lakshmana Chetty St., Madras-17

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 6716.—Whereas, I, O. Anandaram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, Giri Road, situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 1062 78) on September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 7, Giri Road, T. Nagar, Madras-17 (Doc. No. 1062/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dr. P. V. Rajamannar, 26, Victoria Crescent Road, Madras

(2) K. P. Subramaniam.

Madras-20

(Trausferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras-600006, the 7th May 1979

SIONER OF INCOME-TAX,

Ref. No. 6516,—Wheeras, I O. Anandaram, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 53, Third Main Road, situated at Gandhinagar, Kottur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Saidapet (Doc. No. 1968/78) on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objects as, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

44, Third Main Road, Kasturibai Nagar

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 53, Third Main Road, Gandhinagar, Kottur (Doc. No. 1968/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4863.—Whereas, I O. Anandaram, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

No. 19, situated at Ramalingam St. Mahalingapuram, Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1920/78) on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. K. Ramaswamy, S/o. Kumarswamy 1/50, Kalaimagal Palli St., Swarnapuri, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Mayilathal W/o. Mayilswamy gounder 19, Ramalingam St., Mahalingampuram, Pollachi-2

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 19, Ramalingam St., Mahalingapuram, Pollachi (Doc. No. 1920/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4864.—Wheras, I O. Anandaram, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15/31B, situated at Ramalinganagar, 4th Sangaπur, Village, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhiputam, Coimbatore (Doc. No. 2354/78) on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitation the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. T. Suseela Jayakar, 15/31B Ramalinga Nagar 4th Layout Saibaba Colony, Coimbatore-11

(Transferor)

(2) M. Bellan, S/o. B. Mahalingam Sundariammal W/o. M. Bellan, Manjacobai Balacola Town Panchayat Ooty Taluk, Nilgiris

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15/31B, Ramalinganagar 4th Layout, Sanganur Village, Coimbatore (Doc. No. 2354/78)

(O. ANANDARAM)
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-5-1979

FORM ITNS ---

(1) Sir Rama Varma Padmanabhadasa Former Maharaja of Travancore 'Kandiar Palace', Trivandrum

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4867.—Wereas, I O. Anandaram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. No. 3063/1, situated at 'Westlake', Ootacamund (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nilgiris (Doc. No. 1164/78) on September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I here y initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mrs. Rajema Gill W/o. Karamjit Singh Gill, Dilkush Mahal, Race Course Road, Ootacamund-643 001

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS. No. 3063/1, Westlake Ootacamund (Doc. No. 1164/78)

(O. ANANDARAM)
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4848,—Whereas, I O. Anandaram,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60 N/I, S. K. Chenniappa, situated at Gounder Road. Erode (part)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Erode (Doc. No. 2912/78) on Sept 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri E. P. Krishnaswamy, 39-42, Muthu Velappa Gounder St., Kaspa, Kaikolan Thottam, Erode

(Transferor)

(2) Shri C. Paramasivam, S/o. K. Chinnaswamy gounder Kaspakanakapuram, Erode

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the stylice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 60 N/1, S. K. Chenniappa Gounder Road, Erode (Part) (Doc. No. 2912/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA (1) Shri F. P. Krishnaswamy, 39-42, Muthuvelappa gounder St., Kaikolan Thottam, Kaspa Erode

(Transferor)

(2) Shri K. Chinnaswamy gounder, S/o. Kolandaswamy gounder, Kaspa, Kanakapuram, Erode

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 7th May 1979

Rc. No. 4848.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 60N/1, situated at S. K. Chenniappa Gounder Road, Erode (part)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 2911/78) on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—
18—106GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 60 N/1, S. K. Chenniappa Gounder Road, Frode (part) (Doc. No. 2911/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADARAS-600006

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4852.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7/61, Avanashi Road, situated at Kalapatti Village Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Doc. 2057/78) on Sept. 1978 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri N. Ramachandran,
 Bharathinagar, Peelamedu,
 Coimbatore14

(Transferor)

(2) M/s. Sri Lakshmi Durga Spinners 711, Mill Road, Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land building at 7/61, Avanashi Road, Kalapatti Village, Coimbatore (Doc. No. 2057/78)

O. ANANDARAM.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref No. 4875.—Whereas, I O. Anandaram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 8/57. West Venkataswamy Road, situated at R. S. Puram, Coimbatore (Part) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2899/78) on Sept., 1978 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. H. Danial, Mrs. Pamela Moses, Mrs. Sheela Rajan, 10-3, Bharathi Park Road, Coimbatore-11

(Transferor)

(2) Shri R. Ramraj, S/o. M. Ramaswamy Achari, 249 Fdayar St., Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 8/57, West Venkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore (Part) (Doc. No. 2899/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madrus-600 006

Date : 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th May 1979

Rcf. No. 4875.—Whereas, I O. Anandaram, being the competent authority under acction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/57 West Venkataswamy, situated at Road, R. S. Puram, Coimbatore (Part)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2900/78) on September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afotsaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) P. H. Danial, Mrs. Pamela Moses, Mrs. Sheela Rajan, 10-3, Bharathi Park Road, Coimbatore-11

(Transferor)

(2) Mookammal,W/o. Ramaswamy Achari,249, Edayar St.,Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 8/57, West Venkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore (part) (Doc. No. 2900/78). Seal:

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4869.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A, situated at Veteneri Hospital Road, Gobichettipalayam, Veerapandi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 1871/78) on Sept. 1978 for an apparent consideration which is less than the fulr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
20—86GI/79

D. Seetharama Iyer,
 P. S. Devarajan,
 P. S. Ravi
 473, 8th B. Main, Jayanagar IVth Block,
 Bangalore.
 S. Suresh, 1524, New Port, Drive Lockwood,
 New Jersey.

(Transferor)

(2) K. Kandaswamy, S/o Karuppanna Gounder, Nallakkapalayam, Siruvallur Village, Gobi Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

23A, Vetenery Hospital Road, Veerapandi Village, Gobichettipalayam (Doc. No. 1871/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Ayisha Meena Wo N. A. Abdul Khader Sahib, 78, Thirunagar Colony, Erode.

(Transferor)

(2) Thulasimaniammal,1, Chockanatha Gounder St.,Erode.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4880/78.—Whereas, 1 O. ANANDARAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 49, situated at Krishna Talkies Road, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Frode (Doc. No. 3293/78) on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 49, Krishna Talkies Road, Erode, (Doc. No. 3293/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006,

Date: 7-5-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4877.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, situated at Vinayakar Koil St., Krishnaswamy Nagar,

Coimbatore-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2888/78) on Sept. 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property. and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object cf-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) V. Seethapathy, 7, Krishnaswamy Nagar, Ramanathapuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) C. R. N. Palaniswamy, S/o Muthinar Narayanaswamy, 55, Krishnaswamy Nagar, Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publ' cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 7, Krishnaswamynagar, Vinayakar Koil St., Coimbatore-18,

(Doc. No. 2888/78),

O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 600.—Whereas, I, O. ANANDARAM. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 123 D/1, situated at Mount Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet, Madras (Doc. No. 1320/78) on Sept. 1978. for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Khivraj Chordia, Devraj Chordia, Navaratanmull Chordia,
 (Old No. 36) General Muthia Mudali St., Madras-1.

(Transferor)

(2) T. M. B. Anver Ali,
T. M. B., Sycd Ali,
T. M. B. Ameer Ali,
T. M. B. Fathima Banu,
74, Javia St., Koothanallur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and Ground No. 123D/1, Mount Road, Madras-6. (Doc. No. 1320/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Sundari Ranganathan & others, 47, Vijayaraghavachari Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri M. Kauthayah, S/o A. Mariappan, 4, Sambasiyam St., Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 6707.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 47, situated at Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 1000/78 on Sept. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19-106GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 47, Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras-17. (Doc No. 1000/78).

O. ANANDARAM
Gompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

Seal;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 6635.--Whereas, I O. ANANDARAM being the competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 122, situated at Apparswami Koil St., Madras-4 (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore, Madras (Doc. No. 1268/78) on Sept. 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ánd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

(1) Shri M. Sambanda Mudaliar, 41, Nagappier St., Madras-600 005.

(Transferor)

(2) Smt. P. Vijayalakshmi, 122, Apparswami Koil St., Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House and Ground No. 122, Apparswami Koil St., Madras-4.

(Doc. No. 1268/78).

O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-5-1979

Sear:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Rer. No. 8353.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS. No. 25/4, situated at Ramakrishnapuram, Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur (Doc. No. 3104/78) on Sept. 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 N. Jayagandham, W/o P. Nachimuthu, Ramakrishnapuram, Karur, Trichy.

(Transferor)

 S. Narayanswamy, S/o R. Subba Reddiar, Sengunthapuram, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground in TS No. 25/4, Ramakrishnapuram, Karur, Trichy. (Doc. No. 3104/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

Indira Ramamurthy,
 M. Ravi, M. Chandramohan, M. Asokan,
 M. Jayaraman, Lalitha Ramani,
 M. Vijayakumar,
 Sriman Srinivasa Iyer Road, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) A. M. Noorjahan, 157, Ponnagar, Trichy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 8355 .-- Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-D, situated at E.V.R. Road, Puthur, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 4493/78) on Sept. 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House and ground No. 1-D, E.V.R. Road, Puthur, Trichy. (Doc. No. 4493/78).

O. ANANDARAM
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

FORM ITNS -----

(1) Haji A. M. Abdul Aahman, A.M.A. Nagar, Pudukottai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) A. R. Noor Mohammed, Nizam Tobacco Factory, Pudukottai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 8369.-Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No. No. TS. No. 5379/3, situated at A.M.A. Nagar (Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. No. 1455/78 on September 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House and Ground in TS, No. 5379/3, A.M.A. Nagar, Pudukottai.

(Doc. No. 1455/78).

O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 8370.—Whereas, I.O. ANANDARAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. TS. No. 5379, situated at Marthandapuram 2nd St., Pudukottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. No. 1541/78) on September 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S. Padmanabhan, Malayappan, Subramanian, Krishnamurthy, Vydyanathan, Mangalam, Pattammal, Konapattu, Thirumayam Tk. Pudukottai.
 (Transferor)
- (2) S. Vijayakumar, S/o S. V. Visasami Servai, South 4th St., Pudukottai-622 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and ground in TS. No. 5379, Marthandapuram 2nd St., Pudukottai. (Doc. No. 1541/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 6515.-Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 25, situated at 1st Main Road, Gandhinagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Saidapet (Doc. No. 1863/78) on September 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the tranfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Bhogaraju Jayalakshmi W/o Late B. Venkatarathnam, 21, III Cross St., Dr. Radhakrishna Nagar, Madras-41.

(Transferor)

(2) Seetha Pitchaiva, W/o I atc G. Pitchaiva, 96. Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 25, 1st Main Road, Madras-20. (Doc No. 1863/78).

> O. ANANDARAM Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-II. Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4779.—Whereas, I. O.ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 2(1), situated at Mount Stuart Estate, Annamalai Hills, Pollachi Tk.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Bombay (Doc. No. R-640/77 on Sept. 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, the fere in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mount Stuart Tea Estate, 64, New Bardan Lane, Bombay-400 003,

(Transferor)

(2) M/s. R. M. T. Nadesa Pillai Co., 4/8, Damu Nagar, Coimbatore-641 018. repr. by Mrs. S. C. Selvanani-Managing Partner, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands, buildings, factory etc. in R. S. No. 2(1) known Stuart Estate Annamalai Hills, Pollachi Taluk, (Doc. No. R-640/77),

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME—TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4873.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18.6.1A & 18.6.1B, situated at Coimatore Ooty Main Road & North New St., Mettupslayam

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. No. 1487/78) on Sept. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20-106GI/79

(1) V. K. Ananthan, S/o V. V. Kalisamy Gounder 8, Alagesan Road, Coimbatore-641 011.

(Transferor)

(2) H. T. Sennan, H. C. Kurusheiv & H. C. Kumar C/o H. T. Sennan & Co., Potato Merchants, Honnathalai, Ooty Tak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at 18.6.1A and 18.6.1B, Coimbatore Ooty Main Road, & North New St., Mettupalayam.

(Doc. No. 1487/78),

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Admitant Communication of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 4859,--Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. T.S. No. 1/14, situated at Anamalai Hills (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. No. 873/78) on September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair maraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-15-76GI/19

(1) P. R. Kandaswamy Gounder,

R. K. Ramakrishnan, V. R. Palaniswamy Gounder,

P. Mohan Raj,

P. Sundaraj,

28, Kaliaangarayar St., Pollachi.

(Transferor)

(2) Shanmughanathan,

Shanmughananan,
R. M. Meenambigai,
R. M. Lokanathan,
R. M. Shanthi,
R. M. Saraswathi,
R. M. Vanaja,
Chockikulam, No. 2 Pulabai Desai St.,

Madurai Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

200 Acres of land in TS, No. 1/14, Anamalai Hills. (Doc. No. 873/78).

> O. ANANDARAM, Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-600 006.

Date: 7-5-1979

FORM ITNS----

(1) Shri C. Nallakrishnan, 433, Poonamalee High Road, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(150 1101)

Christian Mission Service Pvt. Ltd., 4, Sunkurama Chetty Street, Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 9th May 1979

Ref. No. 53/SEP/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 433, situated at Poonamallee High Road, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

JSR I Madras (Doc. No. 3657/78) on SEPT. 78 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Doc. No. 3657/78—JSR I, Madras.

Vacant Land—1 ground and twenty sq. ft. in 433, Poonamallee High Road, Madras-10.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 9-5-1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 9th May 1979

Ref. No. 52/SEP/78.—Whereas, 1 O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 433, situated at Poonamallee High Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras (Doc. No. 3656) on Sept. 78 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Srinivasan, 433, Poonamallee High Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Shristian Mission Service Pvt. Ltd., 4, Sunkurama Chetty Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the snut immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Doc. No. 3656, JSR 1 Madras.

Vacant Land—1 Ground—1234 Sq. Ft. in 433, Poonamallee High Road, Madras-10.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 9-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 The Secretary, Tamilnadu Housing Board, 36, Anna Salai, Madras-35.

(Transferor)

(2) Shi i S. T. Jagtiani, & Smt. S. S. Jagtiani, 2/7, Wallers Road, Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 9th May 1979

Ref. No 1/SEP/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the competent authority under section 269B of the lineometax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A/53 New No. 7, situated at Kilpauk Garden Colony, Madras-10

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Periamet. Madras. (Doc. No. 311/78) on 28-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Doc. No. 311/78.

Building at No. A/53, New No. 7, Kilpauk Garden Colony, Madras-10.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 9-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th May 1979

Ref. No. 36/SFP/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 19 situated at Chinnathambi Street Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR II, North Madras (Doc. No. 3919/78) on 30-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Mohamed Kassim, S/o Shri S. Hajee Kamaludeen Sahib, R/o 8, Khader Nawazkhan Street, Nungambakkam, Madras-6.

(Transferor)

(2) Smt. A. Fareetha Beevi, W/o Shri S. B. Abdul Kareem, R/o Big Street, Eduthukatti Post, Sathanur. Mayuram Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3919/78 Building No. 19, Chinnathambi Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 9-5-1979

Scal:

 D. V. Soundar Rajan, S. o Late Dr. D. V. Rangaswamy, R/o No. 200/5, Habibullah Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) L. Thangarathi, W/o V. T. Linga Vijayan R/o No. 174, G.S. Road, Madras-44.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th May 1979

Ref. No. 8372.--Whereas, 1, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, First Main Road, situated at New Colony, Madras-44 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pallavaram (Doc. No. 2085/78) on September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 1, First Main Road, New Colony, Madras-44, (Doc. No. 2085/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 5-8-1979

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Subbalakshmi Ammal, R/o Type II 1B, CLRI Quarters, Madras-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Vaidivelu R/o No. 2, Madley Second St., Madras-17.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th May 1979

Ref. No. 6601.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

No. 10, situated at Sadullah St., Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 1325/78) on September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 10, Sadullah St., Madras-17. (Doc. No. 1325/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-5-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th May 1979

Ref. No. 8371.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ʻsaid Act'), reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 78 to 84, Durga Road, situated at Pallavaram, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. No. 2034/78) on September, 1978, an apparent consideration which is less than fair market value of the the aforesaid property. and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21-106GI 79

Jakuber Nizar
 For M. N. Fareetha Beevi
 Kcelakarai,
 Ramanathapuram Dt.

(Transferor)

 P. Ahmed Sahib & Mrs. Fathima Bivi 17, Nagamani Garden St., Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 78 to 84, Durga Road, Pallavaram. (Doc. No. 2034/78)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-5-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS

Madras-600 006, the 8th May 1979

Ref. No. 6717.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, Giri Road, situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Triplicane, (Doc. No. 1063/78) on September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. K. Bhaskaran, R/o 16, Raghaviah Road, Madras-17.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

 K. Selvaratnam, R/o 28, Aravamudan Garden St., Madras-8.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 7, Giri Road, Madras-17, (Doc. No. 1063/78)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioer of Income-tax. Acquisition Range-II. Madras-600 006.

Date: 8-5-1979

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th May 1979

Ket. No. 6715.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. 6 situated at New Tank St., Madras-34,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Triplicane (Doc. No. 1048/78) on September, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) S. R. Krishna Iyer, R/o 9F, Kalinga Colony, Madras-78,

(Transferor)

(2) M. Visalakshi Ammal, R/o 6, New Tank St., Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 6, New Tank St., Madras-34. (Doc. No. 1048/78)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th May 1979

Ref. No. 6632.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 65 (part) situated at Peters Road, Now No. 9, Jeypore Nagar, Royapettah, Madras

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1254/78) on September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Prakashvathy R/o 19, Besant Road, Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) Srichand Fagoomal, Mrs. Kamalesh Bhai Srichand, R/o 6, Padmavathy Road, Jaipur Nagar, Madras-600 086.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (part) at No. 9, Jeypore Nagar, Royapettah, (Doc. No. 1254/78)

O. ANANDARAM.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 9-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madias-600 006, the 9th May 1979

Ref. No. 6630.—Whereas. 1, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5, D'Monte St., Madras-4 situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1235/78) on September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. N. Nagaraj, R/o 21, Tailors Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Devkishen Daga, R/o 63, N.S.C. Bose Road, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and building at No. 5, D'Monte St., Madras-4, (Doc. No. 1235/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 9-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras,-600 006, the 16th May 1979

Ref. No. 6706.-Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. RS. No. 43/3 and 43/4, situated at C.C. No. 2950, Greams

Road, Nungambakkam, Madras

(and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Triplicane (Doc. No. 983/78) on September 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the coasideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) K. M. Zafrullah S/o K. M. Kamaluddeen Iavia St., Koothanallur (PO) Tanjavur.

(Transferor)

(2) S. M. Habibunnisa Begam W/o A. Noor Mohammed Mosque St., Arangakudi (PO) Mayuram Taluk, Thanjavur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12 undivided share in the land and building (II Floor) in RS. No. 43/3 and 43/4 CC. No. 2950 at Greams Road, Nungambakkam, Madras. (Doc. No. 6706/78)

> RADHA BALAKRISHNAN. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Date: 16-5-1979

Scal:

object of-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 15th May 1979

Ref. No. 6654.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/-and bearing.

No. 11, Sir Ramaswamy, situated at Mudaliar Road, Madras-7

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Purasawalkam, (Doc. No. 1387/78) on September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income airising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 K. Annapoorna W.o. M. C. Kumaraswamy Reddiar, Mettupattu Village, Namakkal, Salem Dt,

(Transferor)

(2) M/s Mohammed Dawood Sheriff & Manju @ Begumjan, R/o 43, Ayyapillai Street, Pudapet, Madras-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in RS. No. 2/13 (part) No. 11, Sir Ramaswamy Mudaliar Road, Madras-7. (Doc. No. 1387/78)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Date: 15-5-1979

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 16th May 1979

Ref. No. 6592.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 12, situated at College Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras (Doc. No. 3910/78) on September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 The Power Centre (P) Lul., by its Director, 150-B, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) Mrs. E. S. M. Ahamed Mariyam, W/o Alhaj S. M. Hameed Abdul Quadir, R/o 19. General Patters Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in RS. No. 78/8, 12, College Road, Madras-6. (Doc. No. 3910/78).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-5-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 16th May 1979

Ref. No. 6649.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 62, (New No. 65) situated at II Main Road, Gandhi Nagar, Madras-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Madras (Doc. No. 3690/78) on September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
22—106GI/79

(1) V. K. Balachandran, R/o 5/1A, Kellays Road, Madras.

(Transferor)

(2) D. S. Nathan, R/o 47, Elliots Road, Madras-32.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxplanation:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

65. Second Main Road, Gandhinagar, Madras-20. (Doc. No. 3690/78).

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th May 1979

Ref. No. 4789.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

GS. No. 12/6A1A1A and 12/1A1C1A3 situated at Anaimalai Hills Village

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anaimalai (Doc No. 835/78) on Septmeber, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, or nely:—

 C. M. Mohamed Haroon S/o C. C. Mohamed Kassim, R/o Haroon Manzil Anaimalai Road, Chalakudi, Kerala State.

(Transferor)

(2) R. Paranthaman
 S/o K. P. Rajagopal
 R/o 28/178, Co-Operative Colony Valparai,
 Anaimalai Hills Village,
 Pollachi Taluk, Coimbatore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings in GS. No. 12/6A1A1A and 12/1A1C1A3 admeasuring 46.11 Acres known as Malnad Plantations at Valparai, Korangumudi, Old Cochin Road. (Doc. No. 835/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 9-5-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 17th May 1979

Ref. No. 6598.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable proverty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. 23, Srinagar Colony, Temple, situated at Avenue Road,

Saldapet, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet, Madras (Doc. No. 1231/78) on September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Subbalakshmi (Alias) Sankaran No. 2 Ashlay Road, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) K. C. Ramaswamy S/o K. M. Chinna Rangaiah Gounder, 40 11th St., Dadapat, Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the srvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

nagar Colony, Saidapet, Madras.
House and Ground No. 23, Temple Avenue Road, Sri-(Doc. No. 1231/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-5-1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION PANGE II, MADRAS

Madras-600 006, the 16th May 1979

Ref. No. 6658.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 29/1 situated at 878, Poonamallee High Road, Madras-84.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 1437/78) on September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen—percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G. Babulingam,
 G. Sankarlingam
 R/o 878, Poonamallee High Road,
 Madras-84.

(Transferor)

 B. Srinivas R/o 98, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and garage covered by Zinc Sheet in R. S. No. 29/1 at 878, Poonamallee High Road, Madras-84. (Doc. No. 1437/78).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-5-79

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 606, the 16th May 1979

Ref. No. 6658.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 878 situated at Poonamallee High Road, Madras-84 (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Purasawalkam (Doc. No. 1436/78) on September, 1978 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—86GI/79

 S. Babulingam, R/o 878, Poonamalice High Road, Madras-84.

(Transferor)

(2) B. Shanthi, R/o 98, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-84.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 878, Poonamallee High Road, Midras-84. (Doc. No. 1436/78).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-5-79

 Shri M. N. Rajaram, 475, Kilpauk Garden Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri S. M. A. Jamaludeen & Others (minors) By Guardian S. M. Abdul Khader, R/o 155, Lingh Chetty Street, Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 26th May 1979

Ref. No. RAC No. 50/Sep/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 155, situated at Linghi Chetty Street, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II North Madras (Doc. No. 3509/78) on 1-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Docment No. 3509/78

f.and & Buildings at No. 155, Lingh Chetty Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 26-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 26th May 1979

Ref. No. 48/SEP/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/.and bearing No.

S. No. 2292/1 & 2333 situated at Thenkarai Village, Periakulam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at North Madras (Dc. No. 3574/78) on 7-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid; exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Srinivasan & Others R/o 6, Viswanathan Street, Raja Annamalaipuram, Madras.

(Transferor)

(2) Shri M. Ahmed Gani, R/o 13, Putti Sahib Street, Puskansavadi, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Doc. No. 3754/78 JSR I Madras North. Agricultural lands at Survey No. 2292/1 & 2333 Thenkarai Village, Periakulam, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 26-5-1979

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 26th May 1979

Ref. No. 47/SEP/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 2334 & 2331 situated Thenkarai Village, Periakulam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras (Doc. No. 3573/78) on 7-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Srinivasan & Others, No. 6, Viswanathan Street, Raja Annamalaipuram, Madras.

(Transferor)

(2) 5hri M. Abdul Rahiman Sahib,13, Putti Sahib Street,13, Putti Sahib Street,Pushkansavadi, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aot, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

File No. 47/SEP/78

Document No. 3573/78 JSR I, Madras North.
Agricultural lands

Survey No. 2334 & 2331 at Thenkarai Village Periakulam, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 26-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGEA, MADRAS

Madras-600 006, the 26th May 1979

Ref. No. 28/SEP/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3 (T.S. No. 539/1) situated at Navrathuapuram South Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Felch wing Officer at JSR I, Madurai (Doc. No. 3600/78) on 1-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/on
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. M. R. Krishnamurthy, 4, Vallabai Road, Sokkikulma, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri V. K. M. Sankaralingam & V. K. M. Palaniswamy, No. 5, P.V. Somasundara Nadar Lane, Keelamasi Veedhi, Madurai.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Decument No. 3600/78—ISRI, Madurai, Building at Door Fig. 3 (7.3, No. 539-1), Navarthnapuram South Street, Madurai.

> O ANANDARAM, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax, Acquirition Bangest Medias-600 006,

Date: 26-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) GF : HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 26th May 1979

Rcf. No. F. No. 24/SEP/78.—Whereas, J. O. ANANDARAM

being the Competent Authority under Fortion 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 43, situated at Nethaji Road, Madurai (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam (Doc. No. 1727/78) on 30-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Nachiar Ammal & (1) Rukmanikanthan Naidu, R/o 162-A Saliar Street, Tirunelyeli.

(Transferor)

(2) Shri V. K. M. Sankaralingam & 2-A, Old Punjaimettu Street, Southveli Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1727/78, SRO Pudumandapam, Buildings at Door No. 43, Nethaji Road, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 26-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 2nd June 1979

Ref. No. 3AC/CA5/Fa-Bombay /Nov., /78/448.—Whereas I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 121A, 122 & 122A, Entry No. 257, 259, 260 and now bearing final plot No. 30 of TPS Longvala No. 1 and CTS Nos. 211, 211-1 and 202 and Municipal Nos. 110 and 111, situated at Ward Tungarli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Bombay on 18-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the irsue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Jethalal Bhimji Sonl, Delster, Kemp's Corner, Bombay-29.

(Transferor)

(2) Shangrila Construction Co., 6-B, Sindhu House, 2nd Floor, Nanabhoy Lane, Fort, Bombay-23.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Cilicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 121-A, 122 & 122A, Entry No. 257, 259, 260 and now bearing final plot No. 30 of T. P. S. Lonavala No. 1 and C.T.S. Nos. 211, 211-1 and 202 and Municipal Nos. 110 & 111, Ward Tungarli.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1490 dated 18-11-1978 in the office of the Sub Registrar, Bombay).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range Poona.

Date: 2-6-1979.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd March 1979

Ref. No. AC-53/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 23A/603/1, situated at Diamond Harbour Road, New Alipore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Distt. Registrar, 24-Parganas, Alipore on 29-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monesy or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bithika Deb, Block-7, Flat-3, 131, Netaji Subhash Chandra Bose Road, Regent Park, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Amitabha Manna R/o 16, Joydeb Kundu Laue, Howrah-1,
2. Manjushree Dass R/O P-44, Block-G, New Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the salf immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 4-cottahs, 2-chittaks & 23-sq. ft., holding No. 23A/603/1, Diamond Harbour Road, Block-O, New Alipore, 24-Parganas.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Ruli Ahmed Kidwai Rond,
Calcutta-16.

Date: 23-3-1979

Scal: